जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

Rashtradoot

जयपुर, रविवार 23 अगस्त, 2026

PRODUCT TYPE	UNIT TYPE	SIZE	PRESENT RATE	31 AUG. 2026	30 SEPT. 2026	31 OCT. 2026	30 NOV. 2026	30 DEC. 2026
WALK-UP APARTMENT	2 BHK (GF)	1350 Sq Ft	70 Lacs	72 Lacs	74 Lacs	76 Lacs	78 Lacs	80 Lacs
	3 BHK (SF)	1900 Sq Ft	80 Lacs	82 Lacs	84 Lacs	86 Lacs	88 Lacs	90 Lacs
	3 BHK (FF)	1900 Sq Ft	87.5 Lacs	90 Lacs	92.5 Lacs	95 Lacs	97.5 Lacs	1 Cr
KOTHI	3 BHK BIG	2000 Sq Ft	1.125 Cr	1.15 Cr	1.175 Cr	1.20 Cr	1.225 Cr	1.25 Cr
	4 BHK BIGGER	2325 Sq Ft	1.35 Cr	1.38 Cr	1.41 Cr	1.44 Cr	1.47 Cr	1.50 Cr
	4 BHK BIGGEST	3200 Sq Ft	1.75 Cr	1.80 Cr	1.85 Cr	1.90 Cr	1.95 Cr	2 Cr

विचार बिन्दु

समय सबसे बड़ा चिकित्सक है, वक्त हर घाव का मरहम है। –कहावत

आँवला अकेला ऐसा द्रव्य है जो सर्वश्रेष्ठ आहार, रसायन व औषधि है

राष्ट्रदूत में आयुर्वेद पर अतिथि संपादकीय पढ़कर बहुत सारे लोग एक प्रश्न पूछते हैं कि आप हमें एक ऐसा द्रव्य बताइए जो अमृत के सबसे नजदीक हो और जिसको लेने पर तमाम रोगों से दूरी बनी रहे। इसके उत्तर में प्राय: मैं यह कहता हूं कि आपके लिये इससे सरल कोई प्रश्न हो नहीं सकता था और मेरे लिये इसका उत्तर देने से कठिन और कुछ नहीं हो सकता था। इस प्रश्न का निर्विवाद, सटीक और वस्तुनिष्ठ उत्तर देने के लिये आयुर्वेद वांग्मय की समस्त संहिताओं की गहरी समझ और गहन अध्ययन तो जरूरी है ही, उसके साथ ही आयुर्वेद के समस्त द्रव्यों में आज तक हुई आधुनिक वैज्ञानिक शोध को भी समझना जरूरी है। अंततोगत्वा, आयुर्वेदाचार्यों का अनुभव भी उन समस्त द्रव्यों में देखना जरूरी है जो आयुर्वेद की संहिताओं में ज्ञात हैं। अब आप समझ गए होंगे कि यह एक ऐसा प्रश्न है जिसका उत्तर खोजने में पूरा जीवन खर्च किया जा सकता है। फिर भी, पिछले पांच दशकों में आयुर्वेद की संहिताओं, आधुनिक वैज्ञानिक शोध और अनुभव की त्रिवेणी में बार-बार डुबकी लगाते हुये प्राप्त व्यक्तिगत समझ के आधार पर आज मैं इस प्रश्न का उत्तर दूँगा। आज की चर्चा इसी प्रश्न के उत्तर पर केन्द्रित है।

मेरे ज्ञान और विश्वास के आधार पर आँवला अकेला ऐसा द्रव्य है जो सर्वश्रेष्ठ आहार, रसायन व औषधि है। आंवला से बेहतर ऐसा कोई बहुआयामी द्रव्य नहीं है जिसे आप भोजन, रसायन और दवाई में एक साथ प्रयोग कर सकते हैं। आइये सबसे पहले आधुनिक वैज्ञानिक शोध से प्राप्त जानकारी के एक अंश को पहले देखते हैं।

उम्र-आधारित रोगजनन का एक प्रमुख कारण डी.एन.ए. रिपेयर मैकेनिज्म में गड़बड़ी होना माना जाता है। जीवित कोशिकाओं के गुणसूत्रों में पाये जाने वाले तंतुनुमा अणु को डीऑक्सीराइबोन्यूक्लिक एसिड या डी.एन.ए. कहा जाता है। इसी में अनुवांशिक कोड निहित रहता है। जैसे जैसे डी.एन.ए. डैमेज का बोझ बढ़ता जाता है, शरीर बुढ़ापे की ओर बढ़ता जाता है। इस कारण अनेक समस्यायें जैसे कैंसर, न्येरोडीजेनरेशन और बढ़ती उम्र के कारण होने वाली अनेक व्याधियां विकसित हो जाती हैं। शरीर की कोशिकाओं द्वारा डी.एन.ए. डैमेज के संकेत प्राप्त करना और टूट-फूट की मरम्मत करने की क्षमता उम्र के साथ घटती जाती है। इसीलिये बढ़ती उम्र में अनेक रोग लग जाते हैं। तो क्या रसायन के रूप में आमला बढ़ती उम्र के लोगों में डी.एन.ए. रिपेयर मैकेनिज्म की गति को बढ़ा सकता है? इस विषय में कई अध्ययनों से यह सिद्ध होता है कि रसायन औषधियाँ डी.एन.ए. रिपेयर की गति को बढ़ाकर बुढ़ापा आने की गति को धीमा कर देती हैं। हाल में हुये एक क्लीनिकल ट्रायल (जर्नल ऑफ़ एथनोफार्माकोलॉजी, 2016, 191: 387-397) में पाया गया कि आमलकी रसायन के प्रयोग से डी.एन.ए. स्ट्रैंड में तोड़फोड़ की गति कम होती है तथा रिपेयर मैकेनिज्म तेज हो जाती है। यह रसायन सुरक्षित भी पाया गया है। एक अन्य अध्ययन में (जर्नल ऑफ़ आयुर्वेदा एंड इंटीग्रेटिव मेडिसिन, 2017, 8:105-112), जो 45-60 वर्ष के लागों के मध्य किया गया, पाया गया है कि आमलकी रसायन का प्रयोग रक्त की पेरिफेरल ब्लड मोनोन्यूलियर सेल्स में टीलोमीयर की लम्बाई में बदलाव किये बिना टीलोमेरेज क्रियात्मकता को बढ़ा देता है। चूंकि इससे टीलोमियर के क्षरण में कमी आती है, अत: हितायु-सुखायु या हैल्थस्पान में बेहतरी होती है।

असल में आमलकी वह अमृत रुपी आयुर्वेदिक रसायन है जो आयुर्वेदाचार्यों के युक्ति-व्यपाश्रयी कौशल से मिलकर कैंसर, डायबिटीज, हृदयरोग समेत तमाम रोगों को ठीक कर सकता है या इनसे हमारा बचाव कर सकता है। आमलकी रसायन के चमत्कारिक प्रभाव का विज्ञान तो अभी पकड़ में आना शुरू ही हुआ है। आमलकी रसायन, आयरन की कमी से होने वाले एनीमिया में भी लाभकारी पाया गया है।

आधुनिक विज्ञान की दृष्टि से पुन: देखा जाये तो यह सिद्ध करने के लिये कि आमलकी आयु को स्थिर करने वाला द्रव्य है, प्रमाणों के दो अलग-अलग समूह देखना आवश्यक है। प्रथम समूह यह कि कोई भी द्रव्य जो जीवन को सुरक्षित रख सकता है, उसमें दो गुण होना अनिवार्य है: पहला, फ्री-रेडीकल स्केवेंजिंग के द्वारा ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस को कम करना एवं, दूसरा, एन्टीइन्फ्लेमेटरी गुण का होना।इन दोनों गुणों के कारण ही कोई द्रव्य बढ़ती हुई उम्र के कारण लगने वाले रोगों से लड़ सकता है। प्रमाणों के दूसरे समूह में सीधे इस बात को देखना है कि उम्र के कारण होने वाली बीमारियों को रोकने एवं हो जाने पर उपचार करने की शक्ति आमलकी में है या नहीं। फ्री-रेडीकल स्केवेंजिंग एवं एन्टीइन्फ्लेमेटरी गुण के सन्दर्भ में आमलकी उच्चकोटि का रसायन एवं एडॉप्टोजेन होने के कारण दोनों ही प्रभाव पर्याप्त आधुनिक शोध में सिद्ध हुये हैं। बढ़ती उम्र की गैरसंचारी बीमारियों जैसे कैंसर, डायबिटीज हृदय रोग, अपर श्वसन तंत्र के रोग, मानसिक रोग एवं इन रोगों के कारण होने वाली द्वितीयक-जटिलताओं को रोकने के प्रमाण भी हैं। इस दिशा में विश्व भर में आमलकी पर गंभीर अध्ययन हुये हैं।मुख्य रूप से प्रयोगशाला-उपकरणों के द्वारा इन-वाइट्रो तथा विभिन्न प्रजातियों के प्राणियों में इन-वाइवो अध्ययनों पर 250 से अधिक शोध पत्र प्रकाशित हो चुके हैं। इन सबसे सिद्ध हुआ है कि आमलकी में एंटीऑक्सीडेंट, इम्यूनोमोड्यूलेटर, हिपेटोप्रोटेक्टिव, कार्डियोप्रेटेक्टिव, रीनोप्रोटेक्टिव, एंटीडायरियल, एंटीएमेटिक, एन्टीकैंसर, एन्टीडायबेटिक, एन्टीइन्फ्लेमेटरी, एन्टीहाइपरटेंसिव, न्यूरोप्रोटेक्टिव, एंटीएथीरोस्क्लीरोटिक, एन्टीवायरल, ऐन्टीप्रोलीफेरेटिव, एन्टीपायरेटिक, एनलजेसिक, एन्टीमाइक्रोबियल, एन्टीएलर्जिक, एन्टीहापरलिपिडेमिक, एंटीहाइपरथायरॉयडिज्म, एल्डोज रिडक्टेज इनहिबिटर, प्रोटीन काइनेज इनहिबिटर, गेस्ट्रोप्रोटेक्टिव, स्मृतिवर्धक, एन्टीअल्जीमर, एन्टीकेटरेक्ट आदिगुण हैं। विश्व की सर्वाधिक महत्वपूर्ण शोध-पत्रिकाओं में आमलकी पर 2200 से अधिक शोध पत्र प्रकाशित हो चुके हैं। आँवला के गुणधर्मों पर शास्त्रीय सिद्धांतों एवं साइंटिफिक अध्ययनों के निष्कर्षों में पूर्ण समानता है। त्रिफला नामक उपयोगी रसायन में भी आमलकी एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। हालाँकि अभी क्लिनिकल ट्रायल्स कि आवश्यकता है, परन्तु अभी तक के अध्ययनों में त्रिफला के रोगरोधी या प्रोफायलैक्टिक तथा रोगोपचारी या थेराप्यूटिक गुणधर्म का शास्त्रों और साइंस में निर्विवाद प्रमाणीकरण हुआ है।

असल में आमलकी वह अमृत रुपी आयुर्वेदिक रसायन है जो आयुर्वेदाचार्यों के युक्ति-व्यपाश्रयी कौशल से मिलकर कैंसर, डायबिटीज, हृदयरोग समेत तमाम रोगों को ठीक कर सकता है या इनसे हमारा बचाव कर सकता है। आमलकी रसायन के चमत्कारिक प्रभाव का विज्ञान तो अभी पकड़ में आना शुरू ही हुआ है। आमलकी रसायन, आयरन की कमी से होने वाले एनीमिया में भी लाभकारी पाया गया है।

आइये अब संहिताओं की ओर चलते हैं। आमलकं वय:स्थापनानाम्(च.सू. 25.40) चरकसंहिता का एक महावाक्य है।अनेक शताब्दियों बाद आचार्य वाग्भट ने इसी वाक्य को वयस: स्थापने धात्री(अ.हृ.उ. 40.56) दोहराया है।सन्दर्भ-विशेष में अर्थ यह है कि आमलकी या आँवला आयु को स्थिर करने वाले द्रव्यों में श्रेष्ठतम है। निहितार्थ यह भी है कि बढ़ती उम्र के बावज़ूद शरीर में आयु-आधारित-व्याधिजनन या तो रुक जाता है या गति धीमी हो जाती है। आयु-आधारित व्याधिजनन या एज-रिलेटेड-पैथोजेनेसिस समकालीन विश्व की सबसे गंभीर समस्या है जिससे बायो-मेडिकल साइंस अभी तक पार नहीं पा सका है।

कम से कम पांचवी शताब्दी ईसा पूर्व से लेकर वत्तर्मान काल तक लिखित या संकलित आयुर्वेद की संहिताओं और ठांथों के निचोड़ के आधार पर यह कहना उचित है कि आयुर्वेद का ऐसा कोई ठान्थ नहीं जिसने आमलकी को एक उच्चकोटि का भोजन, प्रभावी रसायन और महत्वपूर्ण औषधि के रूप में मान्यता नहीं प्रदत्त की हो। चरकसंहिता के अनुसार आँवला में लवण रस के अतिरिक्त सभी रस हैं। अम्लरस-प्रधान, रुक्ष, मधुर, कषाय है। परम कफ-पित्त नाशक, वृष्य या पुरुषत्व-वर्धक, रसायन, तथा गुल्म, उदर, ज्वर, पांडु, अतिसार, प्रमेह, कामला, कृमि आदि रोगों के विरुद्ध उपयोगी है। सुश्रुतसंहिता के अनुसार रक्त-पित्तशामक, नेत्र ज्योति बढ़ाने वाला,पुरुषत्व-वर्धक रसायन है। भावप्रकाश निघंटु के अनुसार यह पुरूषत्व बढ़ाने वाला, रसायन एवं रक्त-पित्त-हर, गुल्महर और प्रमेहहर है।धन्वन्तरि निघंटु के अनुसार पुरूषत्व-वर्धक, रसायन, ज्वरहर, तथा स्त्रीरोगों में लाभकारी है। राजनिघंटु के अनुसार आमलकी रक्त-पित्त-हर है। इस सम्बन्ध में भावप्रकाश में वर्णित गुणधर्म देखना उपयोगी है (पूर्वखण्ड 6.2.39-40): हरीतकीसमं धात्रीफलं किन्तु विशेषत:। रक्तपित्तप्रमेहघ्नं परं वृष्यं रसायनम्।। हन्ति वातं तदम्लत्वात्पित्तं माधुर्यशैत्यत:। कफं रूक्षकषायत्वात्फलं धात्र्यास्त्रिदोषजित्।। आँवला हरीतकी की भांति है, विशेषकर रक्त-पित्त-प्रमेहहर, पुरुषत्ववर्धक व रसायन है। अपने अम्ल रस व शीत वीर्य द्वारा वात का शमन और शुष्कता और कषाय के द्वारा कफ शमन करता है। इस प्रकार तीनों दोषों के शमन में विजयी होता है। आचार्य वाग्भट ने आमलक रसायन का वर्णन करते हुये लिखा है (अ.हृ.उ. 39.149): धात्रीरसक्षौद्र सिताघृतानि हिताशनानां लिहतां नराणाम्। प्रणाशमायान्ति जराविकारा ग्रन्था विशाला इव दुर्गृहीता:।।आमले का रस, शहद, खण्ड, तथा घी मिलाकर प्रतिदिन चाटते रहने से जरा-जन्य-विकार ठीक उसी प्रकार नष्ट हो जाते हैं, जैसे बेमन से पढ़े गये ग्रन्थ भूल जाते हैं। इसी प्रकार आँवले का वाजीकारक, अर्थात वृष्य या पुरुषत्व-वर्धक योग भी निर्दिष्ट है (अ.हृ.उ. 40.27): कृष्णाधात्रीफलरज: स्वरसेन सुभावितम्। शर्करामधुसर्पिर्भिर्लीढ्वा योऽनु पय: पिबेत्।। स नरोऽशीतिवर्षोऽपि युवेव परिहृष्यति। जैसा कि आचार्य सुश्रुत ने भी कहा है (सु.चि. 26.24-25): एवमामलकं चूर्णं स्वरसेनैव भावितम्। शर्करामधुसर्पिर्भिर्युक्तं लीढ्वा पय: पिबेत्।। एतेनाशीतिवर्षोऽपि युवेव परिहृष्यति। तात्पर्य यह है कि आँवला स्वरस से अच्छी तरह भावित आँवला-चूर्ण में, खण्ड, मधु व घी मिलाकर जो व्यक्ति लेकर बाद में दूध पीता है, वह अस्सी साल की उम्र में भी युवा की तरह मौज़ मारता है।

इन सब तथ्यों के कारण भूले-बिसरे आँवले को अपने भोजन का अंग बनाने के लिये हमारा उत्साहित होना स्वाभाविक है। चलते-चलते आपको एक बढ़िया चटनी बनाने की विधि भी बता देते हैं। यह स्वादिष्ट चटनी आपको स्वस्थ रखने में मददगार हो सकती है। चार लोगों के लिये 12 बादाम भीगे और छिलके उतारे हुये या यदि जवान लोगों के लिये है तो छिलका सहित, 2 इंच अदरक का टुकड़ा, 12 मुनक्के, 4 आमलकी के ताज़े फल, 1 मिर्च देसी, 4 दाना लहसुन, यदि आप लेते हों, 20 ग्राम अनार के ताज़े दाने, 1 ग्राम मिश्री, 12 ग्राम धनिया के पत्ते और सैन्धव लवण स्वादानुसार लेकर पीस डालिये। बस बन गयी चटनी। आनंद लीजिये और स्वस्थ रहिये।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय
(इंडियन फारेस्ट सर्विस से सेवानिवृत्त, वर्तमान में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान सहित अनेक विश्वविद्यालयों में विजिटिंग प्रोफेसर)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं।)

कृपा करके मुझे समाधान मत दीजिए, मुझे बस सब ठीक है कहिए! कड़वी दवा और मीठा ज़हर

प्रो. अशोक कुमार

लेखक होने का सबसे बड़ा ख़ामियाज़ा यह है कि इंसान इस मुग़ालते में जीने लगता है कि लोग उसकी बात सोच-समझकर पढ़ रहे हैं। जब आप रात-दिन एक करके, राष्ट्रीय शिक्षा नीति का निष्पक्ष पोस्टमार्टम करते हैं, प्राथमिक स्कूलों से लेकर विश्वविद्यालयों और मेडिकल कॉलेजों तक की ज़मीनी हकीकत का डेटा जुटाते हैं, और आख़िर में दो-तीन पन्नों का एक बहुत ही संतुलित एवं वैज्ञानिक समाधान लिखकर तैयार करते हैं-तो मन में एक उम्मीद जागती है।सोचते हैं कि मित्रगण फ़ोन करेंगे और कहेंगे-"अरे भाई! क्या अद्भुत विश्लेषण किया है आपने! अगर यह समाधान लागू हो जाए, तो शिक्षा व्यवस्था का कल्पवृक्ष खिल उठे!"

लेकिन जैसे ही आप उत्सुकता से किसी मित्र से पूछते हैं, "क्यों भाई, मेरा पिछला लेख पढ़ा क्या?"

तो उधर से एक ठंडी आह के साथ जवाब आता है-"अरे यार, तुम फिर वही कमियां निकालने बैठ गए! हर लेख में बस चुनौतियां, बस शिकायतें... कुछ सकारात्मक लिखा करो भाई!"

आप ज़ोर देकर कहते हैं, "अरे भाई! लेख में सिर्फ़ कमियां नहीं हैं, नीचे पूरा समाधान भी तो दिया है!"

पर सामने से निष्पक्ष भाव से उत्तर मिलता है-"अरे, समाधान तक कौन पहुँचता है? पहली तीन पंक्तियों में ही मूड ख़राब हो जाता है!"

अब आप इन भोले-भाले, सकारात्मकता के पुजारियों को कैसे समझाएं कि जब कोई लेखक यह लिखता है कि "स्कूलों में शिक्षक नहीं हैं, महाविद्यालयों में कुर्सियां खाली हैं, विश्वविद्यालयों में फैकल्टी का अकाल है और मेडिकल कॉलेजों में भी भगवान भरोसे पढ़ाई हो रही है"-तो यह कोई आलोचना नहीं है, यह तो शिक्षा प्रणाली के दिव्य-रूपांतरण का उद्घोष है!

जरा ठंडे दिमाग़ से सोचिए! अगर किसी विद्यालय या विश्वविद्यालय में शिक्षक ही नहीं हैं, तो इसमें दुखी होने या छाती पीटने की क्या बात है? यह तो केंद्र और राज्य सरकारों की आत्मनिर्भर भारत योजना का सबसे व्यावहारिक और सफल मॉडल है!

न रहेगा गुरु, न रहेगी दक्षिणा! जब शिक्षक ही नहीं होंगे, तो छात्र स्वयं पढ़ेंगे। जब स्वयं पढ़ेंगे, तो आत्मनिर्भर बनेंगे। और जब बिना किसी गुरु के खुद ही डिग्री हासिल कर लेंगे, तो इससे बड़ा स्किल डेवलपमेंट (कौशल विकास) और क्या हो सकता है?

अब मेडिकल कॉलेजों को ही ले लीजिए। अगर वहां प्रोफ़ेसर नहीं हैं, तो यह तो बेहद हर्ष का विषय होना चाहिए। विद्यार्थी सीधे इंटरनेट और यूट्यूब से डू इट योरसेल्फ़ देखकर जब सीधे ऑपरेशन थिएटर में उतरेगा, तो वह सही मायनों में सेल्फ़-मेड डॉक्टर कहलाएगा। लेकिन अफ़सोस! हमारे देश के नीति-विश्लेषकों को इस महान आत्मनिर्भर क्रांति में भी केवल चुनौतियां ही नज़र आती हैं!

हमारे मित्र कहते हैं कि हम विश्वविद्यालयों के दीक्षांत समारोहों की भी बेवजह आलोचना करते हैं।

अब आप ही बताइए, अगर किसी विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में रात-दिन प्रयोगशालाओं में पसीना बहाने वाले शोधार्थियों को बुलाया ही न जाए, और केवल दो-चार गोल्ड मेडल विजेताओं को मंच पर खड़ा करके रस्म अदायगी कर ली जाए-तो इसमें गलत क्या है? आखिर शोधार्थी का काम तो बंद कमरे में रिसर्च करना है, उसे गाउन पहनाकर मंच पर बुलाने से क्या रैंकिंग सुधर जाएगी?

और अगर उसी दीक्षांत समारोह में शोधार्थियों की जगह आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के कार्यक्रम, रंग-बिरंगे सास्कृतिक मेले और फ़ोटो-ऑप्स आयोजित किए जा रहे हैं, तो यह तो अकादमिक विविधता का सर्वोत्तम उदाहरण है!

लेकिन हमारे जैसे नकारात्मक लेखक उसमें भी स्याही उड़ेल देते हैं कि-"साहब, दीक्षांत का मूल उद्देश्य भटक गया है!" अरे भाई, उद्देश्य भटकने में ही तो असली आनंद है, सीधे रास्ते पर चलकर आज तक किसका भला हुआ है? वास्तव में, समस्या लेख में नहीं है; समस्या उस सकारात्मकता के चश्मे में है जिसे पहनकर हमारे मित्र समाज को देखना चाहते हैं। आज के आधुनिक पाठक की मानसिकता का अध्ययन करें तो उसके तीन मुख्य नियम हैं:-

नियम 1: "मुझे मीठी गोली दो।"-पाठक को यह मत बताओ कि उसकी इमारत की नींव हिल रही है, बस यह बताओ कि दीवार का पेंट कितना चमकदार है।

नियम 2: "समाधान बहुत लंबा होता है।"-समस्या पढ़ने में दो मिनट लगते हैं, लेकिन समाधान समझने के लिए दिमाग़ का इस्तेमाल करना पड़ता है। और आज के डिजिटल युग में सोचना सबसे महंगा और उबाऊ काम माना गया है।

नियम 3: "सब चंगा सी!"-यदि कोई व्यवस्था चल रही है (चाहे वह पटरी से उतरकर ही क्यों न चल रही हो), तो उसमें सुधार की बात करके शांति भंग मत करो।

जब हम लेख में लिखते हैं कि "यदि शिक्षकों की भर्ती पारदर्शी तरीके से की जाए और विश्वविद्यालयों को नौकरशाही के प्रशासनिक हस्तक्षेप से मुक्त किया जाए, तो स्थिति सुधर सकती है"-तो पाठक को लगता है कि हम उसे कोई कठिन होम-वर्क दे रहे हैं।

वे सोचते हैं-"अरे भाई, समाधान लागू कौन करेगा? इससे अच्छा तो यह है कि तुम लिखो कि हमारे देश की शिक्षा व्यवस्था दुनिया में सर्वश्रेष्ठ है, भले ही हमारी यूनिवर्सिटी टॉप-500 से बाहर हों!"

मित्रों की इन निष्पक्ष सलाहों के बाद, अब मैंने भी अपना दृष्टिकोण बदलने का निर्णय लिया है। अब से मेरे लेख कुछ इस प्रकार के सकारात्मक और उत्साहवर्धक होंगे:-

शीर्षक: "विश्वविद्यालयों में शिक्षकों की शून्य उपस्थिति: एक ऐतिहासिक उपलब्धि!"

"यह अत्यंत गौरव का विषय है कि हमारे उच्च शिक्षण संस्थानों ने शिक्षकों से पूरी तरह मुक्ति पा ली है। अब न कोई वेतन का खर्च है, न ही फैकल्टी की गुटबाजी। छात्र अब पूरी तरह से स्वतंत्र हैं। दीक्षांत समारोहों को इतना आधुनिक बना दिया गया है कि अब उसमें छात्रों की उपस्थिति की आवश्यकता ही नहीं रही। केवल डिजिटल स्क्रीन पर नाम चमका दिए जाते हैं। यह तकनीक और आत्मनिर्भरता का वह संगम है, जिसकी कल्पना भी पश्चिमी देश नहीं कर सकते!"

व्यंग्य को यदि एक तरफ रख दें, तो हकीकत यही है कि जब समाज समस्याओं की ओर से आंखें मूंदकर केवल झूठी प्रशंसा को ही सत्य मानने लगे, तो वहां समाधान की गुंजाइश ख़त्म होने लगती है।

जो मित्र यह कहते हैं कि "तुम सिर्फ़ कमियां निकालते हो", वे दरअसल उस मरीज़ की तरह हैं जो डॉक्टर से कहता है-"तुम मुझे यह मत बताओ कि मुझे टायफाइड है, तुम बस यह बताओ कि मैं कितना सुंदर लग रहा हूँ!" एक सच्चा नीति-विश्लेषक और जागरूक लेखक कभी भी केवल आलोचना नहीं करता। वह तो उस सर्जन की तरह होता है जो चीरा इसलिए लगाता है ताकि घाव का मवाद बाहर निकल सके और शरीर स्वस्थ हो सके। लेकिन अफ़सोस, आज के सकारात्मक दौर में लोग चीरे का दर्द तो देखना चाहते हैं, पर उस चीरे के बाद मिलने वाले स्वास्थ्य को समझने का धैर्य किसी के पास नहीं है।

इसलिए, आगे से जब भी कोई दोस्त कहे कि "तुम्हारा लेख बहुत निराशाजनक था", तो समझ जाइएगा कि आपने बिल्कुल सही दुखती रग पर हाथ रखा है! क्योंकि दर्पण का काम चेहरा चमकाना नहीं, केवल चेहरा दिखाना होता है।

– प्रो. अशोक कुमार,
पूर्व कुलपति कानपुर, गोरखपुर विश्वविद्यालय, विभाग अध्यक्ष राजस्थान विवि. जयपुर

शिक्षा का बढ़ता विभाजन और बच्चों का स्कूल से दूर होता भविष्य

शिक्षा में निजी और सरकारी के बीच बढ़ती खाई को कम करना समय की सबसे बड़ी जरूरत

राजेन्द्र जोशी

शिक्षा किसी भी लोकतांत्रिक और विकसित समाज की सबसे बड़ी ताकत होती है। शिक्षा का उद्देश्य समाज में अवसरों की समानता पैदा करना, बच्चों को बेहतर भविष्य के लिए तैयार करना और आर्थिक-सामाजिक असमानताओं को कम करना है। लेकिन पिछले तीन दशकों में भारतीय शिक्षा व्यवस्था जिस दिशा में आगे बढ़ी है, उसने इस मूल उद्देश्य के सामने कई गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं। शिक्षा धीरे-धीरे दो स्पष्ट वर्गों में बंटती दिखाई दे रही है-एक ओर महंगे निजी शिक्षण संस्थान हैं, जहां आर्थिक रूप से सक्षम परिवार अपने बच्चों को पढ़ा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर सरकारी विद्यालय हैं, जिन पर मुख्यत: आर्थिक रूप से कमजोर और सामान्य परिवारों के बच्चे निर्भर हैं।

यह विभाजन केवल विद्यालयों का विभाजन नहीं है, बल्कि अवसरों का भी विभाजन है। अमीर परिवार का बच्चा बेहतर संसाधनों, अंग्रेजी माध्यम, आधुनिक तकनीक, अतिरिक्त गतिविधियों और प्रतियोगी वातावरण के बीच शिक्षा प्राप्त करता है, जबकि गरीब और निम्न-मध्यम वर्गीय परिवार का बच्चा सीमित संसाधनों के बीच सरकारी विद्यालय में अपनी शिक्षा जारी रखने की कोशिश करता है। परिणाम यह है कि शिक्षा, जो सामाजिक समानता का सबसे प्रभावी माध्यम होनी चाहिए थी, कई मामलों में सामाजिक और आर्थिक दूरी को बढ़ाने वाली व्यवस्था बनती जा रही है।

सबसे गंभीर चिंता स्कूल छोड़ने वाले बच्चों की संख्या को लेकर है। उपलब्ध सरकारी आंकड़ों और विभिन्न शैक्षिक रिपोर्टों में स्कूल ड्रॉपआउट की स्थिति को लेकर अलग-अलग आंकड़े सामने आते रहे हैं। व्यापक तस्वीर यह बताती है कि जैसे-जैसे शिक्षा का स्तर ऊपर बढ़ता है, वैसे-वैसे विद्यार्थियों की संख्या में कमी आती जाती है। प्राथमिक स्तर पर जो बच्चे विद्यालय में प्रवेश लेते हैं, उनमें से सभी उच्च प्राथमिक तक नहीं पहुंच पाते। उच्च प्राथमिक से माध्यमिक और माध्यमिक से उच्च माध्यमिक स्तर तक पहुंचते-पहुंचते यह संख्या और कम होती जाती है। इसके बाद उच्च शिक्षा में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों की संख्या में भी बड़ी गिरावट दिखाई देती है।

यह स्थिति केवल आंकड़ों का विषय नहीं है। इसके पीछे लाखों बच्चों के अधूरे सपने, परिवारों की आर्थिक मजबूरियां और शिक्षा व्यवस्था की कमजोरियां छिपी हुई हैं। अनेक बच्चे आठवीं कक्षा के बाद पढ़ाई छोड़ देते हैं। इसके पीछे गरीबी, परिवार की आर्थिक स्थिति, विद्यालय की दूरी, परिवहन की समस्या, घरेलू जिम्मेदारियां, बाल श्रम, शिक्षा के प्रति परिवार की बदलती प्राथमिकताएं और माध्यमिक स्तर पर पढ़ाई का बढ़ता खर्च जैसे अनेक कारण हैं। लड़कियों के मामले में सुरक्षा, आवागमन और घरेलू जिम्मेदारियां भी महत्वपूर्ण कारण बनती हैं।

सरकारों ने विद्यालयों में आधारभूत सुविधाओं को बेहतर बनाने और शिक्षकों की संख्या बढ़ाने की दिशा में निश्चित रूप से काम किया है। छात्र-शिक्षक अनुपात में पहले की तुलना में सुधार होना इसका सकारात्मक संकेत है। उपलब्ध सरकारी आंकड़ों के अनुसार शिक्षकों की संख्या लगभग 85.62 लाख से बढ़कर एक करोड़ से अधिक हुई है। इसके बावजूद विद्यालयों की कुल संख्या में कमी आई है। सरकारी समिति के आंकड़ों के अनुसार विद्यालयों की संख्या 15.17 लाख से घटकर लगभग 14.71 लाख रह गई है। इन आंकड़ों को केवल संख्या के रूप में देखने के बजाय इनके पीछे छिपे कारणों को समझना आवश्यक है।

विद्यालयों की संख्या कम होने का एक कारण कम नामांकन वाले विद्यालयों का विलय भी हो सकता है, लेकिन इसका सीधा प्रभाव बच्चों की विद्यालय तक पहुंच पर पड़ता है। यदि गांव या दूरदराज के क्षेत्र में विद्यालय बंद होता है अथवा उसे दूसरे विद्यालय में मिला दिया जाता है तो छोटे बच्चों के लिए दूरी बढ़ सकती है। प्राथमिक शिक्षा में दूरी छोटी बात नहीं है। विद्यालय जितना दूर होगा, गरीब परिवार के लिए बच्चे को नियमित रूप से वहां भेजना उतना ही कठिन होगा।

माध्यमिक स्तर तक ड्रॉपआउट की दर का बने रहना भी चिंता का विषय है। प्राथमिक स्तर पर बच्चों को विद्यालय से जोड़ना जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी उन्हें माध्यमिक और उच्च माध्यमिक स्तर तक बनाए रखना है। केवल विद्यालय में प्रवेश दिला देना शिक्षा का लक्ष्य नहीं हो सकता। वास्तविक सफलता तब होगी जब बच्चा बारहवीं तक शिक्षा पूरी करे और उसके बाद उच्च शिक्षा, कौशल प्रशिक्षण अथवा रोजगार की दिशा में आगे बढ़ सके।

विकसित भारत की कल्पना केवल बड़े उद्योगों, आधुनिक शहरों और आर्थिक विकास से पूरी नहीं होगी। विकसित भारत का निर्माण उस बच्चे के भविष्य से होगा जो आज किसी सरकारी विद्यालय की कक्षा में बैठा है। यदि वह बच्चा आठवीं, दसवीं या बारहवीं से पहले शिक्षा छोड़ देता है तो देश अपनी एक संभावित प्रतिभा खो देता है। हर ड्रॉपआउट के पीछे एक ऐसा अवसर छूट जाता है, जो देश की अर्थव्यवस्था, समाज और संस्कृति को समृद्ध कर सकता था।

इसलिए शिक्षा में निजी और सरकारी के बीच बढ़ती खाई को कम करना समय की सबसे बड़ी जरूरत है। सरकारी विद्यालयों को केवल गरीबों के विद्यालय की पहचान से बाहर निकालना होगा। उनमें वही गुणवत्ता, संसाधन, तकनीक, शिक्षक प्रशिक्षण और शैक्षिक वातावरण उपलब्ध कराना होगा जो अच्छे निजी विद्यालयों में दिखाई देता है। जब सामान्य और संपन्न परिवार भी अपने बच्चों को सरकारी विद्यालयों में भेजने को तैयार होंगे, तभी सरकारी शिक्षा व्यवस्था में वास्तविक विश्वास पैदा होगा।

साथ ही ड्रॉपआउट रोकने के लिए केवल विद्यालयों को जिम्मेदार ठहराना पर्याप्त नहीं होगा। परिवार, समाज, स्थानीय प्रशासन और सरकार को मिलकर काम करना होगा। गरीब परिवारों के बच्चों के लिए छात्रवृत्ति, परिवहन, पुस्तकें, डिजिटल संसाधन और उच्च शिक्षा तक पहुंच की मजबूत व्यवस्था करनी होगी। माध्यमिक स्तर पर बच्चों के लिए करियर मार्गदर्शन और कौशल आधारित शिक्षा भी जरूरी है, ताकि उन्हें पढ़ाई का उद्देश्य अपने भविष्य से जुड़ा हुआ दिखाई दे।

शिक्षा को दो वर्गों में बांटकर विकसित भारत का सपना पूरा नहीं किया जा सकता। जिस दिन देश का गरीब और अमीर, गांव और शहर, सरकारी और निजी विद्यालय का बच्चा समान अवसर के साथ आगे बढ़ सकेगा, उसी दिन शिक्षा वास्तव में सामाजिक परिवर्तन का माध्यम बनेगी। आज आवश्यकता विद्यालयों की संख्या बढ़ाने से अधिक विद्यालयों पर विश्वास बढ़ाने की है; नामांकन बढ़ाने से अधिक बच्चों को शिक्षा की अंतिम सीढ़ी तक पहुंचाने की है। भारत की सबसे बड़ी पूंजी उसके बच्चे हैं। यदि इन बच्चों की शिक्षा बीच रास्ते में छूट गई तो विकास की पूरी यात्रा अधूरी रह जाएगी।

–राजेन्द्र जोशी,
शिक्षाविद-साहित्यकार

राशिफल रविवार 23 अगस्त, 2026

पंडित अनिल शर्मा

सावन मास, शुक्ल पक्ष, एकादशी तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2083, मूल नक्षत्र सायं 5:45 तक, विष्कुम्भ योग प्रात: 6:14 तक, वणिज करण दिन 3:10 तक, चन्द्रमा धनु राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-सिंह, चन्द्रमा-धनु, मंगल-मिथुन, बुध-सिंह, गुरू-कर्क, शुक्र-कन्या, शनि-मीन राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज सर्वार्थ सिद्धि योग सूर्योदय से सायं 5:45 तक है। रवियोग आज सायं 5:45 तक रहेगा। आज भद्रा दिन 3:10 से रात्रि 4:19 तक है। सायन कन्या में सूर्य प्रात: 7:50 पर प्रवेश करेगा। आज पवित्र एकादशी व्रत स्मार्तो का है। आज झूलन यात्रा आरम्भ है। आज से राष्ट्रिय भाद्रपद मास और शरद ऋतु आरम्भ है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 7:42 से 9:18 तक, लाभ-अमृत 9:18 से 12:29 तक, शुभ 2:05 से 3:41 तक।

राहूकाल: 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 6:06, सूर्यास्त 6:53

मेष
परिवार में शुभ-मांगलिक एवं महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है। धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है।

वृष
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। मित्रों-रिश्तेदारों से आपसी मतभेद हो सकते हैं। आज खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

मिथुन
परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज आपसी सहयोग से महत्वपूर्ण कार्य पूर्ण हो सकते हैं।

कर्क
व्यक्तिगत परेशानियां दूर होने लगेगी। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय दूर होगा। अस्त-व्यस्त कार्य व्यवस्थित होने लगेंगे।

सिंह
आज धार्मिक कार्यों पर धन खर्च हो सकता है। व्यक्तिगत कार्य के लिए बाहर जाना पड़ सकता है। आज महत्वपूर्ण मामलों में दुविधा बनी रहेगी।

कन्या
घर-परिवार में सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

तुला
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। दिन के मध्यान्ह पश्चात परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे।

वृश्चिक
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

धनु
पारिवारिक कार्यों के कारण मानसिक तनाव बना रहेगा और भागदौड़ रहेगी। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। दिन के मध्यान्ह पश्चात मानसिक तनाव दूर होगा।

मकर
आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

कुंभ
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक विवादों से राहत मिल सकती है।

मीन
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आज परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 77 संख्याः 22 प्रभात जयपुर, रविवार 23 अगस्त, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

Deccan Queen
The British Luxury Train

"There is nothing as far as I am aware of in any English Railway which can be looked upon as a parallel undertaking"

Hashtag: The Symbol That Changed Social Media

Observed on August 23, International Hashtag Day marks the anniversary of the first use of the hashtag symbol (#) on Twitter in 2007

उत्तर प्रदेश में 52 नेताओं को बुलेट प्रूफ जैकेट दी गई

इनमें योगी आदित्यनाथ के अलावा सपा प्रमुख अखिलेश यादव व बसपा चीफ मायावती भी शामिल हैं

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- **जैकेट की कीमत 10 लाख रूपए है और वर्ष 2027 के विधानसभा चुनावों को देखते हुए ये सुरक्षा उपाय किए गए हैं।**
- **पहले चरण में 8 नेताओं को जैकेट्स दी गई हैं। दूसरे चरण में 44 नेताओं को ये जैकेट्स दी जाएंगी। इसके अलावा 98 अन्य नेताओं व प्रमुख व्यक्तियों को अलग-अलग श्रेणियों की सुरक्षा उपलब्ध कराई जाएगी।**
- **इसी बीच राज्य में सत्तारूढ़ भाजपा ने भी चुनावी तैयारियां शुरु कर दी हैं तथा पार्टी संगठन में कई महत्वपूर्ण नियुक्तियां की गई हैं।**
- **पार्टी ने जमीनी स्तर पर सर्वेक्षण कराए हैं। सर्वेक्षण की रिपोर्ट के आधार पर मौजूदा विधायक के कामकाज की समीक्षा की जाएगी तथा उम्मीदावरों के नाम भी तय किए जाएंगे।**

नई दिल्ली, 22 अगस्त। अगले वर्ष 2027 के विधानसभा चुनावों से पहले उत्तर प्रदेश ने अनेक राजनीतिक नेताओं की सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी है। राज्य में 52 नेताओं को करीब 10-10 लाख रुपये की लागत वाली बुलेटप्रूफ जैकेट उपलब्ध कराई गई हैं।

इन नेताओं में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव और बहुजन समाज पार्टी प्रमुख मायावती शामिल हैं। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है, जब राजनीतिक दल आगामी महत्वपूर्ण विधानसभा चुनाव की तैयारियां तेज कर रहे हैं।

राजनीतिक नेताओं की सुरक्षा व्यवस्था के तहत बुलेटप्रूफ जैकेट दो चरणों में उपलब्ध कराई गई हैं।

पहले चरण में 8 नेताओं को जैकेट दी गईं, जबकि दूसरे चरण में 44 नेताओं को ये जैकेट उपलब्ध कराई गईं। प्रत्येक जैकेट की अनुमानित कीमत करीब 10 लाख रुपये है।

सूची में भाजपा, समाजवादी पार्टी और बसपा सहित, विभिन्न राजनीतिक दलों से जुड़े नेता शामिल हैं।

भाजपा के कई अन्य नेताओं की सुरक्षा भी बढ़ाई गई है। इनमें स्वतंत्र देव सिंह, जयवीर सिंह और महेन्द्र सिंह शामिल हैं।

इसके अलावा, उत्तर प्रदेश में 98 नेताओं और प्रमुख व्यक्तियों को अलग-अलग श्रेणियों की सुरक्षा दिए जाने की भी तैयारी है।

ये ताजा सुरक्षा उपाय 2027 के विधानसभा चुनावों के लिए राज्य में राजनीतिक गतिबिधियों के अंतिम चरण के शुरू होने से कुछ महीने पहले किए गए हैं।

भाजपा ने उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारियां पहले ही शुरू कर दी हैं और पार्टी ने राज्य के लिए कई महत्वपूर्ण संगठनात्मक नियुक्तियां की हैं।

भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े को उत्तर प्रदेश का प्रभारी बनाया गया है, जबकि जगदीश ईश्वरभाई पटेल को सह-प्रभारी नियुक्त किया गया है।

इन नियुक्तियों से संकेत मिलता है कि देश के सबसे अधिक आबादी वाले राज्य में भाजपा चुनावी रणनीति को मतदान से काफी पहले मजबूत करने पर जोर दे रही है।

भाजपा उत्तर प्रदेश में अपने सामाजिक और जातीय समीकरणों को मजबूत करने पर भी काम कर रही है।

पार्टी की व्यापक रणनीति के तहत, अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) और अल्पसंख्यक समुदायों से आने वाले नेताओं को संगठन में अधिक प्रतिनिधित्व दिया जा रहा है।

उत्तर प्रदेश में विभिन्न सामाजिक समूहों पर भाजपा का विशेष ध्यान है, क्योंकि विधानसभा चुनावों में जातीय समीकरण और विभिन्न समुदायों का समर्थन निर्णायक भूमिका निभा सकता है।

भाजपा ने 2027 के चुनावों से पहले अपनी स्थिति का आकलन करने के लिए विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में सर्वेक्षण भी शुरू कर दिए हैं।

इन सर्वेक्षणों में पार्टी की संगठनात्मक ताकत, संभावित

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एसीडी ने स्वास्थ्य मिशन के पुराने मामले में पूरक आरोप पत्र पेश किया

जयपुर, 22 अगस्त। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन में साल 2016 के टेंडरों में भ्रष्टाचार से जुड़े मामले एसीबी के विशेष न्यायालय में सुनील राठौड़ के खिलाफ पूरक आरोप पत्र पेश किया है। इस दौरान आरोपी ने अदालत ने सरेंडर कर दिया। मामले में साल 2019 में एसीबी

- **वर्ष 2016 के टेंडरों में भ्रष्टाचार के मामले में आईएएस नीरज के पवन भी आरोपी हैं।**

आईएएस नीरज के पवन, लेखाधिकारी जोजी वर्गीस, एएओ दीपा गुप्ता और दलाल अजीत सोनी के खिलाफ आरोप पत्र पेश कर चुकी है। इसके अलावा, एक अन्य व्यक्ति सुरेन्द्र सिंह के खिलाफ जांच लंबित रखी गई है।

मामले के विशेष लोक अभियोजक बीएस चौहान ने बताया कि मामला स्वास्थ्य विभाग की योजनाओं के प्रचार-प्रसार के लिए चलाए गए आरोग्य रथ से जुड़ा हुआ है। आरोप है कि आरोग्य रथ के संचालन को कागजों में दर्शाकर एक करोड़ रुपए का फर्जीवाड़ा किया गया। एसीबी ने मई, 2016 में अधिकारियों के आवास और कार्यालयों समेत 18 स्थानों पर छापे मारने के बाद एफआईआर दर्ज की थी।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अजीब है खेल कूटनीति का

बांग्लादेश के प्र.मंत्री तारिक रहमान की भारत यात्रा की तिथि पहले घोषित हुई, फिर रद्द हो गई और अभी भी उस पर सस्पैंस कायम है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- **बताया जाता है कि रहमान 23-24 अगस्त को भारत आने वाले थे। पर, अंतिम समय में यह दौरा रद्द हो गया। इसके पीछे कारण शेख हसीना द्वारा नई दिल्ली से ढाका में किए गए वर्चुअल मीडिया संवाद को बताया जा रहा है।**
- **इसके बाद एक बार फिर शेख हसीना के प्रत्यर्पण की मांग ने जोर पकड़ा और उस मांग को तारिक रहमान की भारत यात्रा से भी जोड़ा गया।**
- **विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने रहमान की यात्रा के संबंध में पत्रकारों को बताया, मेरे पास इस मामले में कहने के लिए कुछ नहीं है।**
- **ज्ञातव्य है कि राष्ट्रपति भवन से पहले एक प्रैस विज्ञप्ति जारी हुई थी कि बांग्लादेश के प्रधानमंत्री के स्वागत की ड्रैस रिहर्सल के कारण चेंज ऑफ गार्ड सैरमनी नहीं होगी। पर बाद में इस विज्ञप्ति को वापस ले लिया गया था।**

नई दिल्ली, 22 अगस्त। बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान की इस सप्ताहांत प्रस्तावित भारत यात्रा को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है।

शुक्रवार को विदेश मंत्रालय की नियमित प्रेस ब्रीफिंग के दौरान प्रवक्ता ने कहा कि उनके पास इस संबंध में कोई नई जानकारी नहीं है। रहमान की नई दिल्ली यात्रा के बारे में पूछे जाने पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, "मेरे पास इस मामले में कहने के लिए कुछ नहीं है। अगर मेरे पास कोई जानकारी आती है, तो मैं उसे आपके साथ साझा करूंगा।"

इससे पहले शुक्रवार को राष्ट्रपति भवन ने एक आधिकारिक सूचना वापस ले ली, जिसमें शनिवार को होने वाले 'चेंज ऑफ गार्ड' समारोह को रहमान के पारम्परिक स्वागत की फुल ड्रेस रिहर्सल के कारण रद्द किए जाने की बात कही गई थी।

राष्ट्रपति भवन की प्रेस विज्ञिप्त से ऐसा संकेत मिला था कि लंबे समय से चर्चा में रही यह यात्रा होने जा रही है। लेकिन इसके कुछ ही समय बाद यह सूचना वापस ले ली गई।

समारोह को स्थगित करने की घोषणा के बाद राष्ट्रपति भवन ने शुक्रवार दोपहर एक नई सूचना जारी की, जिसमें कहा गया कि "इस शनिवार चेंज ऑफ गार्ड समारोह नहीं होगा" विषय पर शुक्रवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति वापस ली जाती है।

आमतौर पर राष्ट्रपति भवन के प्रांगण में हर शनिवार सुबह 30 मिनट का चेंज ऑफ गार्ड समारोह आयोजित किया जाता है। यदि शनिवार को राजपत्रित अवकाश हो या राष्ट्रपति भवन की ओर से इसकी अलग से अधिसूचना

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'डीडीए "आर्ट ऑफ लिविंग" को 5 करोड़ रूपए लौटाए'

सुप्रीम कोर्ट ने यह आदेश देते हुए कहा, ऐसा कोई प्रमाण नहीं है कि आर्ट ऑफ लिविंग के सांस्कृतिक कार्यक्रम से यमुना के इको ज़ोन को कोई नुकसान हुआ था

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- **आर्ट ऑफ लिविंग ने मार्च 2016 में यमुना किनारे वर्ल्ड कल्चर फैस्टिवल आयोजित किया था। नैशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने यमुना इको ज़ोन को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाकर आर्ट ऑफ लिविंग पर 5 करोड़ रूपए का जुर्माना लगाया।**
- **उस समय आर्ट ऑफ लिविंग फाउण्डेशन ने 25 लाख रूपए जमा कर शेष राशि बतौर बैंक गारंटी स्वीकार करने की मांग की थी, पर, बाद में जुर्माने की सारी राशि अदा कर दी, पर, फिर उसने मुकदमा कर दिया।**

नई दिल्ली, 22 अगस्त। आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रविशंकर के नेतृत्व वाले "आर्ट ऑफ लिविंग फाउंडेशन" को बड़ी राहत देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने शनिवार को दिल्ली डवलपमैंट अथॉरिटी (डीडीए) को आदेश दिया कि संगठन द्वारा जमा किए गए 5 करोड़ रुपये का जुर्माना लौटाएं। यह जुर्माना 2016 में दिल्ली में यमुना के पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील बाढ़ क्षेत्र में आयोजित एक विवादित कार्यक्रम को लेकर लगाया गया था।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस बात का कोई प्रत्यक्ष प्रमाण नहीं है कि सांस्कृतिक महोत्सव से यमुना के संवेदनशील पारिस्थितिकी तंत्र (इकोसिस्टम) को नुकसान पहुंचा था। अदालत ने निर्देश दिया कि "आर्ट ऑफ लिविंग" के संरक्षण में संचालित पंजीकृत सार्वजनिक धर्मार्थ ट्रस्ट व्यक्ति विकास केन्द्र द्वारा जमा की गई राशि डीडीए वापस करे।

यह जुर्माना नैशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने लगाया था। एनजीटी ने आर्ट ऑफ लिविंग को मार्च 2016 में आयोजित "वर्ल्ड कल्चर फेस्टिवल" की तैयारियों के दौरान यमुना के बाढ़ क्षेत्र को नुकसान पहुंचाने के लिए जिम्मेदार ठहराया था। आर्ट ऑफ लिविंग को राहत देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बार काउन्सिल ऑफ इंडिया चेयरमैन के कार्यकाल को चुनौती

नई दिल्ली, 22 अगस्त। उच्चतम न्यायालय में याचिका दायर कर बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) के चेयरमैन मनन कुमार मिश्रा के

- **याचिका के अनुसार दो वर्ष के कार्यकाल का प्रावधान है पर मनन कुमार मिश्रा 2012 से चेयरमैन चले आ रहे हैं।**

कार्यकाल को चुनौती दी गई है। याचिका वकील योगमाया एमजी ने दायर की है।

याचिका में मनन कुमार मिश्रा के चेयरमैन के रूप में लंबे समय तक बने रहने को चुनौती दी गई है। याचिका में कहा गया है कि मनन कुमार मिश्रा पहली बार साल 2012 में बीसीआई चेयरमैन बने। मार्च, 2025 में उन्हें फिर निर्विरोध चुना गया था। याचिकाकर्ता

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भाजपा वंदे मातरम् के सम्मान को राष्ट्रीय मुद्दा बनाए रखेगी

भाजपा ने पार्टी मुख्यालय में आयोजित पदाधिकारियों की बैठक में वंदे मातरम् पर देशव्यापी अभियान चलाने की घोषणा की

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- **प्रस्ताव में कांग्रेस कार्य समिति के उस फैसले की कड़ी आलोचना की गई, जिसमें कहा गया है कि कांग्रेस वंदे मातरम् के दो ही अंतरे गाएगी।**
- **भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन ने कहा, राजनीतिक सुविधा, तुष्टिकरण और वोट बैंक की राजनीति के लिए वंदे मातरम् के सम्मान के साथ समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा।**
- **भाजपा महात्मा गांधी के उस बयान को भी प्रचारित करेगी, जिसमें उन्होंने कहा था कि वंदे मातरम् साम्राज्यवाद विरोधी नारा है तथा शुद्धतम राष्ट्रीय भावना से जुड़ा है।**

नई दिल्ली, 22 अगस्त। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शनिवार को वंदे मातरम् के सभी छह अंतरों वाले पूर्ण संस्करण के समर्थन में प्रस्ताव पारित किया और इसके इतिहास तथा महत्व को लेकर देशव्यापी अभियान चलाने की घोषणा की। यह कदम कांग्रेस कार्यसमिति द्वारा 1937 के पार्टी फैसले पर कायम रहने और पार्टी कार्यक्रमों में वंदे मातरम् के केवल पहले दो अंतरों के गायन की परंपरा जारी रखने के निर्णय के बाद उठाया गया है।

भाजपा ने यहां पार्टी मुख्यालय में नए पदाधिकारियों की बैठक में प्रस्ताव पारित कर वंदे मातरम् के केवल दो अंतरे गाने के कांग्रेस के फैसले की निंदा की। पार्टी ने कहा कि राजनीतिक सुविधा या तुष्टीकरण के लिए राष्ट्रीय गीत के सम्मान से कोई समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा।

भाजपा ने प्रस्ताव में कहा कि वह वंदे मातरम् की गौरवशाली विरासत को देश के हर कोने तक पहुंचाने के लिए राष्ट्रव्यापी अभियान चलाएगी।

भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन ने बैठक की अध्यक्षता की और बाद में प्रस्ताव को एक्स पर साझा किया।

नबीन ने कहा, "भारतीय जनता पार्टी ने आज, 22 अगस्त 2026 को वंदे मातरम् के सम्मान और इसकी ऐतिहासिक विरासत के संरक्षण को लेकर एक महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित किया है।"

उन्होंने कहा कि भाजपा 19 अगस्त 2026 को कांग्रेस कार्यसमिति द्वारा 1937 के प्रस्ताव की पुष्टि किये जाने और कांग्रेस के कार्यक्रमों में वंदे मातरम् के केवल पहले दो अंतरे गाने के फैसले की कड़ी निंदा और स्पष्ट रूप से विरोध करती है।

नबीन ने कहा कि भाजपा राष्ट्रीय गीत को "सांप्रदायिक दबाव, राजनीतिक तुष्टीकरण या संकीर्ण वोट-बैंक की राजनीति" के अधीन करने के किसी भी प्रयास का विरोध करेगी।

उन्होंने कहा, "राजनीतिक सुविधा या तुष्टीकरण के लिए वंदे मातरम् के सम्मान और विरासत से कोई समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा।"

नबीन ने कहा कि भाजपा देश के हर कोने में वंदे मातरम् के इतिहास,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पाकिस्तान, तुर्की, सऊदी रक्षा गठबंधन में शामिल होने को इच्छुक है बांग्लादेश

ढ ाका, 22 अगस्त। बांग्लादेश ने पाकिस्तान, सऊदी अरब और तुर्किये के बीच बने संयुक्त रक्षा ढ ांचे में शामिल होने की संभावना को लेकर सकारात्मक संकेत दिए हैं। प्रधानमंत्री तारिक रहमान के विदेश मामलों के सलाहकार हुमायूं कबीर ने कहा है कि ढ ाका राष्ट्रीय हितों और बदलती वैश्विक परिस्थितियों को

- **प्रधानमंत्री रहमान के सलाहकार ने संकेत दिये।**

ध्यान में रखते हुए किसी आर्थिक या रक्षा ढ ांचे में शामिल होने के विकल्प पर विचार कर सकता है।

पाकिस्तान की उर्दू टेलीविजन चैनल दुनिया न्यूज और जीओ न्यूज ने बांग्लादेशी मीडिया के हवाले से बताया कि ढ ाका अपनी बांग्लादेश फर्स्ट नीति

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

फूड इकॉनमी तेजी से बढ़ रही है और उतनी ही तेजी से बढ़ रही है खाद्य असुरक्षा

खाद्य सुरक्षा के तहत खाद्य पदार्थों की स्वच्छता व शुद्धता के व्यापक कायदे कानून तो हैं, पर वे लगातार बढ़ती और जटिल होती फूड इकॉनमी से मेल नहीं खा पा रहे हैं

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- **महाराष्ट्र में नए फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन आयुक्त तुकाराम मुंडे के नेतृत्व में खाद्य प्रतिष्ठानों पर हुई कार्यवाही ने जिस सच को उजागर किया है, वह एक राज्य का सच नहीं है, बल्कि पूरे भारत का सच है कि किस तरह से बाजार में मिलने वाले खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता से समझौता किया जा रहा है।**
- **महाराष्ट्र में मैकडॉनल्ड्स सहित कई नामचीन खाद्य प्रतिष्ठानों की जाँच की गई और वहाँ भारी कमियाँ पाई गईं। निरीक्षकों को भारी गंदगी के साथ खाद्य पदार्थों पर कॉकरोच, मक्खियां मिलीं। यह भी पाया गया कि रैफ्रिजरेशन व डीफ्रॉस्ट की भी व्यापक व्यवस्था नहीं है।**
- **मैकडॉनल्ड्स में, सुधार नोटिस में उल्लिखित 20 कमियों में से 18 कमियां मिलीं।**

नई दिल्ली, 22 अगस्त। महाराष्ट्र फूड एण्ड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एफडीए) ने रैस्टोरैंट, होटल और बड़ी फूड चेन्स के खिलाफ जो कार्रवाई की है, उससे एक ऐसी समस्या सामने आई है, जो राज्य तक सीमित नहीं है। भारत में खाद्य सुरक्षा के व्यापक नियम तो हैं, लेकिन देश की तेजी से बढ़ती और लगातार जटिल होती फूड इकॉनमी के साथ इन नियमों के पालन की रफ्तार मेल नहीं खा रही है।

महाराष्ट्र एफडीए ने निरीक्षण के दौरान गंभीर स्वच्छता और सुरक्षा संबंधी कमियां पाए जाने के बाद कई प्रतिष्ठानों के खाद्य लाइसेंस निलंबित कर दिए हैं। इनमें बॉम्बे प्रेसिडेंसी रेडियो क्लब और दक्षिण मुंबई में मैकडॉनल्ड्स का एक आउटलेट भी शामिल है। इस कार्रवाई में पुणे, नागपुर, नासिक, अमरावती और छत्रपति संभाजीनगर के खाद्य प्रतिष्ठान भी शामिल हैं।

मई में पदभार संभालने वाले एफडीए आयुक्त तुकाराम मुंढ़े के नेतृत्व में की गई यह कार्रवाई केवल इसलिए महत्वपूर्ण नहीं है कि इसमें बड़ी संख्या में प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया गया है, बल्कि इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि इन प्रतिष्ठानों में किस तरह की कमियां पाई गई हैं। निरीक्षकों को कॉकरोच और मक्खियां मिलीं, खाद्य सामग्री जमीन पर रखी हुई मिली, पर्याप्त रेफ्रिजरेशन की व्यवस्था नहीं थी, खाद्य सामग्री को सही तरीके से डीफ्रॉस्ट नहीं किया जा रहा था, एक खाद्य सामग्री से दूसरी में संक्रमण फैलने का खतरा था, बर्तन गंदे थे और खाना बनाने/परोसने वाले कर्मचारियों की साफ-सफाई में भी कमियां थीं।

कोलाबा स्थित मैकडॉनल्ड्स के एक आउटलेट में निरीक्षकों को पता चला कि पहले जारी किए गए सुधार नोटिस में बताई गई 20 कमियों में से 18 कमियां ऐसी मिलीं, जिन्हें दूर नहीं किया गया था। एक अन्य रेस्तरां में कर्मचारियों को कीड़ों से संक्रमित आटा इस्तेमाल करते हुए पाया गया। अधिकारियों के अनुसार, कर्मचारियों ने बताया कि आटे का इस्तेमाल करने से

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अरूण केजरीवाल आरजेएस एसोसिएशन के अध्यक्ष निर्वाचित

जयपुर, 22 अगस्त। राजस्थान न्यायिक सेवा अधिकारियों के संगठन चुनाव में अरुण बेरीवाल अध्यक्ष पद पर विजयी हुए। उन्होंने 484 मतों में से 356 मत प्राप्त कर जीत हासिल की। वहीं,

- **महासचिव व कोषाध्यक्ष के पद पर निर्विरोध निर्वाचन हुआ।**

महासचिव पद पर पवन जीनवाल और कोषाध्यक्ष पद पर ज्ञानेन्द्र सिंह निर्विरोध निर्वाचित हुए। इसी तरह, कार्यकारिणी के सदस्य पद पर केदार नाथ, रजनीश, रविन्द्र प्रताप, श्रवण कुमार, स्वाति भगवती, मुकेश सांवरिया व अभिषेक भार्गव निर्विरोध निर्वाचित हुए।

चुनाव कार्यक्रम संपन्न

अलवर। इप्टा अलवर का 18वां द्विवार्षिक सम्मेलन एवं चुनाव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। महासचिव राजेश महिवाल ने विगत दो वर्षों का ब्यौरा प्रस्तुत किया। वहीं मोहनलाल गुप्ता कोषाध्यक्ष ने भी आय-व्यय का पूरा ब्यौरा प्रस्तुत किया। कार्यकारिणी में सर्वसम्मति से कांति जैन को अध्यक्ष, महेंद्र सिंह को उपाध्यक्ष, मोहनलाल गुप्ता को कोषाध्यक्ष एवं अखिलेश कुमार को सह सचिव चुना गया। महासचिव पद के लिए चुनाव हुआ जिसमें राजीव शर्मा को 9 एवं डॉ. सर्वेश जैन को 14 मत मिले। पांच कार्यकारिणी सदस्य चुनने की ज़िम्मेदारी अध्यक्ष और महासचिव को दी गई जिसमें प्रदीप माथुर, राजेश भारद्वाज, मंजू चौहान,मनोज जैन, मोहम्मद रफ़ीक ख़ान को कार्यकारिणी सदस्य एवं राजेश महिवाल को स्थाई आमंत्रित सदस्य बनाया गया है। चुनाव संपन्न कराने की जिम्मेदारी चुनाव अधिकारी के रूप में इप्टा के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष नगेन्द्र जैन एवं पर्यवेक्षक के रूप में इप्टा के प्रदेश अध्यक्ष जगदीश शर्मा ने संभाली।

जिताऊ व टिकाऊ को ही मिलेगा टिकट : विधायक रामसहाय वर्मा

निवाई। शहर में भाजपा के कार्यलय के उद्घाटन के साथ ही नगर पालिका के चुनाव 2026 का आगाज हो गया। भारतीय जनता पार्टी के तत्वावधान में नगर पालिका के चुनाव को लेकर जाट धर्मशाला में भाजपा के प्रधान कार्यालय का उद्घाटन मुख्य अतिथि विधायक रामसहाय वर्मा, पालिका के निवर्तमान अध्यक्ष दिलीप इसरानी, चुनाव प्रभारी मनोज चौधरी व दिनेश दादिया ने गणेशजी की पूजा- अर्चना करके किया।

मुख्य अतिथि विधायक रामसहाय वर्मा ने कहा कि नगर पालिका के चुनाव को लेकर जीताऊ व टिकाऊ उम्मीद्वार को ही टिकट दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रत्येक वार्ड में कई दावेदार टिकट मांग रहे जबकि पार्टी एक को ही टिकट देगी। पार्टी जिसको टिकट देगी। कार्यकर्ता एकजूट होकर उसे जीताकर भेजे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के

भाजपा के मुख्य कार्यलय के उद्घाटन समारोह में संबोधित करते हुए विधायक रामसहाय वर्मा।

कार्यकाल में भष्टाचार बढ़ा हुआ था। लोगों के काम समय पर नही होते थे। अब राजस्थान में डबल इंजन की सरकार है जिससे क्षेत्र में कई विकास कार्य प्रगति पर है। उन्होंने कहा कि इस बार नगर पालिका के पूरे 40 वार्डो में भाजपा के पूरे 40 पार्षदों को जीताकर एक ओर इंजन जोडऩा है। जिससे निवाई का और विकास हो सके।

पालिका के निवर्तमान अध्यक्ष दिलीप इसरानी ने कहा कि पिछली बार भी भाजपा का ही बोर्ड बना था। जिससे

- **नगर पालिका के चुनाव को लेकर जाट धर्मशाला में भाजपा के प्रधान कार्यालय का उद्घाटन**

शहर का चौमुखी विकास हुआ है। उन्होंने कहा कि भाजपा के बोर्ड में निवाई नगर पालिका राजस्थान में प्रथम रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा के बोर्ड में रक्तांचल पर्वत पर सीढिया चढ़ाकर निवाई का इतिहास बनाया है। उन्होंने कहा कि नगर पालिका के प्रत्येक वार्ड में सीसी रोड़, नालिया, पेयजल व्यवस्था, सामुदायिक भवन, रोड लाईटे, फाउन्टेन, सडक़ों के बीच मॉडल डिवाडर सहित करोडों रूपए के कई विकास कार्य हुए है।

शहर अध्यक्ष नितिन छाबड़ा ने कहा कि नगर पालिका के चुनाव की तैयारियों को लेकर जाट धर्मशाला में भाजपा के कार्यालय का शुभारंभ होने के साथ ही चुनवी बिगुल बज चुका है। जिसको लेकर कार्यकर्ता कमर कसें। इस अवसर पर पूर्व जिला प्रमुख सत्यनारायण चौधरी, जिला उपाध्यक्ष रमाकांत शर्मा, जयपुर पाषर्द अंकित वर्मा, अजय पारीक, पूर्व प्रधान ममता जाट, ओमप्रकाश गुप्ता, जितेंद्र चंवरिया, नटवाड़ा मंडल अध्यक्ष बद्री विजय, डांगरथल मंडल अध्यक्ष केदार दोहण, अरनिया मंडल अध्यक्ष शिवराज गुर्जर, महामंत्री जयनारायण कुमावत, रामप्रसाद शर्मा, योगेंद्र सिंह नाथावत, परशुराम कुमावत, गणेशसिंह राजावत, रामअवतार घाटी एवं कैलाश नटवाड़ा सहित निवर्तमान पार्षद, पार्टी के जन प्रतिनिधि एवं कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

सार-समाचार

मुख्य सचिव ने सांभर के प्रधानाचार्य को सम्मानित किया

सांभरझील। पीएम श्री योजना के सफल संचालन पर मुख्य सचिव वी.श्रीनिवास ने अतिरिक्त मुख्य सचिव राजेश यादव सहित अनेक अफसरों की मौजूदगी में दरबार राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, सांभर के प्रधानाचार्य टीकमचंद मालाकार को सम्मानित किया। विद्यालय में पीएम श्री योजना के बेहतरीन क्रियान्वयन, भामाशाहों के सहयोग से विद्यालय विकास, उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम, शैक्षिणक एवं सह-शैक्षिणक गतिविधियों में शानदार प्रदर्शन तथा विद्यालय को सेंटर ऑफ एक्सिलेंस के रूप में स्थापित करने के उल्लेखनीय प्रयासों के लिए उन्हें यह सम्मान प्रदान किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार विद्यालय में पीएम श्री योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के साथ विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, आधुनिक शैक्षिणक संसाधनों के उपयोग, नवाचार, स्वच्छ एवं हरित विद्यालय, उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम तथा विभिन्न गतिविधियों में विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी पर उनके उल्लेखनीय योगदान सराहनीय रहा। इनके कार्यकाल के दौरान विद्यालय विकास में भामाशाहों एवं समुदाय के सहयोग से विद्यालय की आधारभूत सुविधाओं में भी उल्लेखनीय सुधार हुआ । मुख्य सचिव की अध्यक्षता में आयोजित वेबीनार के माध्यम से प्रधानाचार्य टीकम चन्द मालाकार की प्रजेंटेशन सम्पूर्ण राजस्थान के संस्था प्रधानों एवं उच्च शिक्षा अधिकारियों को प्रदर्शित की गई, ताकि अन्य विद्यालय एवं शिक्षण संस्थान भी इन नवाचारों और उत्कृष्ट कार्यों से प्रेरणा ले सकें। उनकी उपलब्धि पर श्री गोपाल गौशाला के अध्यक्ष पवन कुमार मोदी, नागरिक विकास समिति के अध्यक्ष अनिल गट्टानी, सचिव जितेंद्र डांगरा व नगर की अनेक हस्तियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए शुभकामनाएं प्रेषित की।

प्रतिभाओं का सम्मान किया

मनोहरपुर। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय लोचूकाबास में प्रधानाचार्य नरेंद्र कुमार अग्रवाल की अध्यक्षता में प्रतिभाओं का सम्मान समारोह आयोजित हुआ । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा एससी मोर्चा के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष गणपत वर्मा, विशिष्ट अतिथि भामाशाह हनुमान सहाय वर्मा, पूर्व प्रधानाचार्य काशीप्रसाद शर्मा, पूर्व एएओ बाबूलाल शर्मा, एसएमसी सदस्य बंशीधर यादव, रमेश यादव मौजूद रहे।इस मौके पर भामाशाह सोनू सिपुरिया, पवन जोशी, सी ए रतन अग्रवाल, पूर्व प्रधानाचार्य फूलचंद वर्मा, सेवानिवृत शिक्षक महेश शर्मा, रिछपाल यादव आदि मौजूद रहे। इस मौके पर मुख्य अतिथि वर्मा ने कहा कि सम्मान से प्रतिभाओं का हौसला बढ़ता है। उपप्रधानाचार्य मनोज शर्मा एवम् बोर्ड परीक्षा प्रभारी रोहिताश्व डूडी ने बताया कि विद्यालय की सत्र 2025 26 में 12 वीं बोर्ड की परीक्षा उत्तीर्ण तीन विद्यार्थियों मनीष यादव पुत्री सीताराम यादव, मनीष यादव पुत्री रामचंद्र यादव एवं अर्चना वर्मा को स्कूटी योजना में चयन हुआ है। जिन्हें सत्र 2026 27 में वितरित किया जाएगा। वहीं बालिका प्रोत्साहन योजना के तहत 8 छात्राओं, गार्गी पुरस्कार में 10, एनएमएमएस में दो बालिकाओं सहित स्थानीय विद्यालय के प्रतिभाओं एवं विद्यालय गतिविधियों में सहयोग करने वाली प्रतिभाओं का भी प्रतीक चिन्ह माला पहनकर सम्मान किया गया। इस मौके पर विद्यालय स्टाफ मौजूद रहा।

खेलकूद प्रतियोगिता का समापन

शाहपुरा। त्रिवेणी रोड़ स्थित बी.आर. ग्लोबल सीनियर सेकेंडरी स्कूल, शाहपुरा में आयोजित 70वीं ब्लॉक स्तरीय विद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता का भव्य समापन समारोह आयोजित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि सुल्तान सिंह पलसानिया, स्वदेश बैंकिंग हेड (एयू बैंक) रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रकाश चंद शर्मा, ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में राजेश जिंजवाड़िया एवं अशोक कुमार पूनिया उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि सुल्तान सिंह पलसानिया ने कहा कि विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ खेलों में भी रुचि लेनी चाहिए। खेलों से स्वस्थ शरीर का निर्माण होता है और स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मन का वास होता है। उन्होंने कहा कि खेल विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है। उन्होंने सफल आयोजन के लिए संस्था को बधाई एवं धन्यवाद दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्रकाश चंद शर्मा ने बताया कि प्रतियोगिता में लगभग 350 खिलाड़ियों ने विभिन्न खेलों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता के अंतिम दिन विभिन्न खेलों के रोमांचक मुकाबले हुए।

106 ग्राम गांजा व 934 ग्राम भांग जब्त

टोंक। पुलिस प्रशासन द्वारा चलाये जा रहे नशा मुक्त अभियान के तहत बनेठा थाना टीम व जिला स्पेशल टीम द्वारा अवैध मादक पदार्थों के विरूद्ध कार्यवाही करते हुये आरोपी प्रकाश मीणा पुत्र गोपी राम उम्र 41 साल निवासी फतेहगज परासिया थाना बनेठा को मामले में संदिग्ध पाये जाने पर गिरफ्तार किया गया हैं। इस कार्यवाही में आरोपी के कब्जे से अवैध मादक पदार्थ 106 ग्राम गांजा व 934 ग्राम भांग व 8 हजार 550 रूपये नगद एवं एक मोबाईल फोन बरामद कर जप्त किया गया है। इसी प्रकार इस विशेष अभियान में सदर थाना टोंक पुलिस टीम व जिला स्पेशल टीम द्वारा संयुक्त कार्यवाही करते हुए अवैध मादक पदार्थों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के दौरान सदर थाना क्षेत्र के ग्राम देवपुरा से 160 गांजा के पौधे जिनका वजन 98.900 किलोग्राम है, को जप्त किया गया है। इस कार्यववाही में आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट मे प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान जारी है।

चार आरोपी गिरफ्तार

टोंक। जिला पुलिस अधीक्षक रोशन मीना के निर्देशन में चलाये जा रहे जिले में वांछित अपराधियों की धरपकड अभियान के तहत उनियारा वृत्ताधिकारी अशोक कुमार एवं अलीगढ थानाधिकारी राजकुमार के नेतृत्व में गठित टीम ने क्षेत्र में हुई गत 14 व 15 अगस्त की रात्रि को मकानों में चोरी के दो आरोपी को दौराने तलाश तकनीकी संशाधनों व सीसीटीवी फुटेज तथा मुखबीर की सूचना पर प्रकरण में संदिग्ध आरोपी दीपक उर्फ लेला पुत्र सीताराम माली उम्र 22 साल निवासी कस्बा अलीगढ व अफजल पुत्र गफ्फार फकीर उम्र 22 साल निवासी उनियारा को डिटेन कर बाद अनुसंधान के गिरफ्तार किया गया है। कार्यवाही के दौरान उनके कब्जे से प्रकरण में चोरी गये 2 सोने के कंगन, 2 चांदी की अंगुठिया व 2500 रुपये को बरामद कर जप्त किये गये।

निर्वाचन कार्यों का कलेण्डर जारी

अलवर । राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों एवं विभिन्न गतिविधियों की निर्धारित समय-सारणी के अनुक्रम में नगर पालिका आम चुनाव-2026 की निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान निर्वाचन संबंधी कार्यों, गतिविधियों के समयबद्ध व प्रभावी संपादन एवं स्वतंत्रा, निष्पक्ष, पारदर्शी व समावेशी निर्वाचन प्रक्रिया पूर्ण किए जाने हेतु दिनांकवार कार्यक्रम/समय-सारणी (कलेण्डर) जारी किया गया है। जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. आर्तिका शुक्ला ने बताया कि 23 अगस्त को ईवीएम स्ट्रॉन्ग रूम, मतगणना, मतदान दल, रवानगी एवं सामग्री संग्रहण भवन/कक्ष/स्थल (नगर निगम अलवर एवं समस्त नगर पालिका स्तर) पर आवश्यक व्यवस्थाओं की सुनिश्चितता एवं प्लान तैयार किया जाएगा। 24 अगस्त को जोनल मजिस्ट्रेट के साथ पुलिस अधिकारियों की नियुक्ति, जिला स्तर पर किए जाने वाले सभी टेंडर की कार्यवाही पूर्ण किया जाना, मतदान दलों का प्रथम रेंडमाइजेशन (जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा) एवं मतदान दलों की नियुक्ति के आदेश जारी किए जाने, रिटर्निंग अधिकारियों की किट तैयार किया जाना, जोनल मजिस्ट्रेट की मजिस्ट्रेट शक्तियों के प्रस्ताव प्रेषित किए जाएंगे।

मतदान करने का संकल्प दिलाया

निवाई। राजकीय कन्या महाविद्यालय में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत प्राचार्य प्रोफेसर विकास नौटियाल के नेतृत्व में एक पेड़ लोकतंत्र के नाम अभियान के तहत पौधारोपण किया गया। प्राचार्य प्रोफेसर विकास नौटियाल ने कहा कि बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन जैसी गंभीर चुनौतियों के बीच प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि वह अपने जीवन में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाएं और उसकी जिम्मेदारी के साथ देखभाल भी करें।

चुनाव के लिए पेट्रोल एवं डीजल के स्टॉक के संबंध में आदेश जारी

अलवर। जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. आर्तिका शुक्ला के निर्देशानुसार पंचायत आम चुनाव/नगरीय निकाय चुनाव 2026 के तहत जिले में स्थित समस्त पेट्रोल एवं डीजल खुदरा विक्रय केंद्रों (रिटेल आउटलेट्स) निर्वाचन प्रक्रिया की पूर्णता तक 3 हजार लीटर हाई स्पीड डीजल एवं 2 हजार लीटर मोटर स्पिरिट (पेट्रोल) का न्यूनतम सुरक्षित भंडार (डेड स्टॉक/न्यूनतम रिजर्व) केवल निर्वाचन वाहनों के लिए अनिवार्य रूप से आरक्षित रखेंगे।

जिला रसद अधिकारी (पीओएल) प्रकोष्ठ ने बताया कि जिले में स्थित प्रत्येक पेट्रोल पम्प अपने भूमिगत टैंकों/स्टॉक में निर्वाचन प्रक्रिया की पूर्णता तक 3 हजार लीटर हाई स्पीड डीजल एवं 2 हजार लीटर मोटर स्पिरिट (पेट्रोल) का न्यूनतम सुरक्षित भंडार (डेड स्टॉक/न्यूनतम रिजर्व) केवल निर्वाचन वाहनों के लिए अनिवार्य रूप से आरक्षित रखेगा।

आरक्षित कोटे में से ईंधन का निकास/वितरण केवल जिला निर्वाचन कार्यालय अथवा संबंधित रिटर्निंग अधिकारी (आरओ)/नोडल अधिकारी (परिवहन/ईंधन प्रकोष्ठ) द्वारा अधिकृत हस्ताक्षर से जारी मूल कूपन प्रस्तुत करने पर ही किया जाएगा। बिना वैध कूपन के चुनाव कोटे से ईंधन जारी नहीं किया जाएगा।

उन्होंने निर्देश दिये कि पेट्रोल पम्प संचालक द्वारा कूपन के विरूद्ध प्रदान किए गए ईंधन का विवरण पृथक रजिस्टर में दर्ज किया जाए, जिसमें वाहन क्रमांक, चालक का नाम व हस्ताक्षर, कूपन क्रमांक, प्रदाय मात्रा एवं दिनांक, समय का स्पष्ट अंकन किया जावे। प्रयुक्त कूपन मूल रूप में बिल के साथ संलग्न करने हेतु सुरक्षित रखे जाए। चुनाव पश्चात बिल में कूपन के साथ जिला निर्वाचन कार्यालय/प्रभारी अधिकारी को प्रस्तुत किया जावे।

चौमूं में भाजपा ने चुनावों में कार्यकर्ताओं को एकजुटता का संदेश दिया

चौमूं / कालाडेरा । आगामी नगर निकाय चुनाव-2026 की तैयारियों को सुदृढ़ करने तथा संगठनात्मक रणनीति को गति देने हेतु चौमूं के रेनवाल रोड स्थित रजवाड़ा गार्डन में भाजपा नगर मण्डल चौमूं द्वारा कार्यकर्ता सम्मेलन एवं संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में चुनाव प्रभारी सुमन शर्मा, जिलाध्यक्ष जितेन्द्र शर्मा, भाजपा प्रदेश प्रवक्ता व पूर्व विधायक रामलाल शर्मा सहित भाजपा कार्यकर्ताओं ने शिरकत की।

कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों द्वारा भारत माता की फोटो के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर की गई। कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश मुख्य प्रवक्ता एवं पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि, "यह चुनाव केवल उम्मीदवारों का नहीं, बल्कि कार्यकर्ताओं की मेहनत, निष्ठा

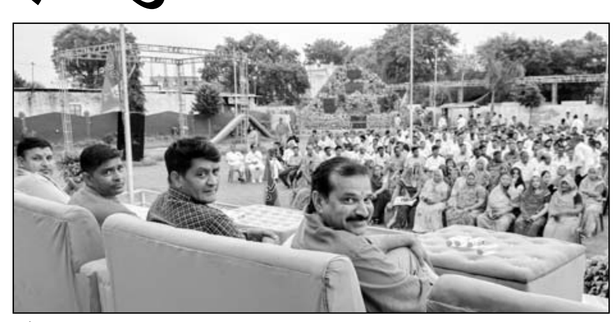

चौमूं के रेनवाल रोड स्थित रजवाड़ा गार्डन में कार्यकर्ता सम्मेलन एवं संवाद कार्यक्रम का आयोजन हुआ।

और प्रतिष्ठा का चुनाव है। रामलाल शर्मा ने कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता को अपनी दावेदारी पेश करने का पूरा अधिकार है, परंतु टिकट घोषणा के पश्चात सभी कार्यकर्ताओं को व्यक्तिगत मतभेदों से ऊपर उठकर पूरी ताकत के साथ पार्टी प्रत्याशी को जिताने के लिए मैदान में उतरना होगा। उन्होंने निर्देश दिए कि वे अपने-अपने वार्डों की वास्तविक स्थिति से संगठन को निरंतर अवगत करवाएं ताकि सटीक रणनीति बनाई जा सके। सम्मेलन में नगर मण्डल चौमूं अध्यक्ष बाबूलाल सैनी, कालाडेरा मण्डल अध्यक्ष लालचंद यादव, जिला

- **कार्यक्रम में चुनाव प्रभारी सुमन शर्मा, जिलाध्यक्ष जितेन्द्र शर्मा, भाजपा प्रवक्ता रामलाल शर्मा सहित भाजपा कार्यकर्ताओं ने की शिरकत**

उपाध्यक्ष अर्चना कुमावत, पूर्व जिला उपाध्यक्ष बजरंग लाल सोनी, पूर्व मण्डल अध्यक्ष गजानंद कुमावत, नगर पालिका पूर्व अध्यक्ष आशीष दुसाद, नानूराम सैनी, कालूराम जाट, पूर्व प्रधान महेश मीणा, दिनेश गोरा, राजकुमार सैनी, जयप्रकाश चौधरी, योगेश्वर दास, श्याम कुमावत, हजारी लाल शर्मा, पवन चोपड़ा, सहित वार्डों के संयोजक, सह-संयोजक, प्रभारी, सह-प्रभारी एवं सैकड़ों समर्पित कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने बैठक ली

भरतपुर। जिला कलक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी कमर चौधरी की अध्यक्षता में शनिवार को कलक्ट्रेट सभागार में निकाय चुनाव के लिए गठित विभिन्न प्रकोष्ठों के प्रभारी अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। उन्होंने चुनाव तैयारियों की प्रकोष्ठवार समीक्षा करते हुए सभी अधिकारियों को राज्य निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों की अक्षरशः पालना करते हुए निर्धारित दायित्व समयबद्ध, पारदर्शी एवं निष्पक्षता के साथ पूरा करने के निर्देश दिए। जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि कोई भी चुनाव छोटा या बड़ा नहीं होता, निर्वाचन से जुड़े प्रत्येक दायित्व को पूरी गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ पूरा किया जाए। मतदान दलों के गठन से लेकर चुनाव परिणाम घोषित होने तक सभी अधिकारी टीम भावना से कार्य करते हुए प्रत्येक व्यवस्था को त्रुटिरहित एवं गुणवत्तापूर्ण बनाएं। उन्होंने विभिन्न प्रकोष्ठों की अब तक की प्रगति की जानकारी लेते हुए आगामी कार्यों का दिवसवार कैलेंडर तैयार कर निर्धारित समय में पूरा करने के निर्देश दिए। जिला निर्वाचन अधिकारी ने मतदान केन्द्रों पर की जा रही तैयारियों की समीक्षा करते हुए कहा कि प्रत्येक मतदान केन्द्र पर पेयजल, छाया सहित आवश्यक संसाधनों एवं दिव्यांग मतदाताओं के लिए व्हीलचेयर की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए।

कोटपूतली में विधायक ने क्षेत्रवासियों के अभाव-अभियोग सुने

कोटपूतली। शनिवार सुबह से ही कोटपूतली की आबो-हवा में एक अलग ही राजनीतिक सरगर्मी तैर रही थी। मौका था क्षेत्रीय विधायक हंसराज पटेल की नियमित जनसुनवाई का, लेकिन नजारा किसी ऐतिहासिक जन-आंदोलन जैसा नजर आ रहा था। विधायक आवास के बाहर पैर रखने तक की जगह नहीं थी।

उमस और गर्मी के बावजूद जनता और कार्यकर्ताओं का उत्साह सातवें

- **नगर परिषद चुनावों को लेकर बड़ी संख्या में पहुंचे टिकटार्थी**

आसमान पर था। एक तरफ अपनी बुनियादी समस्याओं के समाधान की आस लेकर आए आमजन की कतारें थीं, तो दूसरी तरफ आगामी नगर परिषद चुनावों के टिकट की चाह रखने वाले 'टिकटार्थियों' का भारी हुजूम अपनी ताकत दिखाने पहुंचा था।

जनसुनवाई के दौरान विधायक हंसराज पटेल ने एक-एक व्यक्ति की फरियाद सुनी। पानी, बिजली, सड़क, षिक्षा, स्वास्थ्य और नगर परिषद से

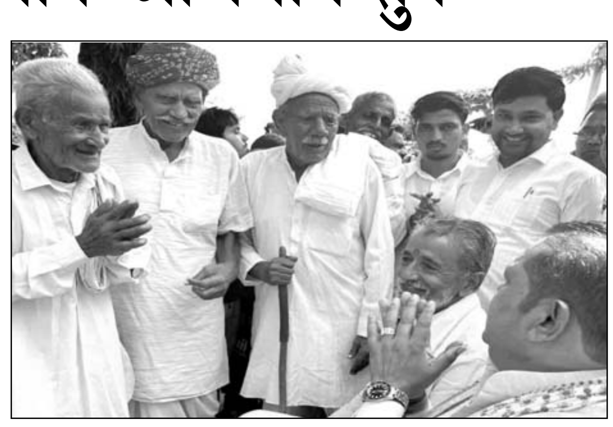

विधायक पटेल के जनसुनवाई में आमजन की भीड़ उमड़ी।

जुड़ी बुनियादी समस्याओं को लेकर आए ग्रामीणों और शहरवासियों को उन्होंने पूरा समय दिया।

देवतुल्य जनमानस के अभाव-अभियोग सुनते हुए विधायक बेहद संवेदनशील नजर आए। उन्होंने मौके से ही विभिन्न विभागों के आला अधिकारियों को फोन घुमाए और कड़े लहजे में कहा कि जनता की समस्याओं में ढ़िलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कई फाईलों का त्वरित निस्तारण करवाते हुए अधिकारियों को तय समय में काम पूरा करने के निर्देश दिए।

जनसुनवाई कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक हंसराज पटेल भावुक और आक्रामक दोनों अंदाज में नजर आए। उन्होंने हुंकार भरते हुए कहा कि कोटपूतली की यह देवतुल्य जनता ही मेरी असली ताकत है। आपके मान-सम्मान के लिए मैं चौबीसों घंटे तत्पर हूँ। आज जो विष्वास और प्यार आपने इस चौपाल पर दिखाया है, वह मेरे संकल्प को और मजबूत करता है। विकास के रथ को रुकने नहीं दिया जाएगा और हर पीड़ित को उसका हक दिलाकर ही हम दम लेंगे।

एसएच-37 बी के फोरलेन की ड्रेनेज व्यवस्था पर ग्रामीणों का आक्रोश

कोटपूतली। स्टेट हाईवे एसएच-37 बी के फोरलेन निर्माण में ड्रेनेज व्यवस्था को लेकर नारहेड़ा व सरूंड के ग्रामीण सामूहिक रूप से शिकायत लेकर विधायक हंसराज पटेल के आवास पहुंचे। ग्रामीणों ने विधायक को शिकायत पत्र सौंपकर निर्माण कार्य में तकनीकी मानकों की अनदेखी का आरोप लगाया। ग्रामीणों का आरोप है कि सड़क के दोनों ओर से आने वाले बरसाती पानी तथा नारहेड़ा गांव के गंदे पानी को डायवर्ट कर एक ही नाली में डालने की व्यवस्था की जा रही है, जबकि नियमानुसार पर्याप्त क्षमता वाली अलग-अलग नालियों का निर्माण किया जाना चाहिए।

ग्रामीणों ने इसे 42-2014 के ड्रेनेज मानकों के विपरीत बताते हुए कहा कि बारिश के दौरान खेतों, मकानों, दुकानों और हनुमान वेद निकेतन मंदिर क्षेत्र में जलभराव की समस्या उत्पन्न हो सकती है। ग्रामीणों ने बताया कि मौके से करीब 500 मीटर की दूरी पर प्राकृतिक सोता नदी भी मौजूद है। ग्रामीणों की शिकायत पर विधायक हंसराज पटेल ने संबंधित अधिकारियों एवं ठेकेदार से बातचीत कर स्थिति की जानकारी ली। विधायक ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि नाली का निर्माण नियमों के विरुद्ध नहीं किया जाए तथा

- **विधायक ने अधिकारियों को दिए नियमों के अनुसार नाली निर्माण के निर्देश**

सड़क के दोनों ओर अलग-अलग नालियां बनाकर उन्हें उचित ढ़ाल के साथ सीधे नजदीकी प्राकृतिक सोता नदी से जोड़ा जाए। विधायक ने ग्रामीणों को आष्वासन दिया कि जल निकासी की उचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी, ताकि भविष्य में जलभराव की समस्या उत्पन्न ना हो। ग्रामीणों ने बताया कि इस संबंध में राजस्थान संपर्क पोर्टल पर भी शिकायत दर्ज कराई गई है, लेकिन उनके अनुसार संबंधित अधिकारियों द्वारा अभी तक उचित कार्यवाही नहीं की गई है। ग्रामीणों का आरोप है कि अधिकारी बजट की कमी तथा क्षेत्र को आबादी क्षेत्र नहीं होने का हवाला देकर जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि मौके पर प्राचीन मंदिर, बिजली पॉवर हाउस, मकान, कृषि भूमि तथा नई ढाणी, भोजस वाली ढाणी और गुजराली ढाणी सहित आबादी क्षेत्र मौजूद हैं। इस दौरान प्रशांत भारद्वाज, विक्रम सिंह तंवर, संजय जोशी सहित अनेक ग्रामीण मौजूद रहे।

महाप्रबंधक पंकज शर्मा ने फुलेरा रेलवे स्टेशन के विकास कार्यों का जायजा लिया

जयपुर। उत्तर पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक पंकज शर्मा ने शनिवार को जयपुर मंडल के जयपुर-फुलेरा-जयपुर रेल खंड का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने फुलेरा रेलवे स्टेशन पर अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत लगभग 34 करोड़ रुपये की लागत से किए जा रहे विभिन्न विकास एवं यात्री सुविधा संबंधी कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को सभी कार्य निर्धारित समय सीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही महाप्रबंधक ने फुलेरा स्टेशन पर केंद्रीय क्रू लॉबी एवं आईआरसीटीसी की रिफ्रेशमेंट रूम का भी निरीक्षण किया।

भूपेश यादव वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, जयपुर ने बताया कि महाप्रबंधक पंकज शर्मा ने फुलेरा रेलवे स्टेशन पर यात्री सुविधाओं,स्टेशन परिसर के विकास तथा अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत चल रहे कार्यों की विस्तृत जानकारी ली। लगभग 34 करोड़ रुपये की लागत से फुलेरा रेलवे स्टेशन का विकास एवं आधुनिकीकरण किया जा रहा है। इन कार्यों के पूर्ण होने

- **उत्तर पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक पंकज शर्मा ने फुलेरा रेलवे स्टेशन पर अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत लगभग 34 करोड़ रुपये की लागत से किए जा रहे विकास कार्यों का जायजा लिया**

से स्टेशन के आधारभूत ढांचे का आधुनिकीकरण होने के साथ यात्रियों को आधुनिक एवं बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

महाप्रबंधक ने स्टेशन पर यात्रियों के आवागमन, स्वच्छता,प्रकाश व्यवस्था, यात्री प्रतीक्षालय,प्लेटफॉर्म सुविधाओं सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि विकास कार्यों के दौरान यात्रियों की सुविधा एवं सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा जाए।

सरकारी स्कूलों को राजनीति का अखाड़ा नहीं बनने देंगे : रामनरेश सिंह

भरतपुर। राजकीय विद्यालयों को राजनीतिक गतिविधियों और बाहरी हस्तक्षेप से दूर रखने की मांग को लेकर अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ ने सख्त रुख अपनाया है। महासंघ ने कहा कि विद्यालय बच्चों के भविष्य निर्माण का केंद्र हैं, इन्हें किसी व्यक्ति, संगठन अथवा राजनीतिक अभियान के प्रचार-प्रसार का मंच नहीं बनने दिया जाएगा। महासंघ ने बगरू में राजकीय विद्यालय में निरीक्षण के प्रयास के दौरान हुए विवाद की निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की मांग की है।

महासंघ के प्रदेश उपाध्यक्ष रामनरेश सिंह राठौड़ ने प्रेस वार्ता में कहा कि सीजेपी प्रवक्ता आशुतोष रांका के साथ कुछ बाहरी लोग एक राजकीय विद्यालय में निरीक्षण के लिए पहुंचे थे। इस दौरान ग्रामीणों के विरोध के बीच गाली-गलौज और मारपीट जैसी स्थिति बनने की जानकारी सामने आई है। उन्होंने कहा

महासंघ के प्रदेश उपाध्यक्ष रामनरेश सिंह राठौड़ ने प्रेस वार्ता की

कि किसी भी प्रकार की हिंसा का समर्थन नहीं किया जा सकता, लेकिन यह भी सवाल है कि राजनीतिक विवाद को विद्यालय तक क्यों लाया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि विद्यालय में निरीक्षण और शैक्षिणक व्यवस्था की समीक्षा के लिए सरकार ने पूरी विभागीय व्यवस्था बनाई हुई है। प्रधानाचार्य से लेकर सीबीओ, डीओ, डिप्टी डायरेक्टर, ज्वाइंट डायरेक्टर और डायरेक्टर स्तर तक अधिकारी निरीक्षण के लिए अधिकृत हैं। इसके अलावा एसएमसी और एसडीएमसी जैसी समितियां भी विद्यालय प्रबंधन से जुड़े मामलों को देखती हैं। किसी को विद्यालय की व्यवस्था से शिकायत है तो निर्धारित प्रक्रिया के तहत अधिकारियों और विद्यालय प्रबंधन के सामने मामला उठाया जाना चाहिए।

रामनरेश राठौर ने कहा कि

- **महासंघ ने बगरू में राजकीय विद्यालय में निरीक्षण के प्रयास के दौरान हुए विवाद की निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की**

विद्यालय निरीक्षण का स्थान हो सकता है, शक्ति प्रदर्शन का स्थान नहीं। विद्यालय संवाद का स्थान है, टकराव का नहीं और शिक्षा का केंद्र है, राजनीतिक प्रदर्शन का नहीं। उन्होंने कहा कि शिक्षकों के सम्मान और गरिमा के साथ किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा।

महासंघ के संभाग संयुक्त मंत्री पदम सिंह ने भी घटना की निंदा करते हुए कहा कि बड़ी संख्या में वाहनों और लोगों के समूह के साथ विद्यालय पहुंचकर वहां की व्यवस्था प्रभावित करना उचित नहीं है।

बुजुर्ग दंपत्ति को डिजिटल अरेस्ट करके 76 लाख रु. ठगने वाले शातिर बदमाश गिरफ्तार

स्टेट क्राइम ब्रांच पुलिस ने दोनों बदमाशों को दिल्ली-एन.सी.आर. से दबोचा

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । स्टेट साइबर क्राइम थाना पुलिस ने डिजिटल अरेस्ट कर जयपुर के बुजुर्ग दंपती से 76 लाख रुपए की साइबर ठगी करने वाले दो आरोपियों को दिल्ली-एनसीआर से गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने खुद को पुलिस, एटीएस और एनआईए अधिकारी बताकर दंपती को आतंकवादी गतिविधियों और मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में फंसाने की धमकी दी थी। पुलिस ने बैंकिंग ट्रेल का तत्काल विश्लेषण कर ठगी की रकम में से करीब 50 लाख रुपए होल्ड करवाए हैं।

आरोपी अखंड प्रताप और सतपाल सिंह

डीजीपी राजीव कुमार शर्मा ने बताया कि जयपुर निवासी बुजुर्ग ने 14 अगस्त को स्टेट साइबर क्राइम थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। शिकायत के अनुसार 5 अगस्त को उनकी पत्नी के मोबाइल पर वाट्सऐप कॉल आया। इसके बाद अलग-अलग मोबाइल नंबरों से आरोपियों ने पुलिस, एटीएस और एनआईए अधिकारी बनकर बात की। आरोपियों ने आधार कार्ड के दुरुपयोग से आतंकवादी गतिविधियों और करोड़ों रुपए की मनी लॉन्ड्रिंग होने की बात कहकर दंपती को परिवार के अन्य सदस्यों के खिलाफ कार्रवाई का डर दिखाया।

आरोपियों ने वाट्सऐप पर कथित एनआईए का नोटिस भेजकर कुछ दिनों में एनओसी और सुरक्षा प्रमाण पत्र जारी कराने का झांसा दिया। इसके बाद लगातार वाट्सऐप वॉइस और वीडियो कॉल के जरिए दंपती पर निगरानी रखी गई। डिजिटल अरेस्ट का भय दिखाकर उनके फिक्स्ड डिपॉजिट और अन्य वित्तीय दस्तावेजों की जानकारी और तस्वीरें मंगवाई गईं। दबाव में दंपती ने अपनी बचत लिक्विडेट कर अलग-अलग बैंक खातों से 76 लाख रुपए आरोपियों के बताए खातों में ट्रांसफर कर दिए। पुलिस जांच में सामने आया कि ठगी की रकम एक बैंक खाते में पहुंचने के बाद उसी दिन आरटीजीएस के जरिए दूसरे खाते में और अगले दिन अन्य खातों में ट्रांसफर कर दी गई। पुलिस टीम ने बैंकिंग ट्रेल का तत्काल विश्लेषण करते हुए संबंधित बैंकों से समन्वय किया और करीब 50 लाख रुपए होल्ड करवाने में सफलता हासिल की।

- **आरोपियों ने दंपत्ति को आतंकवादी गतिविधियों और मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में फंसाने की धमकी दी थी**
- **पुलिस ने बैंकिंग ट्रेल का तत्काल विश्लेषण कर ठगी की रकम में से करीब 50 लाख रुपए होल्ड करवाए हैं**

जांच में सामने आया कि सतपाल सिंह कपड़ा निर्माण एवं सिलाई के व्यवसाय से जुड़ा है। उसने अपनी कंपनी के कर्मचारी और मैनेजर अखंड प्रताप सिंह के बैंक खातों की जानकारी साइबर अपराधियों को उपलब्ध कराई। इन खातों में ठगी की 10 लाख और 7 लाख रुपए की रकम पहुंची थी। रकम निकलवाने और अन्य खातों में ट्रांसफर कराने में भी सतपाल की भूमिका सामने आई। पुलिस के अनुसार उसने कमीशन के लालच में साइबर ठगी की रकम के लेन-देन में सहयोग किया।

पुलिस ने बैंकिंग ट्रेल के आधार पर दिल्ली-एनसीआर में दबिश देकर अखंड प्रताप सिंह उर्फ शानू सिंह निवासी गौतमबुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश और सतपाल सिंह निवासी गाजीपुर, दिल्ली को शुक्रवार रात गिरफ्तार किया। दोनों से पूछताछ कर साइबर ठगी के पूरे नेटवर्क और अन्य आरोपियों की भूमिका का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

सांस्कृतिक विरासत बचाने के लिए आज निकलेगी रैली

जयपुर । जयपुर की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत को बचाने और परकोटा क्षेत्र से बहुसंख्यक वर्ग के पलायन को रोकने की मांग को लेकर युवा शक्ति मंच राजस्थान की ओर से रविवार को विशाल 'जन आक्रोश रैली' निकाली जाएगी। इस रैली में 2100 महिलाएं नेतृत्व करेंगी, जबकि हजारों युवाओं के साथ 10 हजार दुपहिया और 500 चौपहिया वाहनों के शामिल होने का दावा आयोजकों ने किया है। युवा शक्ति मंच के प्रदेश संयोजक सुनील सिंह शेखावत ने बताया कि रैली रविवार सुबह 11 बजे खोले के हनुमानजी मंदिर से रवाना होगी व अल्बर्ट हॉल,रामनिवास बाग पहुंचकर इसका समापन किया जाएगा। शेखावत ने बताया कि रैली का प्रमुख आकर्षण 2100 महिलाओं का नेतृत्व होगा। इसके माध्यम से महिला सशक्तीकरण का संदेश देने के साथ जयपुर की सांस्कृतिक पहचान से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाया जाएगा। रैली में जयपुर और आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में युवा शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि जयपुर केवल एक शहर नहीं,बल्कि ऐतिहासिक इमारतों, धार्मिक स्थलों, कला और परंपराओं के कारण विश्वभर में विशेष पहचान रखता है।

लोगों के फोन से टैक्सी बुक करके कार चुराने वाला पकड़ा

जयपुर । जवाहर सर्किल थाना पुलिस ने वाहन चोरी के मामले में कार्रवाई करते हुए एक शातिर वाहन चोर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी की टैक्सी कार बरामद की है। आरोपी टैक्सी चालकों और राहगीरों को बातों में उलझाकर उनके मोबाइल हासिल करता और ऑनलाइन ठगी व वारदात को अंजाम देता था।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व रंजिता शर्मा ने बताया कि जवाहर सर्किल थाना पुलिस ने वाहन चोरी के मामले में कार्रवाई करते हुए एक शातिर वाहन चोर कुलदीप भाटवानी निवासी सोडाला जयपुर को गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ सोडाला थाने में दो, जवाहर सर्किल थाने में एक और विद्याधर नगर थाने में एक मामला दर्ज है। पुलिस मामले में आगे पूछताछ कर रही है। पुलिस के अनुसार आरोपी जोमैटो और रैपिडो चालकों को बातचीत में उलझाकर उनके मोबाइल लेकर घर पर बात करने का बहाना करता था। इसके बाद मोबाइल का पासवर्ड रिसेट कर उनके खातों से ऑनलाइन रुपए ट्रांसफर कर देता था। इसके अलावा राह चलते लोगों से मोबाइल लेकर उसी मोबाइल से ओला-उबर बुक करता और वारदात के बाद पुलिस तक पहुंचने से बचने के लिए बुकिंग में इस्तेमाल नंबर के धारक को ही फंसाने का प्रयास करता था। पुलिस के अनुसार रौकी बैरवा ने 29 मई 2026 को रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि आरोपी ने किसी अन्य व्यक्ति के मोबाइल से उसकी टैक्सी बुक की और सुबह छह बजे जीटी की ओर लाकर कार लूट ली।

5 लाख रु. की नकली और प्रतिबंधित दवाएं जब्त

मुहाना और सांगानेर के 5 मेडिकल स्टोर्स पर छापा, लाइसेंस भी निलंबित किए

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । अवैध, नकली, प्रतिबंधित और बिना लाइसेंस दवाओं की बिक्री के खिलाफ जयपुर दक्षिण पुलिस और औषधि नियंत्रण विभाग ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए मुहाना और सांगानेर सदर थाना क्षेत्रों में पांच मेडिकल स्टोरों पर छापेमारी की। कार्रवाई में करीब पांच लाख रुपए कीमत की संदिग्ध, प्रतिबंधित और बिना बिल की दवाएं बरामद की गईं। जांच के दौरान दवाओं की खरीद-बिक्री से संबंधित वैध दस्तावेज और आवश्यक रिकॉर्ड प्रस्तुत नहीं करने पर संबंधित मेडिकल स्टोर के लाइसेंस निलंबित कर दिए गए।

पुलिस उपायुक्त दक्षिण राजर्षि राज के निर्देश पर ड्रग कंट्रोलर मदन मोहन सिंघल तथा मुहाना थानाधिकारी देवेंद्र सिंह और सांगानेर सदर थानाधिकारी धर्म सिंह के नेतृत्व में संयुक्त टीम गठित की गई। टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर टोंक रोड स्थित अभि मेडिकल एंड जनरल स्टोर, श्रीराम की नांगल स्थित शुभम मेडिकल एंड जनरल स्टोर, हाज्यावाला स्थित बालाजी मेडिकल, गोविंदपुरा स्थित श्री श्याम मेडिकोज और वाटिका रोड स्थित देवेश मेडिकल एजेंसी की जांच की।

तलाशी के दौरान मेडिकल स्टोरों पर बड़ी मात्रा में नकली, प्रतिबंधित और बिना बिल की दवाएं मिलीं। इनकी बाजार कीमत करीब पांच लाख रुपए आंकी गई। संचालक दवाओं की खरीद-बिक्री से संबंधित वैध दस्तावेज, ड्रग लाइसेंस और आवश्यक रिकॉर्ड जांच टीम के समक्ष प्रस्तुत नहीं कर सके। इसके बाद औषधि नियंत्रण विभाग की टीम ने संबंधित दुकानों और गोदामों को सील करते हुए लाइसेंस निलंबित कर दिए। मामले में आगे की कार्रवाई जारी है।

पुलिस के अनुसार नशे के खिलाफ चलाए जा रहे 'मिशन जागृति' अभियान के तहत 13 अप्रैल से 31 जुलाई तक 81 प्रकरण दर्ज कर 83 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। अभियान के तहत जनप्रतिनिधियों और पार्षदों के सहयोग से 'अपना वार्ड नशामुक्त वार्ड' अभियान चलाकर लोगों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया गया। इस दौरान करीब तीन हजार लोगों तक जागरूकता संदेश पहुंचाया गया।

अभियान की हेल्पलाइन पर मिली 102 शिकायतों पर कार्रवाई करते हुए एनडीपीएस एक्ट के तहत 18 मामले दर्ज किए गए और 20 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। विभिन्न तिथियों में करीब 5.60 करोड़ रुपए कीमत के अवैध मादक पदार्थों का निस्तारण भी किया गया।

पुलिस के मुताबिक वर्ष 2026 में अब तक एनडीपीएस मामलों में 26 वाहन और करीब 3.89 करोड़ रुपए कीमत के मादक पदार्थ जब्त किए जा चुके हैं। अभियान के दौरान एनडीपीएस एक्ट के मामलों में कुल 80 हजार रुपए के 10 इनामी अपराधियों को भी गिरफ्तार किया गया।

6900 लीटर संदिग्ध मूंगफली तेल सीज

जयपुर (कासं)। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण विभाग ने शनिवार को प्रदेशभर में मिलावटखोरों के खिलाफ सघन कार्रवाई की। जयपुर में 6900 लीटर संदिग्ध मूंगफली तेल सीज किया गया, जबकि विभिन्न जिलों में करीब 1150 किलो/लीटर अमानक एवं दूषित खाद्य सामग्री नष्ट कराई गई।

विभाग की टीमों ने प्रदेशभर में 60 प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर 101 नमूने लिए। जयपुर के गोविंद नगर स्थित एक प्रतिष्ठान से कम कीमत पर बिक रहे मूंगफली तेल में मिलावट की आशंका पर नमूने लिए गए और 6900 लीटर तेल सीज कर जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा गया। कार्रवाई के दौरान उदयपुर में 600 लीटर संदिग्ध दूध, जबकि विभिन्न जिलों में 265 किलो बासी एवं दूषित मिठाइयां, 148 किलो दुग्ध उत्पाद एवं मावा तथा 65 किलो संदिग्ध घी और खाद्य तेल नष्ट कराया गया। अन्य जिलों में भी 72 किलो खाद्य सामग्री नष्ट की गई।

झपट्टा मारकर बिजनेसमैन से दो लाख रुपए से भरा बैग लूटा

जयपुर। सदर थाना इलाके में दुकान बंद कर घर लौट रहे बिजनेसमैन से दो बदमाश करीब 2 लाख रुपए से भरा बैग छीनकर फरार हो गए। वारदात के बाद पीड़ित ने सदर थाने में मामला दर्ज कराया। पुलिस ने बदमाशों की तलाश शुरू कर दी है।

एसआई दिनेश ने बताया कि पावर हाउस रोड निवासी राजू अग्रवाल (50) रेलवे स्टेशन के पास सिगरेट-गुटखा की दुकान चलाते हैं। पीडित राजू अग्रवाल और उनके भाई चिरंजीलाल ने दुकान बंद की और कपड़े का बैग हाथ में लेकर घर के लिए रवाना हुए। इस दौरान तंवर गेस्ट हाउस के पास पहुंचते ही पीछे से दो युवक दौड़ते हुए आए। इससे पहले कि वह कुछ समझ पाते, बदमाशों ने झपट्टा मारकर उनके हाथ से बैग छीन लिया और मौके से फरार हो गए। वारदात के दौरान बैग में दुकान के पूरे दिन का करीब 2 लाख रुपए का कलेक्शन रखा हुआ था। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर लूट का मामला दर्ज कर लिया है। घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। फुटेज के आधार पर बदमाशों की पहचान कर उनकी तलाश की जा रही है।

तेज रफ्तार थार ने स्कूटी सवार बुजुर्ग को कुचला

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। मालवीय नगर इलाके में तेज रफ्तार नीली थार ने स्कूटी सवार 62 वर्षीय बुजुर्ग को टक्कर मार दी। हादसे में गंभीर घायल बुजुर्ग की एसएमएस अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में उपचार के दौरान मौत हो गई। वहीं इस हादसे के बाद थार चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त थार को जब्त कर चालक की तलाश शुरू कर दी है।

- **हादसे में गंभीर घायल बुजुर्ग की एसएमएस अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई।**
- **टक्कर मारने के बाद थार चालक मौके से फरार हो गया, पुलिस ने गाड़ी जब्त कर चालक की तलाश शुरू की**

मालवीय नगर थानाधिकारी गौरव प्रधान ने बताया कि मृतक की पहचान छाजू सिंह (62) के रूप में हुई है। वे मूल रूप से प्रेमपुरा, दौसा के रहने वाले थे और वर्तमान में बाईजी की कोठी, झालाना डूंगरी में रह रहे थे। छाजू सिंह एक हॉस्टल में गार्ड की नौकरी करते थे। पुलिस के अनुसार छाजू सिंह पिछले दो-तीन दिन से बीमार थे और उन्हें खांसी-जुकाम की शिकायत थी। जो स्कूटी से दवाई लेने जयपुरिया अस्पताल जा रहे थे। इसी दौरान सरस पुलिया के पास तेज रफ्तार थार ने उनकी स्कूटी को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि छाजू सिंह उछलकर सड़क पर जा गिरे। इसके बाद वे करीब 50 मीटर तक सड़क पर घिसटते चले गए। हादसे में उनकी पसलियों सहित शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आईं। स्कूटी को टक्कर मारने के बाद थार भी अनियंत्रित हो गई। एसयूवी सड़क किनारे लगे खंभे से टकराई और उसे तोड़ते हुए काफी दूर तक चली गई। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल छाजू सिंह को एसएमएस अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया। चिकित्सकों ने उन्हें बचाने का प्रयास किया, लेकिन उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। पुलिस ने दुर्घटना में शामिल थार को जब्त कर लिया है। चालक हादसे के बाद मौके से फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश में जुटी है। घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। पुलिस हादसे की परिस्थितियों की भी जांच कर रही है।

रैली के चलते ट्रैफिक व्यवस्था में बदलाव

जयपुर। शहर में रविवार को प्रस्तावित रैली के मद्देनजर जयपुर यातायात पुलिस ने सुगम यातायात व्यवस्था के लिए विशेष ट्रैफिक प्लान जारी किया है। रैली खोले के हनुमानजी से रवाना होकर शहर के प्रमुख बाजारों और चौपड़ों से होते हुए रामनिवास बाग स्थित यूनियन फुटबॉल ग्राउंड पहुंचेगी। रैली के दौरान परकोटे सहित कई प्रमुख मार्गों पर यातायात को आवश्यकतानुसार डायवर्ट किया जाएगा।

यातायात पुलिस ने आमजन से रैली के दौरान परेशानी से बचने के लिए वैकल्पिक और समानांतर मार्गों का उपयोग करने की अपील की है। रैली दोपहर 1 बजे खोले के हनुमानजी से रवाना होकर बदनपुरा, गंगापोल, सुभाष चौक, चांदी की टकसाल, बड़ी चौपड़, त्रिपोलिया टी-पॉइंट, छोटी चौपड़, किशनपोल बाजार, यादगार तिराहा, रामनिवास बाग चौराहा होते हुए यूनियन फुटबॉल ग्राउंड पहुंचेगी। दिल्ली रोड से जयपुर की ओर आने वाले वाहनों को यातायात दबाव के अनुसार धोबीघाट, लडवा मोड़ और आमेर तिराहे की ओर डायवर्ट किया जाएगा। भारी वाहनों को चंदवाजी तिराहे से एक्सप्रेस हाईवे, रोड नंबर-14 और 200 फीट चौराहे की ओर भेजा जाएगा। रैली के प्रमुख चौपड़ों और बाजारों में पहुंचने से पहले संबंधित संपर्क मार्गों से वाहनों को डायवर्ट किया जाएगा। सांगानेरी गेट, घाटगेट, गलता गेट, अजमेरी गेट से परकोटे में वाहनों का प्रवेश आवश्यकता के अनुसार रोका जाएगा।

सवाल उठाने वालों को दबा रही सरकार : जूली

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने भाजपा सरकार पर शिक्षा व्यवस्था की अनदेखी करने और सवाल उठाने वाली आवाजों को दबाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि विद्यालय और शिक्षा ही युवाओं में सवाल पूछने की क्षमता व चेतना विकसित करते हैं, लेकिन सरकार अपनी नाकामियों का जवाब देने के बजाय सवाल करने वालों को दबाने में जुटी है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी छात्रों और युवाओं के अधिकारों की आवाज लगातार उठा रहे हैं।

- **नेता प्रतिपक्ष जूली ने चीनी के बढ़ते दामों को लेकर भी निशाना साधा**

जूली ने चीनी के बढ़ते दामों को लेकर भी केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पिछले एक पखवाड़े में चीनी के दाम करीब 20 रुपए प्रति किलो बढ़े हैं, जबकि रक्षाबंधन और जन्माष्टमी जैसे त्योहार सामने हैं। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भरता का दावा करने वाली सरकार के कार्यकाल में देश को चीनी आयात करने की स्थिति का सामना करना पड़ रहा है। नेता प्रतिपक्ष ने नीति आयोग की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि पिछले 10 वर्षों में देशभर में करीब 94 हजार सरकारी स्कूल बंद हुए हैं। वर्ष 2014-15 में 11.07 लाख सरकारी स्कूल थे, जो 2024-25 में घटकर 10.13 लाख रह गए। इसी अवधि में सरकारी स्कूलों में नामांकन भी 26.95 करोड़ से घटकर 24.69 करोड़ रह गया। जूली ने राजस्थान की शिक्षा व्यवस्था पर भी चिंता जताते हुए कहा कि सरकारी स्कूलों की जर्जर इमारतों के लिए करीब 20 हजार करोड़ रुपए की जरूरत है, लेकिन बजट में पर्याप्त प्रावधान नहीं किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि कोटा में भी कई सरकारी स्कूलों में बच्चे बुनियादी सुविधाओं के अभाव में पेड़ की छांव और टीन शेड के नीचे पढ़ने को मजबूर हैं। उन्होंने कहा कि जो सरकार जनता और विपक्ष के सवालों का सामना नहीं कर सकती, वह भला नहीं कर सकती।

कांग्रेस से पार्षद की टिकट मांगने उमड़े दावेदार

जयपुर । नगर निगम चुनाव की सरगर्मियों के बीच कांग्रेस में टिकट की दावेदारी ने सियासी हलचल तेज कर दी है। शनिवार को जयपुर शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुनील शर्मा के निवास पर हजारों टिकट दावेदारों और उनके समर्थकों की भीड़ उमड़ पड़ी। सुबह से लेकर शाम तक लगातार पहुंच रहे कार्यकर्ताओं, दावेदारों और समर्थकों की भारी भीड़ ने क्षेत्र में राजनीतिक माहौल को गरमा दिया।

जयपुर नगर निगम चुनाव के लिए कांग्रेस की ओर से चलाए जा रहे "मिशन 100" को भी इस बढ़ती राजनीतिक सक्रियता से बल मिलता नजर आ रहा है। टिकट के लिए बड़ी संख्या में सामने आ रहे दावेदारों को कांग्रेस अपने पक्ष में बढ़ते जनाधार और संगठनात्मक सक्रियता के रूप में देख रही है।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुनील शर्मा के निवास पर शनिवार को दिनभर दावेदारों का आना-जाना लगा रहा। टिकट के दावेदार अपने समर्थकों के साथ पहुंचे और अपनी-अपनी दावेदारी को मजबूत करने का प्रयास किया। कई वार्डों से संभावित प्रत्याशियों के साथ स्थानीय कार्यकर्ता और समर्थक भी पहुंचे।

कांग्रेस का कहना है कि टिकटार्थियों और उनके समर्थकों की इतनी बड़ी संख्या में मौजूदगी इस बात का संकेत है कि जयपुर शहर में पार्टी के प्रति कार्यकर्ताओं और आमजन का भरोसा बढ़ रहा है। पार्टी नेताओं के अनुसार नगर निगम चुनाव को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ता उत्साह में हैं और हर वार्ड में चुनावी तैयारियां तेज कर दी गई हैं।

जयपुर शहर कांग्रेस अध्यक्ष सुनील शर्मा के आवास पर शनिवार को जयपुर नगर निगम से चुनाव के लिए दावेदार और समर्थकों भीड़ उमड़ी।

शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुनील शर्मा ने कहा कि जयपुर नगर निगम चुनावों के लिए कांग्रेस पूरी मजबूती के साथ मैदान में उतरेगी। पार्टी का लक्ष्य 'मिशन हंड्रेड' के जरिए अधिक से अधिक सीटें जीतकर नगर निगम में बहुमत हासिल करना है। उन्होंने कहा कि टिकट वितरण में पार्टी की जीत की संभावना, जनाधार और संगठन के लिए किए गए कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी। राजनीतिक जानकारों के अनुसार टिकट की दावेदारी के लिए उमड़ रही भीड़ को कांग्रेस संगठन की सक्रियता के रूप में देखा जा रहा है। नगर निगम चुनाव की घोषणा से पहले ही कांग्रेस और भाजपा दोनों दलों ने अपने-अपने स्तर पर चुनावी तैयारियां तेज कर दी हैं। ऐसे में कांग्रेस के टिकटार्थियों की बढ़ती सक्रियता ने जयपुर शहर की राजनीति में नई हलचल पैदा कर दी है।

सार-समाचार

'राव' शिवराज पाल सिंह को नागरी तुलसी सारस्वत सम्मान से नवाजा

जयपुर । राजस्थान के करौली जिले के इनायती गांव निवासी वरिष्ठ साहित्यकार 'राव' शिवराज पाल सिंह को नागरी प्रचारिणी सभा, देवरिया की ओर से तुलसी जयंती समारोह में 'राजस्थान के नागरी तुलसी सारस्वत सम्मान' से सम्मानित किया गया। समारोह में उनके सम्मान में प्रशस्ति पत्र पढ़ा गया तथा स्मृति चिन्ह और अंगवस्त्र भेंट किए गए। मुख्य अतिथि के रूप में राव शिवराज पाल सिंह ने गोस्वामी तुलसीदास के साहित्य में लोक रंजन, लोक मंगल और 'स्वांतः सुखाय' की अवधारणा पर विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि तुलसीदास ने अपने समय के अंधकारमय दौर में भगवान राम को आदर्श के रूप में प्रस्तुत कर समाज को निराशा से उबारने का कार्य किया। मुख्य वक्ता विद्या वाचस्पति डॉ. विद्यासागर उपाध्याय ने तुलसीदास के साहित्य, समाज पर उसके प्रभाव और वर्तमान समय में उसकी प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम से पूर्व वर्तमान साहित्य जगत की स्थिति और सृजन को लेकर विद्वानों की परिचर्चा भी हुई। इस अवसर पर राव शिवराज पाल सिंह ने अपनी प्रकाशित पुस्तकों का एक सेट नागरी प्रचारिणी सभा के आर्यभाषा पुस्तकालय एवं वाचनालय के लिए सभा के अध्यक्ष डॉ. जयनाथ मणि त्रिपाठी और मंत्री डॉ. अनिक कुमार त्रिपाठी को भेंट किया। नागरी प्रचारिणी सभा, देवरिया की स्थापना वर्ष 1915 में हुई थी और यह देश की प्राचीन साहित्यिक संस्थाओं में शामिल है। संस्था द्वारा वर्षभर साहित्यिक आयोजनों और मासिक साहित्य गोष्ठियों का आयोजन किया जाता है। कार्यक्रम के पूर्व भी एक विशेष सत्र में डॉ. इंद्र कुमार दीक्षित, डॉ. दिवाकर प्रसाद तिवारी, डॉ. अनिक कुमार त्रिपाठी, डॉ. कुशवाह, डॉ. विद्यासागर उपाध्याय एवं क्षमा श्रीवास्तव के साथ वर्तमान साहित्य जगत की हालात एवं सृजन पर बहुत महत्वपूर्ण परिचर्चा हुई। 'राव' ने भी अपनी प्रकाशित पुस्तकों का एक सेट नागरी प्रचारिणी सभा के आर्यभाषा पुस्तकालय एवं वाचनालय के लिए सभा के 92 वर्षीय अध्यक्ष डॉ. जयनाथ मणि त्रिपाठी एवं मंत्री डॉ. अनिक कुमार त्रिपाठी को भेंट की।

क्वांटम तलाशेगा फ्लेक्सी कैप फंड

मुंबई । क्वांटम म्यूचुअल फंड ने "क्वांटम फ्लेक्सी कैप फंड" लॉन्च किया है। यह योजना लार्ज कैप, मिड कैप और स्मॉल कैप कंपनियों में निवेश करेगी। फंड की टीम बाजार और उद्योगों में बदलते मुनाफे के अवसरों की पहचान कर निवेश का संतुलन तय करेगी। फंड ग्रोथ एट ए रिसनेबल प्राइस (जीएआरपी) रणनीति के तहत कंपनियों की कारोबारी गुणवत्ता, प्रबंधन, आय, बैलेंस शीट और मूल्यांकन को ध्यान में रखेगा। इसका एनएफओ 21 अगस्त से 4 सितंबर 2026 तक खुला रहेगा और न्यूनतम निवेश 500 रुपए होगा। योजना में खरीद-बिक्री 11 सितंबर से शुरू होगी। क्वांटम म्यूचुअल फंड के सीआईओ एवं फंड मैनेजर चिराग मेहता ने कहा कि भारत में आर्थिक, तकनीकी और नीतिगत बदलाव कई उद्योगों में मुनाफे की दिशा बदल रहे हैं। फंड रिसर्च के आधार पर ऐसे अवसरों की पहचान कर उचित मूल्यांकन वाली कंपनियों में निवेश पर ध्यान देगा। क्वांटम एएमसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सीमंत शुक्ला ने कहा कि करीब दो साल बाद नया एनएफओ लॉन्च किया गया है, जिसे निवेशकों के पोर्टफोलियो में सार्थक मूल्य जोड़ने के उद्देश्य से तैयार किया गया है।

वीजी स्मार्ट टीवी की बिक्री 200 करोड़ पार

जयपुर । डिश टीवी समूह के कनेक्टेड मनोरंजन पोर्टफोलियो का हिस्सा वीजी स्मार्ट टीवी ने शुरुआत के पहले ही वर्ष में 200 करोड़ रुपये से अधिक की कुल बिक्री दर्ज की है। कंपनी के अनुसार, यह उपलब्धि डीटीएच कारोबार से आगे बढ़कर कनेक्टेड मनोरंजन के क्षेत्र में विस्तार की रणनीति को मजबूती देती है। वीजी स्मार्ट टीवी में लाइव टीवी, ओटीटी ऐप्स, एवीओडी सामग्री और स्मार्ट कंटेंट खोज की सुविधा एक ही मंच पर उपलब्ध है। चुनिंदा मॉडलों की खरीद पर 30 हजार रुपये तक के विशेष सामग्री लाभ भी दिए जा रहे हैं। कंपनी के अनुसार, मजबूत वितरण नेटवर्क और खुदरा भागीदारों के माध्यम से वीजी की पहुंच बड़े शहरों के साथ द्वितीय और तृतीय श्रेणी के शहरों तक बढ़ी है। डिश टीवी इंडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं कार्यकारी निदेशक मनोज डोभाल ने कहा कि 200 करोड़ रुपये से अधिक की बिक्री भारतीय ग्राहकों के बीच कनेक्टेड मनोरंजन की बढ़ती स्वीकार्यता को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि वीजी स्मार्ट टीवी डिश टीवी समूह को मजबूत कनेक्टेड मनोरंजन समूह बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

होर्डिंग-बैनर हटाने में जुटा नगर निगम

जयपुर। नगरीय निकाय चुनाव का कार्यक्रम घोषित होते ही आदर्श आचार संहिता लागू हो गई है। इसके साथ ही नगर निगम जयपुर की टीमें शहर में सक्रिय हो गई हैं। निगम आयुक्त ओम कसेरा के निर्देश पर शनिवार को जोन स्तर पर अभियान चलाकर अवैध होर्डिंग, बैनर, पोस्टर और कटआउट हटाए गए। निगम की टीमों ने शहर के विभिन्न हिस्सों में कार्रवाई की थी। वहीं अकेले मानसरोवर जोन में 225 से अधिक होर्डिंग हटाए गए। राज्य निर्वाचन आयोग ने प्रदेश के 309 नगरीय निकायों में आम चुनाव के लिए चरणवार कार्यक्रम घोषित किया है। कार्यक्रम की घोषणा के साथ ही संबंधित नगरीय निकाय क्षेत्रों में आदर्श आचार संहिता तत्काल प्रभाव से लागू हो गई, जो चुनाव प्रक्रिया पूरी होने तक प्रभावी रहेगी। निगम आयुक्त ओम कसेरा के अनुसार आचार संहिता लागू होने के बाद नगर निगम ने सार्वजनिक स्थानों पर लगे चुनावी प्रचार से संबंधित होर्डिंग, पोस्टर, बैनर और कटआउट हटाने की कार्रवाई तेज कर दी है। जोन स्तर पर निगम की टीमें लगातार निगरानी कर रही हैं और नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर प्रचार सामग्री हटाई जा रही है। चुनाव प्रचार के दौरान लाउडस्पीकर के इस्तेमाल के लिए जिला मजिस्ट्रेट, उपखंड मजिस्ट्रेट अथवा अन्य सक्षम अधिकारी की लिखित अनुमति लेना अनिवार्य होगा। रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक लाउडस्पीकर का उपयोग पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। चुनाव प्रचार के लिए वाहनों के इस्तेमाल की अधिकतम सीमा भी निर्धारित की गई है। प्रचार में वाहन लगाने के लिए संबंधित रिटर्निंग अधिकारी से लिखित अनुमति लेना जरूरी होगा। इसके लिए वाहन का पूरा विवरण देना होगा। नगर निगम और प्रशासन की टीमें आचार संहिता के दौरान प्रचार सामग्री के साथ वाहनों और लाउडस्पीकर के उपयोग पर भी निगरानी रखेंगी।

पिछवाई कला की दुर्लभ प्रदर्शनी सजी

जयपुर । जन्माष्टमी के अवसर पर आईसीए गैलरी एवं दर्शनम की ओर से 'पिछवाई थ्रू द एजेज़: आर्ट एंड वर्शिप' प्रदर्शनी शुरू की गई। इसमें 200 वर्ष से अधिक पुरानी करीब 70 दुर्लभ पिछवाई कलाकृतियां प्रदर्शित की गई हैं। प्रदर्शनी में श्रीनाथजी की भक्ति और नाथद्वारा की परंपरा के साथ बूंदी, किशनगढ़, कोटा और रूपनगढ़ चित्र शैलियों की झलक देखने को मिल रही है। कलाकृतियों में सोने-चांदी के काम, प्राकृतिक रंगों, हस्त कढ़ाई और पारंपरिक शिल्प का प्रयोग किया गया है। प्रदर्शनी 10 सितंबर तक कला प्रेमियों और संग्रहकर्ताओं के लिए खुली रहेगी।

श्रेष्ठ फोटोग्राफर्स का सम्मान किया

जयपुर । रोटरी क्लब जयपुर की साप्ताहिक बैठक का आयोजन विश्व फोटोग्राफी दिवस पर रोटरी हॉल में किया गया। इस अवसर पर फोटोग्राफी के महत्व को रेखांकित करते हुए जहाँ जयपुर के तीन वरिष्ठ फोटोग्राफरों का सम्मान किया गया, वहीं 100 वर्ष से भी अधिक पुराने दुर्लभ कैमरों की प्रदर्शनी आयोजित कर फोटोग्राफी के स्वर्णिम इतिहास को जीवंत किया गया। कार्यक्रम संयोजक पूर्व क्लब अध्यक्ष सुधीर गुप्ता ने बताया कि फोटोग्राफी केवल तस्वीरों को कैद करने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह इतिहास, कला, संस्कृति और अनकही संवेदनाओं को अमर बनाने का एक सशक्त जरिया है। फोटो जर्नलिज्म और फोटोग्राफी के जरिए बिना किसी भाषा के भी समाज के सत्य और मानवीय पहलुओं को अभिव्यक्त किया जा सकता है। कार्यक्रम के दौरान फोटोग्राफी के क्षेत्र में अनुकरणीय योगदान देने वाले शहर के तीन प्रतिष्ठित फोटोग्राफरों भागीरथ बस्नेट, मनोज कुमार श्रेष्ठ और टीकम चंद को क्लब अध्यक्ष श्रीकिशन शर्मा ने साफा पहनाकर, शिल्पा बेंद्रे, शांति लाल गंगवाल ने प्रशस्ति पत्र तथा स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान दिया गया।

Hashtag: The Symbol That Changed Social Media

Observed on August 23, International Hashtag Day marks the anniversary of the first use of the hashtag symbol (#) on Twitter in 2007. What began as a simple way to group conversations has now become a global digital tool that drives trends, movements, and real-time engagement across platforms. From #ThrowbackThursday to #BlackLivesMatter, hashtags have transformed how we communicate, advocate, and connect online. International Hashtag Day celebrates this symbol's cultural impact, highlighting its role in shaping modern discourse, amplifying voices, and bringing communities together in the ever-evolving world of social media.

Deccan Queen train turns 96 years old.

Deadliest Railway Line during British India that cost 24,000 lives.

Sir Bartle Frere, 1st Baronet British colonial official.

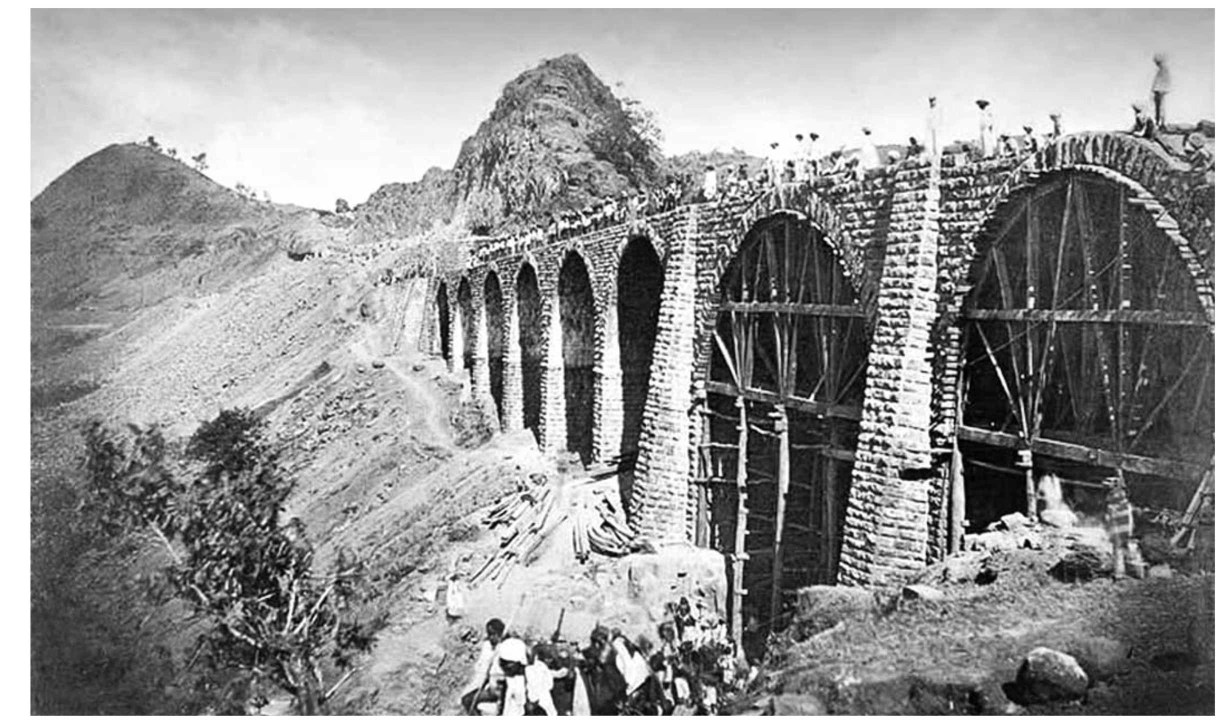
Railway Bridge, Bhor Ghat.

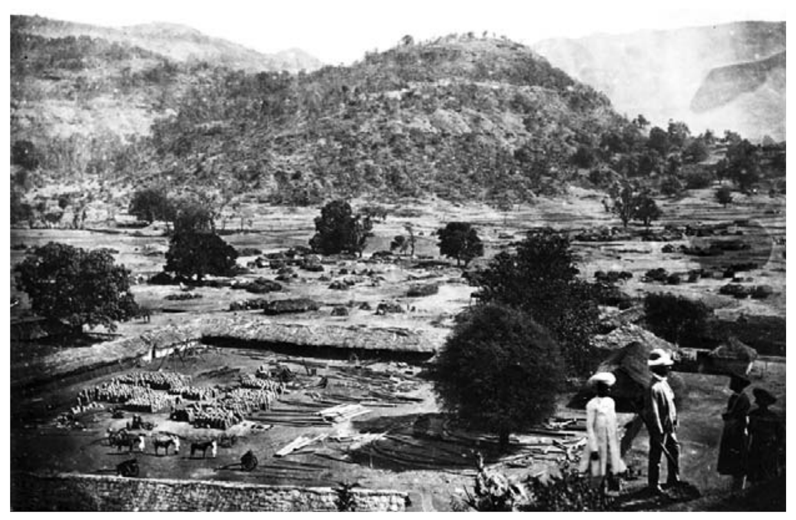
View of the contractors workshops with Mr. Clowser, joint manager of contract, in the village of Ozone.

Construction of The Bhor Ghat Line near Bombay (1860s). The scenic Bhor Ghat stretch on the Mumbai-Pune route is the main reason of taking a train from one city to the next.

For the British, this was an economic and strategic decision. For the labourers, it was a daily brutal battle with death. The job was far more dangerous than ordinary construction work; it was like working in a battlefield. Thousands of men, women, and even children hung from ropes on the hillsides, cutting through rock without any safety harnesses or protective gear. Chisels and hammers in their bare hands, they hacked at the mountain so that the railway could pass through.

Deccan Queen
The British Luxury Train

Bhor Ghat rail line re-alignment under construction.

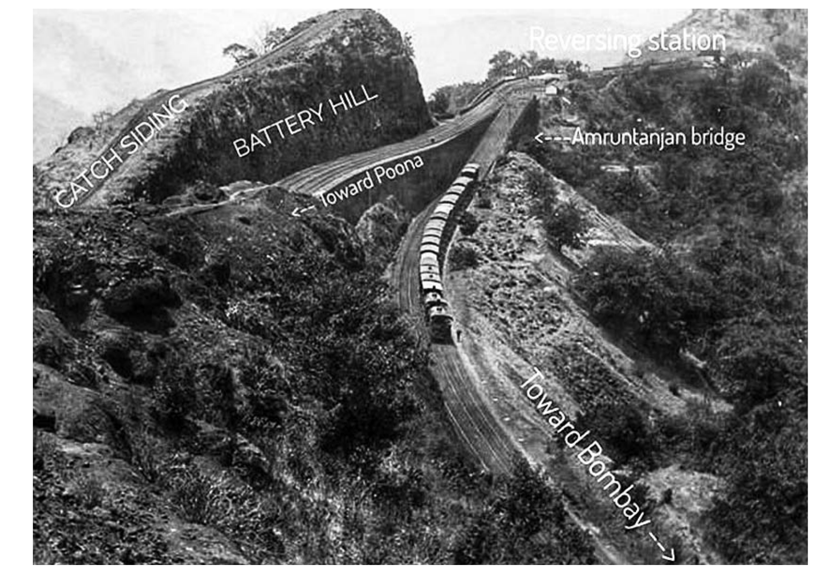

Construction of the Bhor Ghat Railway line.

● Bulbul Joshi

Every day, the Deccan Queen glides through the breathtaking Western Ghats between Mumbai and Pune. Passengers admire the lush green valleys, dramatic tunnels, and majestic bridges, often unaware that this picturesque railway route was built at an immense human cost during British colonial rule.

Deccan Queen service was introduced on 1 June 1930 as a weekend train with two rakes of seven coaches each. The first service of the train was conducted from Callian (now Kalyan) and Pune in the Bombay Presidency, India, apparently in order to ferry rich patrons from Bombay (now Mumbai) to Pune to attend horse racing at Pune Race Course.

Initially, one coach was painted in silver with scarlet mouldings, while the others were painted in royal blue with gold lines. The underframes of the coaches of the original rakes were built in England, while the coach bodies were built in the Matunga Workshop of the Great Indian Peninsula Railway. The service initially included first and second class seating.

Great Indian Peninsula Railway.

This tragic chapter begins in 1861. By then, Bombay (now Mumbai) had become the commercial hub of British India. In 1861-62, the colonial authorities decided to lay a railway line through the steep Bhor Ghat pass, cutting through the rugged Western Ghats with the help of engineer J. W. Berkley. Around 42,000 labourers were employed in the project, and work went on until April 21, 1863, when the line was finally completed.

> Taming the Bhor Ghat would also mean that the British could connect Bombay via Poona to Calcutta, Madras and Delhi by rail. The prospect of linking these vital metros and port cities, via a rail network, would open up limitless possibilities for trade and commerce. Now, if only the hills would cooperate! The Bhor Ghat was eventually tamed, a feat hailed as one of the greatest triumphs of 19th-century civil engineering in the world, preceding similar efforts to lay railway lines across the Alps, the Rocky Mountains and the Andes.

When the British began laying railway networks in India in the nineteenth century, their primary objective was not to develop India for its people. The railways were designed to strengthen the British Empire by moving troops quickly, transporting raw materials to ports, and expanding colonial trade.

One of the most challenging engineering projects was the railway through Bhor Ghat, connecting Mumbai with the Deccan Plateau. The steep mountains, dense forests, and heavy monsoon rains made construction extraordinarily difficult. Around 42,000 Indian labourers were employed on the project.

Taming the Bhor Ghat would also mean that the British could connect Bombay via Poona to Calcutta, Madras and Delhi by rail. The prospect of linking these vital metros and port cities, via a rail network, would open up limitless possibilities for trade and commerce. Now, if only the hills would cooperate!

The Bhor Ghat was eventually tamed, a feat hailed as one of the greatest triumphs of 19th-century civil engineering in the world, preceding similar efforts to lay railway lines across the Alps, the Rocky Mountains and the Andes.

But it came at a grave human cost. Here's the story.

In 1852, the country's oldest railway service, the Great Indian Peninsular Railway, took up the challenge. James John Berkley, the Chief Resident Engineer and the man behind India's first stretch of railway from Bombay to Thane, which had opened in 1853, put together a team for the Bhor Ghat project.

#THE BHOR GHAT PROJECT

146 years old photo of British officers of the Indian Railway inspecting rail track in a human-powered trolley was taken in 1880 AD.

Bhor Ghat Incline.

After four years of arduous surveys of various routes, 3,000 maps, drawings and cross-sections, Berkley chose the Bhor Ghat to lay the line. But the ascent here was so abrupt that it was impossible to construct a direct line. The railway incline would have to ascend 2,017 feet in less than 25 km, which would mean exceeding the prescribed gradient. Clearly, this was going to be a bigger challenge than they had imagined. So, instead of constructing a continuous steep line, they came up with a brilliant solution, to carve out a 'reversing section' at a bend near the summit, where an additional line was to be provided so that the train left in the direction opposite to which it had entered. In other words, the train would have to travel several yards backward and then take a run-up along a different, higher track to gain elevation.

The line would be laid such that the train would climb gradually at the steepest part of the ghats, and would leave the reversing station through a U-curve, followed by a long tunnel, all this while chugging along the edge of the very narrow and precipitous Khandala gorge.

The project also involved the building of 25 tunnels, 8 arched masonry viaducts, and the cutting of 54 million cubic feet of hard rock. Nowhere in the world had engineers ever attempted a project as tough and dangerous as this, and they had no precedent to guide them.

Besides, British engineers had to adapt to a vastly different physical and cultural setting than they were used to. As one consulting engineer to the Government of the Bombay Presidency wrote in 1855, "There is nothing as far as I am aware of in any English Railway which can be looked upon as a parallel undertaking."

Economics over safety

For the British, this was an economic and strategic decision. For the labourers, it was a daily brutal battle with death. The job was far more dangerous than ordinary construction work; it was like working in a battlefield. Thousands of men, women, and even children hung from ropes on the hillsides, cutting through rock without any safety harnesses or protective gear. Chisels and hammers in their bare hands, they hacked at the mountain so that the railway could pass through.

Every day meant blasting rock, carrying soil, and balancing on treacherous slopes. The slightest slip could cost a life. The danger was not only from falling rocks and sudden landslides, but also from the harsh conditions: a severe shortage of water, unbearable heat, and the constant fear of being crushed under a collapsing boulder. Yet, the British kept pushing the Indian workers to labour day and night. At its peak, nearly 25,000 workers were always on the job, turning the steep incline into a living nightmare. The work was supervised by British contractor William Faviell, whose methods have been described as severe. Labourers reportedly worked long hours with little rest, and injuries, poor treatment, and delayed wages added to their suffering.

By 1859, working conditions had become unbearable, and many labourers protested. The colonial authorities suppressed the unrest. During the monsoon of 1859-60, stagnant water around the construction camps became breeding grounds for diseases such as malaria and cholera. Landslides, collapsing rock faces, broken ropes, and falling debris turned the construction site into a place of constant danger.

A commonly cited claim is that around 24,000 Indian workers lost their lives during the construction of the Bhor Ghat railway. While this figure appears frequently in books, articles, and public discussions, historians note that surviving colonial records do not conclusively verify the exact death toll. What is beyond dispute is that thousands of labourers endured extreme hardship and many died from disease, accidents, and exhaustion while building the railway.

Then, in January 1859, the project's investors demanded more. Angry at the slow speed of work and worried about not having enough money to complete the section, they insisted on paying only half the specified rate. This was when wages were already months in arrears.

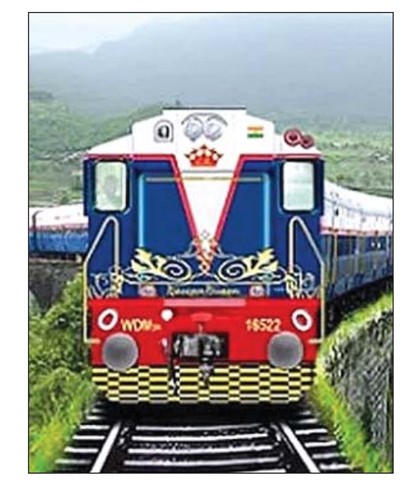
Traveling on the Deccan Queen.

The workforce was infuriated and a riot broke out, with the mob gathering around the British tents, on site, with sticks and stones to attack the sub-contractors. They relented only when they were promised more money.

> Decades later, on 1 June 1930, the Deccan Queen began operating on this very route. The train became a symbol of luxury and efficiency, carrying British officials and wealthy passengers through the scenic hills of the Western Ghats. The train was designed for ease and elegance, soft seats, dining cars, and refined service while the labourers who had cleared the path for it remained invisible in both memory and history. The British never seemed to notice the suffering behind the scenery they admired from the train's windows.

On 21 April 1863, the Bhor Ghat railway line was officially inaugurated. Sir Bartle Frere, the Governor of Bombay, hailed it as a marvel of engineering and celebrated it as the beginning of a new railway age in colonial India. The route included 25 tunnels, 23 bridges, and 60 culverts, showcasing remarkable engineering achievements. Yet, the official celebrations made little or no mention of the Indian workers whose labour and lives made the project possible.

Decades later, on 1 June 1930, the Deccan Queen began operating on this very route. The train became a symbol of luxury and efficiency, carrying British officials and wealthy passengers through the scenic hills of the Western Ghats.

The train was designed for ease and elegance, soft seats, dining cars, and refined service while the labourers who had cleared the path for it remained invisible in both memory and history. The British never seemed to notice the suffering behind the scenery they admired from the train's windows.

Today, as the Deccan Queen passes through verdant valleys, towering bridges, and dark tunnels, most travellers see only the natural beauty and engineering brilliance. Hidden beneath that beauty, however, lies a story of immense human toil and sacrifice. The railway stands not only as an engineering achievement but also as a reminder of the thousands of unnamed Indian labourers whose sweat, suffering, and, for many, lives made it possible.

rajeshsharma1049@gmail.com

Men and donkeys at the construction site.

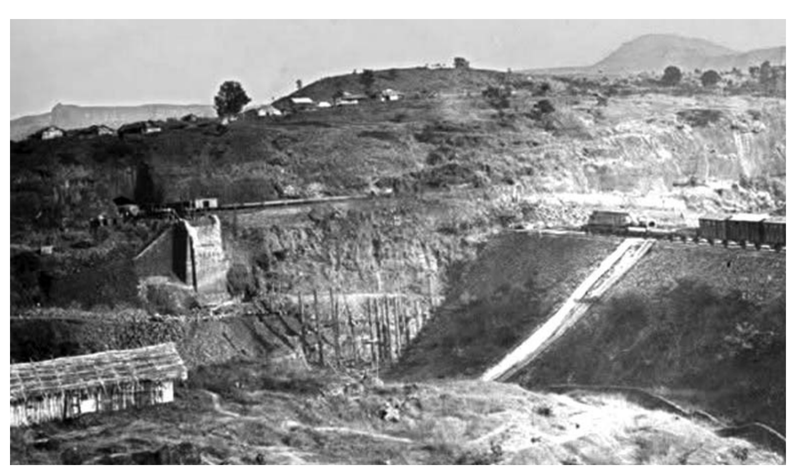
Bombay-Poona railway construction in the 1860s.

The Reversing-Station Viaduct Ghat Road.

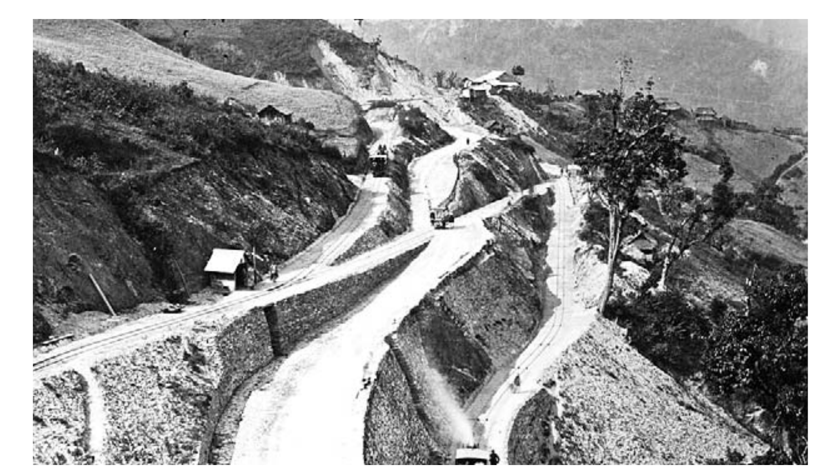
Railway track along a hill.

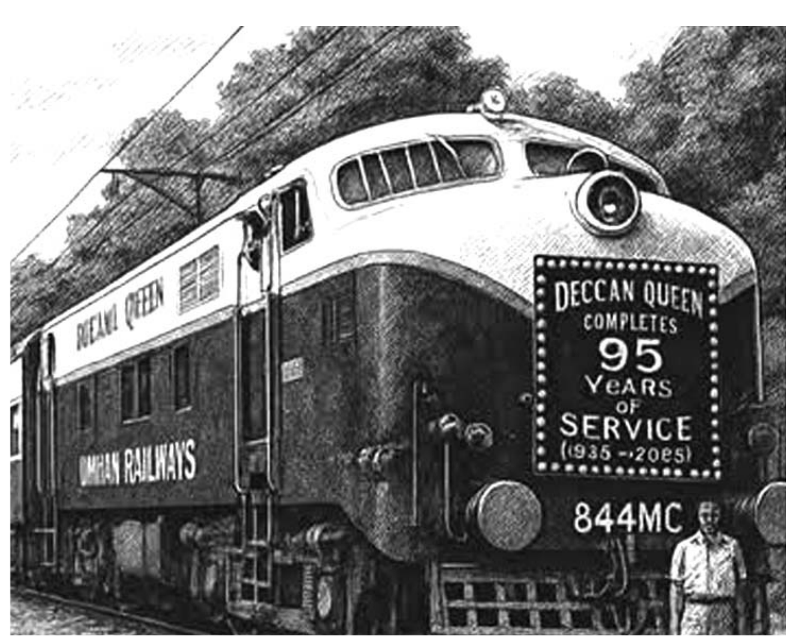

THE WALL

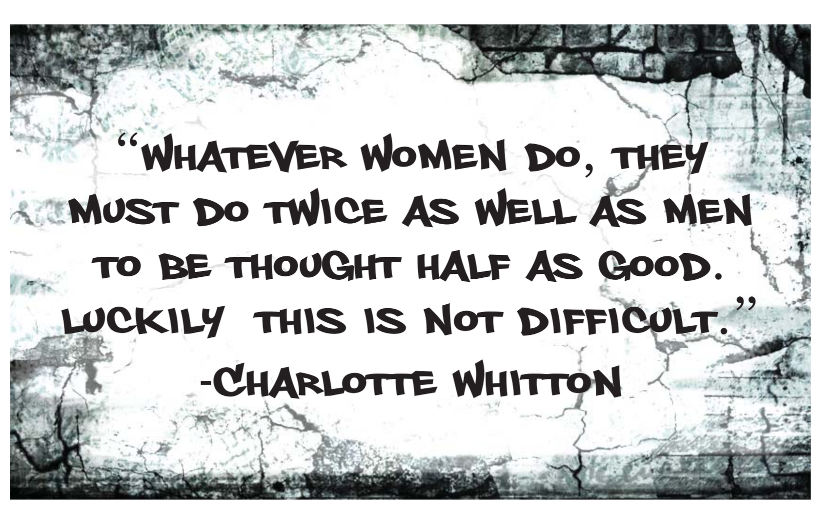

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

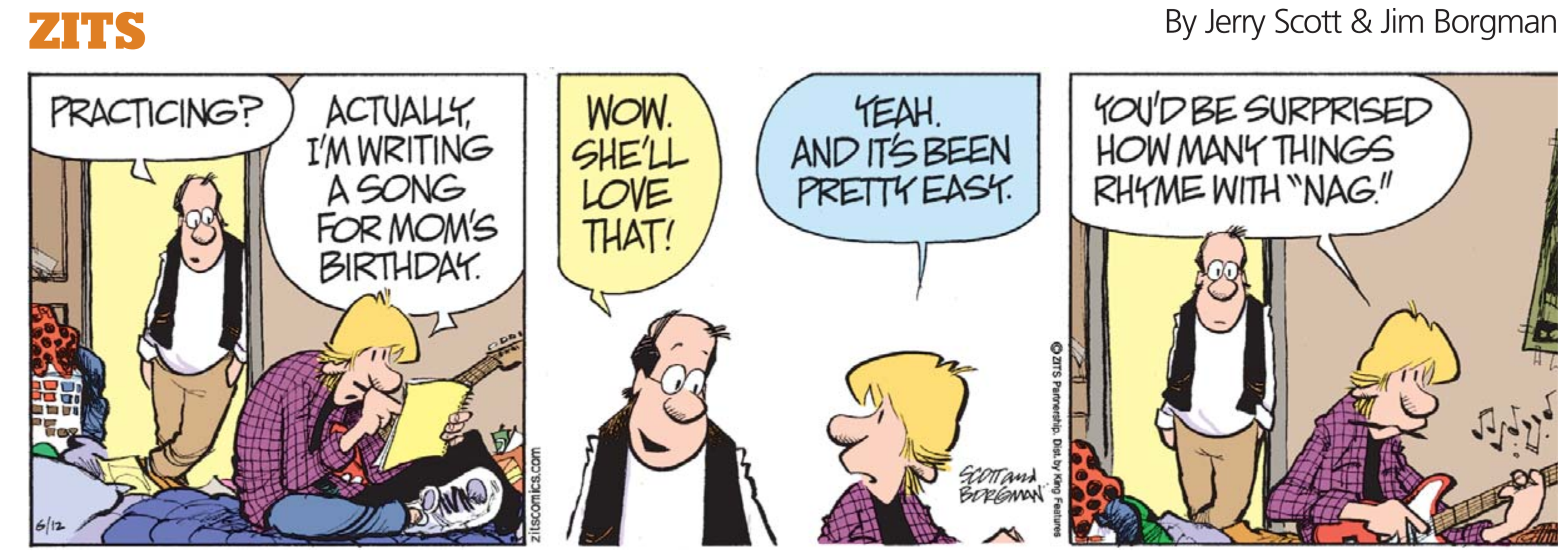

अजमेर में ज्वैलर्स के पास काम कर रहा कर्मचारी ही निकला जेवर चोरी का आरोपी

आरोपी ने जुआ-सट्टे में बड़ी रकम हारने के बाद जेवर चोरी की वारदात को अंजाम था

- कोटा से आरोपी को गिरफ्तार कर अजमेर लेकर आई पुलिस, पूछताछ जारी
- आरोपी करीब 18 वर्षों से ज्वैलर्स की दुकान पर काम कर रहा था

अजमेर, (निसं)। नया बाजार चौपड़ स्थित लखोटिया ज्वैलर्स की दुकान से सोने-चांदी के जेवरात चोरी कर फरार हुए आरोपी को कोतवाली थाना पुलिस ने कोटा से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की पहचान आदर्श नगर निवासी दिलीप चौरसिया के रूप में हुई है। आरोपी पिछले करीब 18 वर्षों से ज्वैलर्स की दुकान पर काम कर रहा था और दुकान की गतिविधियों से अच्छी तरह परिचित था। पुलिस आरोपी को कोटा से गिरफ्तार कर अजमेर लेकर आई, जहां उससे चोरी की वारदात और चोरी किए गए जेवरात के संबंध में पूछताछ की जा रही है।

कोतवाली थाना प्रभारी रामेश्वरी ने बताया कि ज्वैलर्स की दुकान से सोने और चांदी के आभूषण चोरी होने की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू की। पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अग्रवाला और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हिमांशु जांगिड के निर्देशन में विशेष पुलिस टीम का गठन किया गया। जांच के दौरान पुलिस ने दुकान में काम करने वाले कर्मचारियों और घटना से जुड़े लोगों के बारे में जानकारी जुटाई। जांच में आदर्श नगर निवासी दिलीप चौरसिया की भूमिका संदिग्ध सामने आई। वारदात के बाद से ही वह फरार था और पुलिस उसकी तलाश में जुटी हुई थी।

पुलिस जांच के दौरान सामने आया कि फरार होने से पहले दिलीप चौरसिया की आखिरी बातचीत झालावाड़ में रहने वाले उसके जीजा से हुई थी। इस जानकारी के आधार पर पुलिस टीम झालावाड़ पहुंची और उसके जीजा से पूछताछ की। पूछताछ में पुलिस को दिलीप के ठिकाने के संबंध में महत्वपूर्ण सुराग मिला। इसके बाद पुलिस टीम ने उसकी तलाश तेज करते हुए कोटा में दबिश दी। पुलिस ने दिलीप चौरसिया को कोटा से गिरफ्तार कर लिया और उसे अजमेर लेकर पहुंची। पुलिस अब आरोपी से चोरी किए गए सोने-चांदी के जेवरात तथा वारदात में उसकी भूमिका को लेकर विस्तृत पूछताछ कर रही है।

प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी ने पुलिस को बताया कि वह लंबे समय से जुआ और सट्टा खेलने का आदी है। सट्टे में उसके ऊपर बड़ी रकम हारने के बाद आर्थिक दबाव बढ़ गया था। इसी के चलते उसने लखोटिया ज्वैलर्स की दुकान से जेवरात चोरी करने की योजना बनाई। पुलिस के अनुसार आरोपी करीब 18 वर्षों से दुकान पर काम कर रहा था, इसलिए उसे दुकान की व्यवस्था और अन्य गतिविधियों की अच्छी जानकारी थी। इसी का फायदा उठाकर उसने कथित तौर पर चोरी की वारदात को अंजाम दिया और इसके बाद अजमेर से फरार हो गया। कोतवाली थाना पुलिस आरोपी से चोरी किए गए सोने और चांदी के जेवरात के संबंध में पूछताछ कर रही है। पुलिस यह भी पता लगाने में जुटी है कि चोरी का माल उसने कहां छिपाया या किसी अन्य व्यक्ति को सौंपा है या नहीं। साथ ही पुलिस आरोपी के जुआ-सट्टे से जुड़े संपर्कों और आर्थिक लेनदेन की भी जानकारी जुटा रही है।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पूछताछ पूरी होने के बाद चोरी गए जेवरात की बरामदगी और मामले से जुड़े अन्य तथ्यों का खुलासा किया जाएगा।

अपहरण एवं सामूहिक दुष्कर्म प्रकरण में सह अभियुक्त को जमानत

जोधपुर, (कासं)। सिणधरी थाना क्षेत्र के बहुचर्चित कथित जबरन वसूली, अपहरण एवं सामूहिक दुष्कर्म के प्रकरण में सह अभियुक्त अशोक कुमार उर्फ आसू को न्यायालय से जमानत मिल गई।

प्रकरण में पीड़िता की ओर से आरोप लगाया गया था कि उसे बहला-फुसलाकर घर से बाहर बुलाने के बाद अपहरण कर लिया गया तथा कई व्यक्तियों द्वारा अलग-अलग स्थानों पर ले जाकर उसके साथ कथित रूप से मारपीट, धमकी और सामूहिक दुष्कर्म किया गया। सेशन न्यायाधीश, बालोतरा ने उक्त प्रकरण में अभियुक्त अशोक की ओर से पैरवी कर रहे एडवोकेट मोहसिन खान की बहस के आधारों को सुनने के बाद जमानत पर रिहा किया। पुलिस रिपोर्ट के अनुसार परिवादिया ने आरोप लगाया कि आरोपी पक्ष द्वारा उसे दबाव में रखा गया तथा कुछ दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करवाकर कथित रूप से फर्जी साथ रहने संबंधी दस्तावेज तैयार करवाए गए। मामले में प्रकरण दर्ज किया गया था। प्राथमिकी में अशोक कुमार सहित कई व्यक्तियों को आरोपी बनाया गया था।

आरोपी अशोक कुमार पुत्र रामाजी की ओर से अधिवक्ता मोहसिन खान ने जमानत आवेदन पेश किया। उन्होंने न्यायालय के समक्ष मामले की पूरी पृष्ठभूमि रखते हुए पक्षकारों के बीच पूर्व विवाद, पूर्व न्यायिक कार्यवाही तथा क्रॉस केस के घटनाक्रम को प्रमुखता से रखा। बचाव पक्ष की ओर से राजस्थान उच्च न्यायालय में पूर्व में हुई कार्यवाही तथा आपराधिक रिट याचिका को पारित आदेश का भी न्यायालय के समक्ष उल्लेख किया गया। अधिवक्ता ने बताया कि अशोक कुमार के विरुद्ध पूर्व में कोई आपराधिक प्रकरण दर्ज या लंबित नहीं बताया गया है। साथ ही, मामले में एक सह अभियुक्त को पूर्व में जमानत का लाभ मिल चुका है।

बचाव पक्ष ने यह भी दलील दी कि मामले के अनुसंधान एवं विचारण में समय लगने की संभावना है। ऐसे में आरोपी को लगातार न्यायिक अभिरक्षा में रखना उचित नहीं होगा। अधिवक्ता मोहसिन खान ने पूर्व विवाद, क्रॉस केस, पूर्व न्यायिक कार्यवाही तथा आरोपी के पूर्व आपराधिक रिकॉर्ड के अभाव जैसे बिंदुओं को जमानत के महत्वपूर्ण आधार के रूप में प्रभावी ढंग से न्यायालय के समक्ष रखा। न्यायालय ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के साथ केस डायरी का अवलोकन किया। न्यायालय ने मामले की समग्र परिस्थितियों, पूर्व न्यायिक कार्यवाही, सह अभियुक्त को मिली जमानत तथा रिकॉर्ड पर उपलब्ध तथ्यों को ध्यान में रखते हुए अशोक कुमार को जमानत का लाभ देना उचित माना। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि जमानत के स्तर पर मामले के गुण-दोष पर कोई अंतिम राय व्यक्त नहीं की जा रही है। इन्हीं परिस्थितियों को देखते हुए न्यायालय ने आरोपी अशोक कुमार को जमानत प्रदान कर दी।

चूरू में अवैध हथियार सहित एक गिरफ्तार

चूरू, (कासं)। पुलिस थाना कोतवाली चूरू ने ऑपरेशन "क्लीन स्वीप" के तहत अवैध देशी कट्टा सहित एक मुल्जिम को गिरफ्तार किया है।

जिला पुलिस अधीक्षक निश्चय प्रसाद एम आईपीएस ने बताया कि गौरव खिड़िया थानाधिकारी पुलिस थाना कोतवाली चूरू द्वारा गठित स्पेशल टीम के साथ थाना क्षेत्र में गश्त करने हेतु रवाना होकर कस्बा चूरू में झरिया मोरी पहुंचे। वहां मुखबिर से इत्तला मिली कि कैलाश सैनी पुत्र मांगीलाल माली निवासी सरदारशहर जिसने पीले रंग की शर्ट पहन रखी है जो अपनी काले रंग की अपाची आरटीआर मोटरसाइकिल से गाजसर से गोयनका स्कूल की तरफ होता हुआ झरिया मोरी की तरफ आ रहा है, जिसने अपने पास एक अवैध देशी कट्टा छुपा रखा है जो बड़ी वारदात करने की फिराक में घूम रहा है।

जिस पर पुलिस द्वारा शीतला चौकी के सामने नाकाबन्दी शुरू की गई। उसी समय गोयनका स्कूल की तरफ से एक काले रंग की अपाची मोटरसाईकिल आती हुई दिखाई दी। जिसको पुलिस टीम ने रोककर नाम-पता पूछा तो उसने अपना नाम कैलाश सैनी पुत्र मांगीलाल निवासी वार्ड नम्बर 14 पीरजी की दरगाह के पास कस्बा सरदारशहर थाना सरदारशहर जिला चूरू होना बताया। जिसके कब्जा से एक देशी कट्टा मय घटना में प्रयुक्त वाहन मोटरसाइकिल बरामद किया। मुल्जिम से हथियार लाने व घटना के बारे में अनुसंधान जारी है।

मीरां महोत्सव परवान पर

मेड़ता सिटी, (निसं)। 522वां मीरा महोत्सव परवान पर है। भक्त शिरोमणि मीरांबाई और भगवान श्रीचारभुजा नाथ मंदिर में बड़ी तादात में भक्त आ रहे हैं। प्रतिदिन देश के जाने माने कलाकार भजनों की प्रस्तुति दे रहे हैं। शुक्रवार रात्रि को मीरां स्मारक प्रांगण में भजन संध्या का आयोजन हुआ, जिसमें प्रसिद्ध कलाकार अनीता जांगिड़, राकेश प्रजापत जोधपुर आदि ने भजनों की प्रस्तुति दी। इस दौरान महोत्सव समिति अध्यक्ष मुकेश जोशी सहित समिति के पदाधिकारियों ने मेड़ता विधायक लक्ष्मण राम कलरू, पतासी देवी कलरू, एडवोकेट लाखा राम मेहला, भजन दास जीनगर, रवि कमेडिया, छोटू राम गहलोत, कैलाश गौड़, विमला देवी मेहला, संतोष देवी कलरू आदि आए हुए अतिथियों का स्वागत किया गया।

लोहे की रॉड से किराना स्टोर का शटर तोड़कर चोरी

गंगापुर सिटी, (निसं)। स्थानीय शिवपुरी बी स्थित गोविंद किराना स्टोर में शुक्रवार रात चोरी हो गई। चोरों ने दुकान का शटर तोड़कर नकदी और हजारों का सामान चुरा लिया। घटना का पता शनिवार सुबह करीब छह बजे चला, जब सुबह घूमने निकले लोगों ने दुकान का शटर खुला देखा और दुकानदार को सूचित किया।

दुकानदार गोविंद के अनुसार उन्होंने शुक्रवार शाम को रोजाना की तरह दुकान बंद कर दी थी। चोरों ने पहले दुकान के बाहर स्थित मकान मालिक के गेट पर बाहर से कुंडी लगाई। इसके बाद, लोहे की रॉड का उपयोग कर दुकान का शटर ऊपर उठाया और ताला तोड़ दिया। चोर दुकान के गल्ले से लगभग 5 से 7 हजार रुपए नकद ले गए। इसके अतिरिक्त सिगरेट के पैकेट, ड्राईफ्रूट और खाने-पीने का अन्य सामान भी चुराया गया। दुकानदार ने बताया कि चोर दुकान में रखे आधार कार्ड, पैन कार्ड सहित अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेज भी अपने साथ ले गए। चोरी की इस वारदात के दौरान चोरों ने दुकान में तलाशी ली और सामान समेटा। सुबह जब लोगों ने दुकान खुली देखी तो उन्होंने दुकानदार को सूचित किया और बाहर लगे गेट की कुंडी भी खोली। दुकानदार ने बताया कि फिलहाल पुलिस को घटना की सूचना नहीं दी गई है। इस चोरी की वारदात से आसपास के दुकानदारों में भी चिंता का माहौल है।

अस्पताल के पास बाइक चोरी का प्रयास, वाहन चोर गिरफ्तार

- आरोपीं के कब्जे से दो बाइक और स्कूटी बरामद की
- आरोपित वाहन चोरी करने के बाद दूसरे स्थान पर छोड़ देता था

अजमेर, (कासं)। कोतवाली थाना पुलिस ने वाहन चोरी के मामले में कार्रवाई करते हुए एक वाहन चोर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपित के कब्जे से चोरी की गई दो बाइक और एक स्कूटी बरामद की है। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि आरोपित वाहन चोरी करने के बाद उन्हें एक स्थान से चोरी कर दूसरे स्थान पर छोड़ देता था। पुलिस अब आरोपित से पूछताछ कर उसके द्वारा की गई अन्य वाहन चोरी की वारदातों के संबंध में जानकारी जुटा रही है।

कोतवाली थाना प्रभारी रामेश्वरी ने बताया कि पुलिस टीम को सूचना मिली थी कि एक युवक जवाहरलाल नेहरू अस्पताल के आसपास संदिग्ध गतिविधियों में लिप्त है और वाहन चोरी का प्रयास कर रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर संदिग्ध युवक को पकड़ लिया। पूछताछ और जांच के दौरान उसके वाहन चोरी में शामिल होने की जानकारी सामने आई। पुलिस के अनुसार आरोपित वाहन चोरी करने के बाद उन्हें अपने पास नहीं रखता था, बल्कि एक स्थान से वाहन चोरी करने के बाद दूसरे स्थान पर छोड़ देता था। इस तरह वह पुलिस की नजर से बचने का प्रयास करता था। पुलिस ने जांच के दौरान आरोपित के कब्जे से दो बाइक और एक स्कूटी बरामद की है। पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर उससे पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि आरोपित ने अब तक शहर के किन-किन इलाकों से वाहन चोरी किए हैं और चोरी किए गए वाहनों को कहां-कहां छोड़ा। पूछताछ के दौरान वाहन चोरी की अन्य वारदातों का खुलासा होने की संभावना है। पुलिस बरामद वाहनों के संबंध में भी उनके मालिकों की जानकारी जुटा रही है।

सड़क हादसे में दो युवक घायल

हिंडौन सिटी, (निसं)। बयाना मार्ग पर धंधावली टोल प्लाजा के पास शनिवार दोपहर में दो बाइकों की आमने-सामने की भिड़ंत में दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। सूरौठ थाना के एएसआई नरेंद्र सिंह ने बताया कि उन्हें शनिवार दोपहर 3:15 बजे धंधावली टोल प्लाजा के पास बाइक भिड़ंत में दो लोगों के घायल होने की सूचना मिली थी। पुलिस ने सड़क पर घायल पड़े दोनों युवकों को जिला अस्पताल पहुंचाया। एएसआई ने बताया कि घायल युवकों की पहचान बयाना के भगोरी निवासी रोहित गुर्जर (20) और नवीन गुर्जर (21) के रूप में हुई है। डॉक्टर दर्शन सिंह गुर्जर ने जानकारी दी कि दोनों को गंभीर चोटें आई है।

कोटा में 12 लाख का डोडा-चूरा बरामद, जोधपुर निवासी युवक गिरफ्त में

- जिला स्पेशल टीम व सुल्तानपुर पुलिस टीम ने कार से 47 किलो डोडा-चूरा बरामद किया

कोटा, (निसं)। अवैध मादक पदार्थ की तस्करी व तस्करों की धरपकड़ के लिये ग्रामीण पुलिस की ओर से चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत जिला स्पेशल टीम व सुल्तानपुर पुलिस टीम ने संयुक्त रूप से नाकाबंदी के दौरान कार्रवाई करते हुए एक कार से अवैध मादक पदार्थ 47 किलो 74 ग्राम डोडा-चूरा बरामद किया। पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि अवैध मादक पदार्थ की तस्करी पर कार्रवाई के लिये विशेष अभियान ऑपरेशन रूट क्लियरेंस चलाया जा रहा है। ग्रामीण एसपी ने बताया कि सुल्तानपुर क्षेत्र के भौंरा रोड पर जिला स्पेशल टीम के पुलिस निरीक्षक सुरेन्द्र कुमार राणा व सुल्तानपुरा थानाधिकारी दौलत साहु के नेतृत्व मे टीम ने संयुक्त रूप से नाकाबंदी कर वाहनों की जांच की। पुलिस नाकाबंदी के दौरान भौंरा रोड की तरफ से एक कार तेज गति से आती हुई दिखाई दी, पुलिस नाकाबंदी को देखकर कार चालक ने कार को मेन रोड साईड से अमरपुरा के माल की तरफ कच्चे रास्ते में घुमाकर ले गया। ग्रामीण एसपी ने बताया कि कार चालक पर संदेह होने पर पुलिस टीम ने आगे जाकर घेराव कर कार को रूकवाया और कार चालक द्वारा संतोषप्रद जबाव नहीं देने पर कार चालक को डिटेन कर कार की तलाशी ली तो तलाशी के दौरान कार के पीछे की सीट पर काले कट्टे में 47 किलो 74 ग्राम डोडा-चूरा बरामद किया। ग्रामीण एसपी ने बताया कि पुलिस टीम द्वारा बरामद अवैध मादक पदार्थ की कीमत करीब 12 लाख 16 हजार रूपये बताई गई है। पुलिस टीम ने माल व कार को जप्त कर एनडीपीएस एक्ट में कार्रवाई करते हुए जिला जोधपुर के थाना डांगियावास निवासी नरेश विश्नोई (28) को गिरफ्तार किया, पकड़े गये आरोपी से अनुसंधान जारी है।

नीमकाथाना के स्यालोदड़ा में एक माह में सिलिकोसिस से तीसरी मौत

- ग्रामीणों ने क्षेत्र में संचालित खनन और क्रशर गतिविधियों से उड़ने वाली धूल एवं प्रदूषण पर सवाल उठाए
- ग्रामीणों ने खनन-क्रशर गतिविधियों की निष्पक्ष जांच, प्रदूषण की वैज्ञानिक जांच और प्रभावित गांवों में व्यापक स्वास्थ्य सर्वे कराने की मांग की

पाटन, (निसं)। नीमकाथाना क्षेत्र के स्यालोदड़ा में सिलिकोसिस से लगातार हो रही मौतों ने ग्रामीणों की चिंता बढ़ा दी है। शनिवार को 31 वर्षीय मंजीत की सिलिकोसिस से मौत हो गई। एक महीने में यह क्षेत्र में सिलिकोसिस से तीसरी मौत बताई जा रही है। मंजीत अपने पीछे पत्नी मुनेश (26), बेटी जीविता (12) और पुत्र दीपांशु (9) को छोड़ गए हैं। इससे परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

जानकारी के अनुसार इससे पहले स्यालोदड़ा निवासी 38 वर्षीय मनोज धानका और बुजियाला निवासी 45 वर्षीय पूरण गुर्जर की भी सिलिकोसिस से मौत हो चुकी है। लगातार मौतों के बाद ग्रामीणों ने क्षेत्र में संचालित खनन और क्रशर गतिविधियों से उड़ने वाली धूल एवं प्रदूषण पर सवाल उठाए हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि प्रदूषण के कारण लोगों के स्वास्थ्य पर गंभीर असर पड़ रहा है। ग्रामीणों ने खनन-क्रशर गतिविधियों की निष्पक्ष जांच, प्रदूषण की वैज्ञानिक जांच और प्रभावित गांवों में व्यापक स्वास्थ्य सर्वे कराने की मांग की है। साथ ही सिलिकोसिस प्रभावित परिवारों को नियमानुसार राहत एवं सहायता उपलब्ध कराने की मांग भी उठाई है।

विचाराधीन बंदी रूपाराम की मौत के मामले में मुआवजा देने के आदेश

- हाईकोर्ट ने मौत को प्रथमदृष्टया न तो प्राकृतिक माना और न आत्महत्या
- कोर्ट ने राज्य सरकार को रूपाराम के परिवार को 25 लाख रुपए मुआवजा देने के निर्देश दिए

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने सेंट्रल जेल जोधपुर में न्यायिक हिरासत के दौरान विचाराधीन बंदी रूपाराम की मौत के मामले में राज्य सरकार को उसके परिवार को 25 लाख रुपए मुआवजा देने के निर्देश दिए हैं। कोर्ट ने मौत को प्रथमदृष्टया न तो प्राकृतिक माना और न आत्महत्या। साथ ही पुलिस महानिदेशक को 48 घंटे में एफआइआर दर्ज करने और जांच राजस्थान पुलिस सेवा के अधिकारी से कम रैंक के अधिकारी को नहीं सौंपने के निर्देश दिए हैं।

न्यायाधीश फरजंद अली की एकल पीठ ने कहा कि रूपाराम की मौत जेल प्रशासन और राज्य के नियंत्रण में हुई, इसलिए प्रशासन अपनी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष जिम्मेदारी से बच नहीं सकता। हत्या हुई या नहीं और किसी की आपराधिक जिम्मेदारी बनती है या नहीं, इसका फैसला निष्पक्ष व स्वतंत्र जांच के बाद होगा। राजस्थान हाईकोर्ट ने कहा कि न्यायिक जांच उपयोगी सामग्री उपलब्ध करा सकती है, लेकिन आपराधिक जांच का स्थान नहीं ले सकती। खासकर तब, जब घटना से जुड़ी अधिकांश सामग्री उन्हीं राज्य अधिकारियों से संबंधित हो, जिनके आचरण की जांच होनी है। ऐसे में निष्पक्ष, प्रभावी और स्वतंत्र जांच जरूरी है। पीठ ने सभी निर्देशों की अनुपालना रिपोर्ट 60 दिन में पेश करने को कहा है।

जानकारी के अनुसार रूपाराम की 2 जुलाई 2025 को मौत हुई थी। पोस्टमार्टम में शरीर पर छह चोटें मिलीं। इनमें सिर पर पांच और हाथ पर एक चोट थी। दो चोटें धारदार और अन्य कुंद वस्तु से लगी थीं। कोर्ट ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर कहा कि हालत गंभीर होने के बावजूद करीब आधे घंटे तक कोई नर्स, कंपाउंडर, चिकित्सक या जेल अधिकारी उसके पास नहीं पहुंचा। साथी कैदी ही उसे बचाने का प्रयास करते रहे। कोर्ट ने कहा कि समय पर पर्याप्त चिकित्सा मिलने पर उसकी जान बचने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। हाईकोर्ट ने जेलों में 24 घंटे चिकित्सा सुविधा, पर्याप्त सीसीटीवी, शौचालय और पेयजल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। डिस्पेंसरी में जीवनरक्षक दवाएं, जरूरी उपकरण और ईसीजी जैसी सुविधाएं रखने तथा समर्पित चिकित्सा कर्मियों की तैनाती पर निर्णय लेने को कहा है। मामले की अनुपालना रिपोर्ट 60 दिन में पेश करनी होगी। मामला 30 अक्टूबर 2026 को फिर सूचीबद्ध किया गया है।

डिग्गी मेले में बिछड़े मासूमों को परिजनों से मिलवाया

टोंक, (निसं)। डिग्गी कल्याण मेले में दर्शन करने के लिए देशभर से श्रद्धालु आ रहे हैं, इसी बीच कस्बा डिग्गी में लक्खी मेले में भारी भीड़ के बीच परिजनों से मासूम बच्चियां बिछड़ गई, लेकिन पुलिस की मुस्तैदी से उन्हें परिजनों से मिलवाया गया।

कल्याण मंदिर से कंट्रोल रूम के बीच एक बच्ची अपने परिजनों से बिछड़ी हुई मिली, करीब 3-4 साल की बच्ची के परिजनों की तलाश के लिए पुलिस ने सीसीटीवी कैमरों की फुटेज और वीडियो खंगाले। जानकारी मिलते ही पुलिस टीम ने तलाश कर बच्ची को परिजनों को सुरक्षित उनके सुपुर्द कर दिया। भीड़ में एक अन्य छोटी बच्ची भी परिवार से बिछड़ गई। बच्ची को रोते देख डिग्गी थाने के सूचना अधिकारी गिरिराज ने उसे अपने पास लिया और शांत कराया। इसके बाद काफी देर तक बच्ची को सुरक्षित रखते हुए उसके परिजनों की तलाश की गई। लगातार प्रयासों के बाद बच्ची को उसके माता-पिता से मिलवाकर सुरक्षित उनके सुपुर्द कर दिया गया।

108 एंबुलेंस में महिला ने बच्चे को जन्म दिया

टोंक, (निसं)। 108 एंबुलेंस के पायलट और ईएमटी ने शनिवार को प्रसूता को प्रसव पीड़ा ज्यादा होने के बाद एंबुलेंस को रोड किनारे खड़ी करके सुरक्षित नॉर्मल डिलीवरी करवाई, जिसके बाद महिला ने लड़के को जन्म दिया है, मां और बच्चा दोनों सुरक्षित है, जिन्हें निवाई के सरकारी हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। इसके बाद परिजनों और एंबुलेंसकर्मियों ने राहत की सांस ली।

प्राप्त जानकारी के अनुसार निवाई तहसील क्षेत्र की ग्राम पंचायत गुंसी के अजीतपुरा की ढाणी निवासी मनीषा बैरवा (22) पत्नी विपिन बैरवा को शनिवार सुबह जब प्रसव पीड़ा हुई तो इसके लिए परिजनों ने 108 एंबुलेंस को कॉल किया। जहां सूचना पर 108 स्टाफ ईएमटी अखिलेश और पायलट रामसहाय गुर्जर एंबुलेंस लेकर अजीतपुरा की ढाणी पहुचे तथा मनीषा बैरवा को अपनी सूझ बूझ दिखाते हुए एम्बुलेंस में शिफ्ट करवाकर निवाई के लिए रवाना हुए। इस दौरान बीच रास्ते में मूंडिया गांव के पास प्रसव पीड़ा बढ़ गई। इस पर 108 स्टाफ अखिलेश और रामसहाय गुर्जर ने एंबुलेंस को रोड किनारे खड़ी कर सुरक्षित नॉर्मल डिलीवरी करवा गई।

बजरी से भरा डंपर जब्त

मसूदा, (निसं)। मसूदा थाना पुलिस ने रात्रि गश्त के दौरान देवमाली मार्ग पर बजरी से भरे एक डंपर को पकड़कर खनन विभाग के सुपुर्द किया। डंपर चालक के पास बजरी परिवहन से संबंधित आवश्यक दस्तावेज और रवाना पर्ची नहीं मिलने पर पुलिस ने वाहन को जब्त कर थाने में खड़ा करवाया। बाद में खनन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की और कार्रवाई करते हुए करीब चार लाख रुपए का जुर्माना लगाया।

कछुआ दिखाकर ठगी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश, तीन गिरफ्तार

शाहपुरा थाना पुलिस ने कछुआ दिखाकर ठगी करने वाले गिरोह को पकड़ा।

- शाहपुरा पुलिस ने 99 हजार नकद और क्रेटा कार जब्त की
- आरोपियों ने कानोता व लालसोट में भी ठगी की वारदातें करना कबूल की

पावटा, (निसं)। कछुआ दिखाकर लोगों को सस्ते दाम में खरीदकर महंगे दाम में बेचने का लालच देकर ठगी करने वाले गिरोह के खिलाफ शाहपुरा थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 99 हजार रुपए की संदिग्ध नकदी बरामद करने के साथ ही एक क्रेटा कार भी जब्त की है। पूछताछ में आरोपियों ने कानोता और लालसोट थाना क्षेत्रों में भी इसी तरीके से ठगी की वारदातें करना स्वीकार किया है।

पुलिस के अनुसार 20 अगस्त को मुखबिर से सूचना मिली कि क्रेटा कार में तीन युवक अलवर तिराहे के पास बैठे हैं और उनके पास बड़ी मात्रा में रुपए हैं। सूचना थी कि आरोपी कछुआ बेचने का बहाना बनाकर लोगों को ठगी का शिकार बनाते हैं तथा नकली कछुआ दिखाकर रुपए हड़प लेते हैं। सूचना पर शाहपुरा थाना पुलिस टीम अलवर तिराहे पहुंची, जहां मुखबिर द्वारा बताए नंबर की क्रेटा कार खड़ी मिली। कार में तीन युवक बैठे थे। पुलिस ने उन्हें डिटेन कर पूछताछ की तो उनकी पहचान करण बावरिया (26), दिनेश कुमार मीणा उर्फ दीपू (30) और महावीर सिंह मीणा (27) के रूप में हुई। पुलिस ने वाहन की तलाशी ली तो उसकी पिछली डिग्गी में काले रंग का बैग मिला। बैग की तलाशी लेने पर उसमें 99 हजार रुपए मिले। नकदी के संबंध में आरोपी कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सके। गहन पूछताछ में आरोपियों ने कथित तौर पर बताया कि वे वीडियो कॉल के माध्यम से लोगों को कछुआ और नोटों से भरा बैग दिखाकर ठगी करते हैं। पुलिस के मुताबिक आरोपी लोगों को कछुआ दिखाकर उसे सस्ते दामों में खरीदने और ऊंचे दामों में बेचकर मोटा मुनाफा कमाने का लालच देते थे। लालच में आने वाले लोगों से रुपए लेने के बाद आरोपी मौके से फरार हो जाते थे। पुलिस अब आरोपियों से पूछताछ कर इस गिरोह से जुड़ी अन्य वारदातों एवं संभावित साथियों के बारे में जानकारी जुटा रही है। पुलिस आरोपियों से कछुआ दिखाकर की गई अन्य ठगी की वारदातों के संबंध में गहनता से पूछताछ कर रही है।

सादुलपुर के गांव ददरेवा में प्याऊ लगाने को लेकर दो पक्षों में मारपीट

सादुलपुर, (निसं)। गांव ददरेवा में सार्वजनिक प्याऊ लगाने को लेकर दो पक्षों के बीच मारपीट के आरोप में पुलिस ने परस्पर मामला दर्ज किया है।

राजगढ़ थाना अधिकारी राजेश सिहाग ने बताया कि मोनू पुत्री ओमप्रकाश वालिया ने मामला दर्ज करवाकर बताया कि उनके घर के सामने खाली जमीन पर पहले से सार्वजनिक प्याऊ लगी हुई है। आरोप है कि 20 अगस्त की रात अमित रुलानिया सहित कुछ लोग उनके घर आए और वहां लगी प्याऊ हटाकर बड़ी सार्वजनिक प्याऊ लगाने की बात कहकर चले गए। 21 अगस्त को करीब 11:20 बजे अमित, ईश्वर, अनीश रुलानिया, रवि जाट, रणवीर, सतपाल, रामनिवास सहित अन्य लोग प्याऊ के पास पहुंचे। मोनू ने आरोप लगाया कि इस दौरान उसके साथ गाली-गलौच और मारपीट की गई तथा अभद्र व्यवहार किया गया। आरोप लगाया गया कि शोर सुनकर महिला का भाई संदीप मौके पर पहुंचा तो उसके साथ भी मारपीट की गई। महिला ने घटना की वीडियो रिकॉर्डिंग होने की बात पुलिस को बताई है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार महिला के सिर और माथे में दर्द की शिकायत पर उसका चिकित्सकीय परीक्षण करवाया गया।

इसी क्रम में राजगढ़ थाना अधिकारी राजेश सिहाग ने बताया कि दूसरे पक्ष के मुकेश पुत्र सुभाषचंद्र ने मामला दर्ज करवाकर बताया कि हर वर्ष गोगाजी महाराज के लक्खी मेले में यात्रियों के लिए प्याऊ लगाई जाती है। दर्ज मामले में बताया कि उनके संगठन की ओर से ग्राम पंचायत से 19 अगस्त को गणगौर चौक में प्याऊ लगाने की अनुमति ली गई थी और संगठन के सदस्य इसकी तैयारी कर रहे थे। इसी दौरान मोनू, संदीप, पवन, दीपक, विकास, ज्योति, किरण और जोनी सहित अन्य लोग मौके पर पहुंचे और प्याऊ लगाने की तैयारी कर रहे युवाओं के साथ मारपीट की तथा मुकेश पर हमला करने तथा उसके बाद दोनों पक्षों के बीच मारपीट होने का आरोप लगाया गया है तथा बताया कि पहले पक्ष के लोगों ने युवाओं को प्याऊ लगाने पर झूठा मुकदमा दर्ज करवाने की धमकी दी गई। मुकेश ने दर्ज मामले में कुछ लोगों पर अवैध नशे के कारोबार का आरोप लगाते हुए दावा किया कि संगठन द्वारा इसका विरोध किए जाने के कारण उन्हें झूठे मुकदमों में फंसाने की धमकी दी जाती है। राजगढ़ थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

56 प्लॉटों के सौदों में 1.11 करोड़ की ठगी, 17 लोगों पर एफआईआर दर्ज

10.96 करोड़ में तय हुआ था सौदा, एग्रीमेंट रद्द करने का आरोप लगाया

- मामला बड़ौदामेव क्षेत्र की करीब 7.36 हेक्टेयर कृषि भूमि से जुड़ा है

अलवर, (निसं)। अलवर के वैशाली नगर थाना पुलिस ने 56 प्लॉटों के सौदों में 1.17 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी के मामले में 17 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। यह मामला बड़ौदामेव क्षेत्र की करीब 7.36 हेक्टेयर कृषि भूमि से जुड़ा है। मामले में पीड़ित ने कोर्ट के जरिए थाने में शिकायत दर्ज कराई है।

कामां के किरावता निवासी नेमीचंद शर्मा ने इस मामले में शिकायत दर्ज कराई है। रिपोर्ट के अनुसार साहिल शर्मा और हरीश सैनी ने पीड़ित नेमीचंद शर्मा और उसके साथियों से संपर्क कर बड़ौदामेव की कृषि भूमि पर प्लॉटिंग करने की बात कही। आरोपियों ने जमीन को विवाद और किसी भी तरह के लोन से मुक्त बताते हुए प्लॉटों का सौदा किया। पीड़ित के अनुसार, कुल 56 प्लॉट 8400.76 वर्गगज क्षेत्रफल का सौदा 13,050 रुपए प्रति वर्गगज की दर से कुल 10 करोड़ 96 लाख 29 हजार 918 रुपए में तय हुआ था। आरोप है कि साहिल और हरीश सैनी ने सौदे के समय साई के तौर पर 1 करोड़ 11 लाख रुपए लिए थे। इसमें 69 लाख 90 हजार 500 रुपए नकद और 41 लाख 9 हजार 500 रुपए अन्य माध्यम से आरोपियों को दिए गए। इसके बाद आरोपियों की ओर से 5 फरवरी 2025 को सूर्यनगर स्थित अधिवक्ता एवं नोटरी चंद्रशेखर के यहां एग्रीमेंट करवाया गया। एग्रीमेंट के अनुसार बाकी 9 करोड़ 85 लाख 29 हजार 918 रुपए लेकर 5 मार्च 2027 तक 56 प्लॉटों के रजिस्ट्री कराने की बात तय हुई थी। साथ ही जमीन का कनवर्जन, 30 और 25 फीट चौड़े रास्ते, डामर व ग्रेवल रोड, बाउंड्रीवाल, पार्क, मंदिर, सीवर लाइन, पानी की लाइन और रोड लाइट सहित विकास कार्य कराने की जिम्मेदारी भी आरोपियों की ओर से करना तय था।

पीड़ित का आरोप है कि 15 अप्रैल 2025 से विकास कार्य शुरू नहीं हुए और बार-बार कहने के बावजूद आरोपी टालमटोल करते रहे। जानकारी करने पर पता चला कि साहिल शर्मा और हरीश सैनी के पक्ष में मूल खातेदारों द्वारा कराया गया एग्रीमेंट नवंबर 2025 में ही रद्द हो चुका था। इसके बाद भी आरोपियों ने धोखे से 56 प्लॉटों की 1.11 करोड़ रुपए साई ली। पीड़ित नेमीचंद शर्मा ने आरोप लगाया कि आरोपियों ने आपसी मिलीभगत और आपराधिक षड्यंत्र के तहत फर्जी व कूटरचित इकरारनामा तैयार कर रकम हड़प ली। परिवादी ने आरोपी साहिल शर्मा निवासी भूगोर, हरीश सैनी निवासी करोली कुंड, अनील कुमार, पूरनमल, शांति, मोहन लाल वीधा देवी, नितिनदीप, प्रियंका कुमावात, वीनीता देवी, सचिन कुमावात, श्रवण लाल, कामला देवी, रमेश, गिरधर, रूपसिंह, भज्जी यानि 17 लोगों पर धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज कराया है, इनमें अधिकतर आरोपी बड़ौदामेव के निवासी हैं।

जोधपुर में डीएसटी टीम की गाड़ी को बदमाशों ने टक्कर मारी

- हादसे में एक कॉन्स्टेबल का हाथ फ्रैक्चर हुआ, जबकि तीन पुलिसकर्मियों को चोट आई
- जोधपुर के करवड़ थाना क्षेत्र में बदमाशों को पकड़ने गई थी डीएसटी टीम, मामला दर्ज

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर के करवड़ थाना क्षेत्र में बदमाशों को पकड़ने गई डीएसटी टीम की गाड़ी को बदमाशों ने टक्कर मार दी। हादसे में एक कॉन्स्टेबल का हाथ फ्रैक्चर हो गया, जबकि 3 पुलिसकर्मियों को चोट आई है। मामले में डीएसटी टीम प्रभारी एएसआई श्रवण कुमार ने आरोपियों के खिलाफ शुक्रवार रात मुकदमा दर्ज कराया है। मामले में पुलिस ने 3 आरोपियों को डिटेन कर लिया, जबकि 3 अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है। घटना शुक्रवार दोपहर करीब दो बजे की बताई जा रही है।

जानकारी के अनुसार, ओसियां थाने से सूचना मिली थी कि कुछ आरोपी ओसियां-भवाद फाटक पर बोलेरो लेकर खड़े हैं। इसकी जानकारी मिलते ही टीम ओसियां-भवाद फाटक पर पहुंची। यहां टीम को देख बदमाशों ने गाड़ी भगाना शुरू कर दिया। जब डीएसटी टीम ने बदमाशों का पीछा किया तो आरोपियों ने बचने के लिए डीएसटी की गाड़ी को टक्कर मार दी।

टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों वाहनों के टायर बस्ट हो गए। इसके बावजूद पुलिस ने पीछा जारी रखा। इसके बाद बदमाश गाड़ी छोड़कर खेतों में भाग गए थे। इस हादसे में कॉन्स्टेबल वीरेंद्र के हाथ में फ्रैक्चर हुआ। वहीं एएसआई श्रवण कुमार, हरेंद्र और मदनलाल को भी चोटें आई हैं।

डीएसटी टीम के श्रवण कुमार ने बताया कि 10 दिन पहले इन बदमाशों ने ओसियां थाने में एक दुकान का शटर तोड़ वहां से कॉपर की केबल चोरी की थी और इसे जोधपुर में किसी को बेच दिया था। इधर, इस मामले को लेकर एएसआई श्रवण कुमार ने जयपाल सिंह समेत 6 बदमाशों के खिलाफ करवड़ थाने में जान से मारने की नियम से हमला करने और राजकार्य में बाधा का मुकदमा दर्ज करवाया है। तीन आरोपियों में जयपाल सिंह, महिपाल दान और महेश को हिरासत में लेकर पुलिस ने पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक, आरोपियों में से एक वांटेड था। बदमाश कॉपर तार चोरी के मामले में वांछित थे।

जोधपुर में अलग-अलग हादसों में दो की मौत

जोधपुर, (कासं)। शहर के बेरू क्षेत्र में निर्माणाधीन भवन पर कार्य करते एक श्रमिक अडान से नीचे गिर गया। अस्पताल ले जाने के बाद उपचार के बीच उसकी मौत हो गई। घटना में मृतक के भाई की तरफ से राजीव गांधी नगर थाने में मर्ग की रिपोर्ट दी गई। शव को कार्रवाई के बाद परिजन के सुपुर्द कर दिया गया। राजीव गांधी नगर पुलिस ने बताया कि कालीबेरी, सूरसागर निवासी विक्रम सांखला पुत्र नरसिंह की तरफ से मर्ग में रिपोर्ट दी गई। इसमें बताया कि उसका भाई 48 वर्षीय पृथ्वीसिंह सांखला बेरू स्थित शिव सारणों की ढाणी में निर्माणाधीन भवन पर कार्य करते समय अडान से नीचे गिर गया। गंभीर रूप से घायल उसके भाई को अस्पताल में भर्ती कराया गया, मगर बाद में उसकी मौत हो गई।

वहीं शहर के पाल रोड स्थित एक मिठाई की दुकान में कंदोई गर्म चासनी में गिर गया। इससे वह बुरी तरह से झुलस गया। गंभीर हालत में उसे एमजीएच में भर्ती कराया गया, मगर अब उसकी मौत हो गई।

बोरानाडा पुलिस ने बताया कि सोलंकियां तला बालेसर शेरगढ़ निवासी बाबूराम पुत्र तेजाराम प्रजापत की तरफ से रिपोर्ट दी गई। इसमें बताया कि उसका चचेरा भाई सोलंकियां तला बालेसर निवासी पेमाराम पुत्र अम्मारामं यहां पाल रोड स्थित एक मिठाई की दुकान में काम करता था। वह 13 अगस्त को चक्कर आने पर गर्म चासनी कड़ाई में गिर गया। इससे वह झुलस गया और उसे एमजीएच में भर्ती कराया गया, मगर अब उसकी मौत हो गई। बोरानाडा पुलिस ने शव को कार्रवाई के बाद परिजन के सुपुर्द किया। अग्रिम जांच की जा रही है।

राजसमंद के केलवा में केबल चोर गिरोह का खुलासा, एक आरोपी को पकड़ा

- 200 से अधिक सीसीटीवी फुटेज खंगालकर पुलिस आरोपी तक पहुंची
- आरोपी ने साथी के साथ मिलकर अलग-अलग क्षेत्रों में वारदातें स्वीकार की

राजसमंद, (निसं)। केलवा थाना क्षेत्र में लगातार हो रही केबल चोरी की वारदातों को गंभीरता से लेते हुए राजसमंद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस की पूछताछ में आरोपी ने अपने साथी के साथ मिलकर केलवा सर्कल के अलग-अलग क्षेत्रों में केबल, बिजली की डीपी से तांबा एवं विद्युत केबल चोरी सहित कई वारदातों को अंजाम देना स्वीकार किया है। पुलिस अब आरोपी से गहन पूछताछ कर चोरी की अन्य घटनाओं और फरार साथी के बारे में जानकारी जुटा रही है।

पुलिस के अनुसार केलवा क्षेत्र में लगातार हो रही चोरियों को देखते हुए विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने चोरी वाले स्थानों और आरोपियों के संभावित आवागमन वाले मार्गों पर लगे 200 से अधिक सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले। तकनीकी एवं मुखबिर तंत्र की मदद से संदिग्धों की पहचान कर उनकी तलाश शुरू की गई। इसी दौरान मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने रोशनलाल पुत्र मोहनलाल भील निवासी तलवा मादड़ी, थाना केलवा को संदिग्ध अवस्था में पकड़ा। पूछताछ में उसने थाना केलवा में दर्ज प्रकरण की वारदात अपने साथी छगन पुत्र लालूराम, निवासी तलवा मादड़ी के साथ मिलकर करना स्वीकार किया। पुलिस ने रोशनलाल को गिरफ्तार कर लिया, जबकि छगन फरार बताया गया है। पूछताछ में आरोपी ने अंबामाता से देवपुरा साइड कट क्षेत्र में केबल चोरी, आत्मा कुआरिया माइंस से बिजली की डीपी तोड़कर तांबा चोरी, तासोल रोड खटामला के पास बंद पड़ी माइंस से डीपी व तांबा चोरी, झांझर माइंस के अंदर से विद्युत डीपी व तांबा चोरी तथा निझरना रोड से बिजली की डीपी का तांबा चोरी करना स्वीकार किया है। इसके अलावा अंबामाता के पास कटर से भंगार चोरी, सियाणा के पास डीपी तोड़कर तांबा चोरी, दुर्गाकुंड के पास विद्युत केबल चोरी, झांझर माइंस से तांबे की केबल चोरी, तासोल रोड पर कटर से तांबे की केबल चोरी, सियाणा-जेतपुरा रोड पर कटर से केबल चोरी, दोवलाई रोड और आखरिया के पास कटर से केबल चोरी तथा मनका मार्बल माइंस से विद्युत तांबे की केबल चोरी की वारदातें भी कबूल की गई हैं।

पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार गिरफ्तार आरोपी रोशनलाल के खिलाफ पूर्व में भी चोरी, विद्युत अधिनियम सहित अन्य धाराओं में एक दर्जन से अधिक प्रकरण दर्ज हैं। उसके खिलाफ वर्ष 2019 से 2025 तक केलवा सहित अन्य थानों में चोरी और अन्य अपराधों के मामले दर्ज बताए गए हैं। इनमें कुछ प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन हैं। पुलिस का कहना है कि आरोपी से पूछताछ जारी है। पूछताछ में सामने आए तथ्यों के आधार पर चोरी की अन्य वारदातों का खुलासा होने तथा चोरी के माल की बरामदगी की संभावना है। साथ ही पुलिस फरार आरोपी छगन की तलाश में जुटी हुई है।

भीलवाड़ा में 1.42 करोड़ का डोडा-पोस्त व अफीम जब्त

- दो कारों में 753.55 किग्रा डोडा-पोस्त और 6.42 किग्रा अफीम मिली

भीलवाड़ा, (निसं)। आदर्श आचार संहिता के चलते नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे सघन चेकिंग अभियान के तहत डीएसटी भीलवाड़ा और पुलिस थाना फूलियां कलां ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए तस्करों के बड़े नेटवर्क को ध्वस्त किया है। पुलिस ने दो लग्जरी कारों से 1 करोड़ 42 लाख रुपये मूल्य का 753.55 किलोग्राम अवैध डोडा-पोस्त और 6.42 किलोग्राम अवैध अफीम बरामद की है।

जानकारी के अनुसार, 20 अगस्त को डीएसटी के हैड कांस्टेबल कालूराम धायल को गोपनीय मुखबिर से सूचना मिली कि शाहपुरा की ओर से दो लग्जरी गाड़ियों में बदमाश प्रवृत्ति के लोग तेज रफ्तार में गुलाबपुरा की तरफ आ रहे हैं। सूचना पर डीएसटी प्रभारी कन्हैयालाल और फूलियां कलां थानाधिकारी दिनेश कुमार के नेतृत्व में टीम ने ग्राम कोठिया के पास नाकाबंदी शुरू की। नाकाबंदी के दौरान शाहपुरा की तरफ से आ रही एक स्कॉर्पियो और क्रेटा कार ने पुलिस का इशारा अनदेखा कर नाकाबंदी तोड़ दी और गुलाबपुरा की तरफ भाग निकले। इस पर आगे तैनात डीएसटी टीम ने सड़क पर स्टॉप स्टिक बिछा दी, जिससे गाड़ियों के टायर पंचर हो गए। पंचर होने के बाद भी तस्कर गाड़ियों को दौड़ाते रहे, लेकिन कोठिया गांव से थोड़ा आगे वाहन बंद हो गए। तस्कर अंधेरे का फायदा उठाकर खेतों की ओर फरार हो गए। पुलिस ने जब दोनों कारों की तलाशी ली, तो उनमें से 753.55 किग्रा डोडा-पोस्त जिसकी कीमत करीब 1.12 करोड़ रुपये और 6.42 किग्रा अफीम जिसकी कीमत करीब 30 लाख रुपये के साथ कई फर्जी नंबर प्लेटें बरामद हुईं।

चोरी की नौ मोटरसाइकिलें बरामद, एक आरोपी को दबोचा

श्रीनाथजी थाना पुलिस ने आरोपी के कब्जे से मोटरसाइकिलें बरामद की।

राजसमन्द, (निसं)। श्रीनाथजी थाना पुलिस ने मोटरसाइकिल चोरी की वारदातों का खुलासा करते हुए चोरी की 9 मोटरसाइकिलें बरामद कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। नगर में लगातार बढ़ रही चोरी की वारदातों को देखते हुए पुलिस ने विशेष टीम का गठन कर संदिग्धों पर निगरानी शुरू की।इसी दौरान 19 अगस्त को संदिग्ध नरेश उर्फ मुन्ना को डिटेन किया गया। पुलिस द्वारा गहन पूछताछ करने पर उसने अलग-अलग स्थानों से कुल 9 मोटरसाइकिलें चोरी करना स्वीकार किया। उसकी निशानदेही पर चोरी की 9 मोटरसाइकिलें बरामद की गईं तथा नरेश उर्फ मुन्ना पुत्र सवाराम गमेती निवासी डिंगेला थाना नाथद्वारा को गिरफ्तार किया गया।

थानाधिकारी विक्रम सिंह ने बताया कि फरियादी बलराम मीणा की मोटरसाइकिल चोरी की शिकायत पर मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया गया, जिसके बाद आरोपी नरेश को डिटेन के पूछताछ की गई और उसकी निशानदेही पर आठ अन्य मोटरसाइकिल बरामद की गई। बरामद मोटरसाइकिलों में बुलेट रॉयल एनफील्ड, यामाहा एमटी, बुलेट 350, हीरो स्प्लेंडर प्लस, होंडा ड्रीम योगा स्प्लेंडर प्लस, सीडी डीलक्स, टीवीएस रेडर सहित अन्य मोटरसाइकिलें शामिल हैं। आरोपी से अन्य मामलों में चोरी के माल की बरामदगी तथा चोरी की मोटरसाइकिलों को कहां-कहां और किसे बेचा गया, इस संबंध में पूछताछ कर रही है, मामले में आगे की जांच जारी है।

नाबालिग के पासपोर्ट के लिए पिता की सहमति जरूरी नहीं : हाईकोर्ट

तलाकशुदा माता-पिता के विवाद में नहीं रुकेगी बच्चे की पढ़ाई, पासपोर्ट जारी करने के निर्देश दिये

- कोर्ट ने कहा कि बच्चे माता-पिता की संपत्ति नहीं, बल्कि कानून की नजर में स्वतंत्र व्यक्ति हैं
- जस्टिस ढंढ ने 17 वर्षीय नाबालिग की मां के माध्यम से हाईकोर्ट में दायर याचिका स्वीकार की

जोधपुर, (कासं) राजस्थान हाईकोर्ट के न्यायाधीश अनूप कुमार ढंढ ने एक महत्वपूर्ण फैसले में स्पष्ट किया है कि तलाकशुदा माता-पिता के बीच विवाद के कारण किसी नाबालिग बच्चे के शिक्षा के लिए विदेश जाने के अधिकार को केवल इसीलिए नहीं रोका जा सकता कि पासपोर्ट आवेदन पर पिता की सहमति या हस्ताक्षर नहीं हैं। कोर्ट ने कहा कि बच्चे माता-पिता की संपत्ति नहीं, बल्कि कानून की नजर में स्वतंत्र व्यक्ति हैं। माता-पिता उनके अभिभावक हैं, मालिक नहीं। जस्टिस ढंढ ने 17 वर्षीय नाबालिग की मां के माध्यम से हाईकोर्ट में दायर याचिका स्वीकार करते हुए पासपोर्ट प्राधिकरण को उसका पासपोर्ट जारी करने के निर्देश दिए हैं।

याचिका में नाबालिग की ओर से मांग की गई थी कि आगे की पढ़ाई के लिए विदेश जाना चाहता है, लेकिन नाबालिग होने से पासपोर्ट प्राधिकरण ने पिता की सहमति के अभाव में पासपोर्ट जारी नहीं किया। नाबालिग के माता-पिता के बीच विवाह से जुड़ा विवाद हो गया था। उसकी मां की तलाक की याचिका कोर्ट में मंजूर होने के बाद 2022 में तलाक हो गया। इसके बाद से नाबालिग अपनी मां के साथ रह रहा था। उसके पिता ने उसकी कस्टडी और मिलने के लिए किसी तरह का कोर्ट में आवेदन नहीं किया था। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा है कि बच्चे ने दसवीं की परीक्षा अच्छे अंकों से पास की है और विदेश में पढ़ाई के लिए उसका चयन हुआ है। ऐसे में केवल इस तकनीकी आधार पर उसे विदेश जाने से रोकना उचित नहीं है कि पारिवारिक अदालत के आदेश में उसकी कस्टडी के संबंध में स्पष्ट उल्लेख नहीं है। कोर्ट ने माना कि जब पिता ने कस्टडी या मुलाकात का अधिकार मांगने के लिए कोई कदम नहीं उठाया तो बच्चे को पासपोर्ट के लिए उनकी सहमति लेने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता।

कोर्ट ने संविधान के अनुच्छेद 21 का उल्लेख करते हुए कहा कि व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार में विदेश यात्रा का अधिकार भी शामिल है। इस अधिकार से किसी व्यक्ति को केवल कानून द्वारा निर्धारित न्यायसंगत, निष्पक्ष और उचित प्रक्रिया के अनुसार ही वंचित किया जा सकता है। फैसले में यह भी स्पष्ट किया गया कि पासपोर्ट प्राधिकरण नाबालिग के पासपोर्ट के लिए हर स्थिति में दोनों माता-पिता की सहमति पर जोर नहीं दे सकता। यदि किसी कारण से एक अभिभावक दूसरे की सहमति प्राप्त नहीं कर पा रहा है तो पासपोर्ट नियमों के तहत ऐनेक्सर सी में शपथपत्र देकर पासपोर्ट जारी किया जा सकता है।

हिंडौन में 34 डिग्री पहुंचा तापमान

हिंडौन, (निसं)। हिंडौन में पिछले एक हफ्ते से बारिश नहीं हुई है, जिससे क्षेत्र में तेज धूप और 34 डिग्री सेल्सियस तापमान के कारण लोग गर्मी और उमस से परेशान हैं। मौसम की इस स्थिति से कृषि कार्य भी प्रभावित हो रहे हैं।

मानसून का आधा से अधिक समय बीतने के बावजूद बारिश की कमी ने किसानों और आमजन की चिंता बढ़ा दी है। जलस्त्रोतों में जलभराव की स्थिति भी चिंताजनक बनी हुई है, जिससे किसान आगामी फसलों की बुवाई और सिंचाई को लेकर चिंतित हैं। सावन के महीने में ज्येष्ठ माह जैसी गर्मी महसूस हो रही है। क्षेत्र में सुबह से ही 80 प्रतिशत तक आर्द्रता के कारण गर्मी के साथ उमस भरा माहौल बना हुआ है, जिससे लोगों को काफी परेशानी हो रही है।

जल संसाधन विभाग के आंकड़ों के अनुसार, जून से अब तक हिंडौन शहर में केवल 380 एमएम और जगर बांध क्षेत्र में 337 एमएम बारिश दर्ज की गई है। अगस्त माह में 1 से 22 अगस्त तक हिंडौन में 240 एमएम और जगर बांध में 202 एमएम बारिश रिकॉर्ड हुई है। जगर बांध में इस महीने केवल 1.5 फीट पानी की आवक हुई है। बांध का कुल गेज एरिया 30 फीट है, जिसमें वर्तमान में केवल 24 फीट तक पानी है। तेज गर्मी के कारण स्कूली बच्चों को भी काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

टोंक से चोरी हुआ ट्रक कोटा के मंडाना क्षेत्र से बरामद

- जब्त ट्रक में 16 लाख कीमत का जिम का सामान मिला

कोटा, (निसं)। जिला टोंक के थाना दत्तावास क्षेत्र से चोरी हुए ट्रक के दर्ज मामले में मंडाना पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए चोरी हुए ट्रक को मंडाना क्षेत्र से बरामद किया है। बरामद ट्रक में जिम का सामान मिला, जिसकी कीमत करीब 16 लाख रूपये बताई गई है।

ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि जिला टोंक के दत्तावास में फरियादी ने ट्रक चोरी होने का मामला दर्ज कराया था, ग्रामीण एसपी ने बताया कि 21 अगस्त को ग्रामीण पुलिस कंट्रोल रूम से सूचना मिली कि थाना दत्तावास क्षेत्र से आईसर ट्रक को कोई अज्ञात चोरी करके ले गया। ग्रामीण एसपी ने बताया कि सूचना मिली कि गोपालपुरा के पास फाटाखेड़ा पुलिया सर्विस रोड पर एक ट्रक सड़क किनारे खड़ा हुआ है। सूचना पर मंडाना थानाधिकारी सुमेर सिंह के नेतृत्व में टीम गठित कर टीम को मौके पर भेजा गया। टीम ने गोपालपुरा के पास फाटाखेड़ा पुलिया सर्विस रोड पर ट्रक को खड़ा देखा, जिसके नम्बर क्यूएसटी के अनुसार मिले। ग्रामीण एसपी ने बताया कि मौके पर खड़े मिले ट्रक की पुलिस टीम द्वारा तलाशी ली गई तो तलाशी के दौरान ट्रक में करीब 16 लाख कीमत का जिम का सामान भी बरामद किया। मंडाना पुलिस टीम ने ट्रक को बरामद कर इसकी सूचना थाना दत्तावास को दी गई, सूचना पर पुलिस टीम मंडाना थाने पहुंची टीम के मंडाना थाना पहुंचने के बाद मंडाना पुलिस ने माल सहित ट्रक को जिला टोंक के थाना दत्तावास टीम को सुपुर्द किया गया।

चौमूं के खन्नीपुरा गांव में अंतिम संस्कार के दौरान लोगों पर मधुमक्खियों का हमला

घटना में एक दर्जन से अधिक लोग घायल, श्मशान घाट स्थल पर अफरा-तफरी मची

चौमूं/कालाडेरा, (निसं)। चौमूं उपखण्ड के कालाडेरा थाना इलाके के खन्नीपुरा गांव में शनिवार को अंतिम संस्कार के दौरान मधुमक्खियों के झुंड ने लोगों पर हमला कर दिया। इस घटना में एक दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए, जिससे श्मशान घाट स्थल पर अफरा-तफरी मच गई।

जानकारी के अनुसार खन्नीपुरा निवासी महेन्द्र सिंह (62) का निधन हो गया था। उनके परिजन और ग्रामीण अंतिम संस्कार के लिए श्मशान घाट स्थल पर एकत्र हुए थे। अंतिम संस्कार की प्रक्रिया के दौरान उठे धुएं के कारण पास के एक पेड़ पर बने मधुमक्खियों के छत्ते में हलचल हुई, जिससे मधुमक्खियां भड़क गईं और लोगों पर हमला कर दिया। मधुमक्खियों के लगातार डंक मारने से रविन्द्र सिंह, विजय सिंह, देवेन्द्र सिंह, जीवन सिंह सहित करीब एक दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए। अचानक हुए हमले के कारण कई लोग खुद को बचाने में

मधुमक्खियों के हमले में घायल लोगों का अस्पताल में उपचार किया।

असमर्थ रहे और दर्द से तड़पते नजर आए। घटना की सूचना मिलते ही कालाडेरा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के चिकित्सा टीम मौके पर पहुंची। चिकित्सा प्रभारी सरदार सिंह यादव के नेतृत्व में टीम ने पहुंचकर घायलों का उपचार शुरू किया। कुछ लोगों को मौके पर ही प्राथमिक उपचार दिया गया, जबकि गंभीर रूप से प्रभावित लोगों को अस्पताल ले जाया गया। हालात सामान्य होने के बाद मृतक महेन्द्र सिंह का अंतिम संस्कार की प्रक्रिया पूरी कराई गई।

- अंतिम संस्कार की प्रक्रिया के दौरान उठे धुएं से एक पेड़ पर बने मधुमक्खियों के छत्ते में हलचल हो गई थी
- कुछ लोगों को मौके पर ही उपचार दिया गया, जबकि गंभीर रूप से प्रभावित लोगों को अस्पताल ले जाया गया

चार जुआरी गिरफ्तार

प्रागपुरा, (निसं)। पुलिस थाना प्रागपुरा ने जुआरियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करते हुए एक होटल के बंद कमरे में चल रहे जुए के खेल का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने मौके से चार आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 38,920 रुपये की जुआ राशि तथा ताश के पत्ते जब्त किए हैं। पुलिस के अनुसार यह कार्रवाई 21 अगस्त को की गई।

पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक होटल के कमरा नंबर 403 में कुछ व्यक्ति ताश के पत्तों पर हार-जीत का दांव लगाकर जुआ खेल रहे हैं। सूचना पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर कमरे की जांच की, जहां चार व्यक्ति जुआ खेलते हुए पाए गए। पुलिस ने मौके से जुआ राशि और ताश के पत्ते जब्त कर चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने कार्रवाई के दौरान राजेश उर्फ राजू यादव (39), निवासी ललाना, लालचन्द (35), निवासी चुराला की ढाणी तन ललाणा, गिरधारीलाल (47), निवासी प्रागपुरा तथा विक्रम सैनी (38), निवासी दयावाली ढाणी तन प्रागपुरा को गिरफ्तार किया। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में जुआ गतिविधियों में लिप्त लोगों में हड़कंप मच गया।

SE CUM PROJECT MANAGER, WCDC, WATERSHED DEVELOPMENT & SOIL CONSERVATION, CHURU

E-mail ID :- SEWDSC.CHURU@RAJASTHAN.GOV.IN

क्रमांक-एफ( )73अ.अ./डब्ल्यूसीडीसी/चूरू/निविदा/2026-27/1310-14 दिनांक-20/8/26

NOTICE INVITING BID

E-NIT No 20/ YEAR 2026-27

Bids for Watershed Development Works are invited from interested bidders up to 05.00 PM on 31.08.2026 as per following details. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (https://eproc.rajasthan.gov.in or https://sppp.rajasthan.gov.in or https://watershed.rajasthan.gov.in) bof the state departmental website. Please Publish in One State Level & One Regional/Local daily News Paper (As per Rule) in Minimum Space.

S. No.	Block	Est. Cost in Lacs	NIB Code	UBN Code
1	Bidasar	146.77	WSC2627A0905	WSC2627WSOB01655
2	Bidasar	82.69	WSC2627A0905	WSC2627WSOB01656
3	Churu	123.316	WSC2627A0905	WSC2627WSOB01658
4	Ratangarh	49.513	WSC2627A0905	WSC2627WSOB01660
5	Taranagar	75.13	WSC2627A0905	WSC2627WSOB01662

DIPR/C/___/2026 S. E & P. M WCDC, Churu

रवि बापना अमेरिकी विश्वविद्यालय के डीन बने

जयपुर। जयपुर के मूल निवासी और अन्तर्राष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और डेटा एनालिटिक्स व डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन के विद्वान डॉ. रवि बापना को अमेरिकी विश्वविद्यालय कैलिफोर्निया स्थित सांता क्लारा विश्वविद्यालय ने अपना डीन (अध्यक्ष) नियुक्त किया है। डॉ. रवि बापना एक सितम्बर 2026 से नया पदभार संभालेंगे। डॉ. बापना अब तक प्रसिद्ध अमेरिकी विश्वविद्यालय मिनेसोटा विश्वविद्यालय के कार्लसन स्कूल ऑफ मैनेजमेंट में संयुक्त डीन पद पर कार्यरत रहे हैं। यहाँ वह शैक्षिणक कार्यों की महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे थे। अपने नए पद पर सांता क्लारा विश्वविद्यालय के लीवे स्कूल के शैक्षिणक कार्यक्रमों का संचालन करेंगे और एम.बी.ए. की शिक्षा के विभिन्न शैक्षिणक पहलुओं का नेतृत्व करेंगे। बापना ने मिनेसोटा विश्वविद्यालय में प्रोफेसर के रूप में बिजनेस एनालिटिक्स और ए. आई. को शैक्षिणक उत्कृष्टता दिलाई और विश्वविद्यालय को उसकी उत्कृष्टता और विशेषज्ञता के कारण अंतर्राष्ट्रीय ख्याति मिली।

नगर निगम चुनाव में खपाने के लिए 4.30 लाख के जाली नोट जयपुर लाए थे बदमाश

अंतरराज्यीय गिरोह के चार बदमाशों को पुलिस ने दबोचा, दो लग्जरी वाहन जब्त

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। आदर्श आचार संहिता के बीच बजाज नगर थाना पुलिस और जयपुर पुलिस आयुक्तालय की सीएसटी ने संयुक्त कार्रवाई कर जाली नोटों के अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने गिरोह के चार आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 4 लाख 30 हजार 500 रुपए के जाली नोट बरामद किए हैं। आरोपियों के पास से जाली नोटों के परिवहन में इस्तेमाल की जा रही स्कॉर्पियो और फॉर्च्यूनर भी जब्त की गई हैं। पुलिस की प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि जाली नोटों की यह खेप आगामी नगर निगम चुनाव के दौरान बाजार और चुनाव प्रचार में खपाने के लिए जयपुर लाई गई थी। पुलिस अब गिरोह से जुड़े अन्य लोगों और जाली नोटों की सप्लाई के स्त्रोत का पता लगाने में जुटी है।

विशेष पुलिस कमिश्नर (ऑपरेशन्स) ओमप्रकाश ने बताया कि पूछताछ में गिरोह के मुख्य सरगना अमन राणा निवासी गांधीपथ, रोहतक (हरियाणा) का नाम सामने आया है। पुलिस के अनुसार अमन राणा वर्तमान में बांग्लादेश में बैठकर जाली नोटों के नेटवर्क को संचालित कर रहा है। आरोपियों से पूछताछ के आधार पर

बजाज नगर पुलिस और जयपुर सीएसटी ने 4.30 लाख रुपए के जाली नोटों के साथ 4 बदमाशों को गिरफ्तार कर नकदी व 2 लग्जरी कारें जब्त कीं।

गिरोह के अंतरराज्यीय नेटवर्क और अन्य सदस्यों तक पहुंचने का प्रयास किया जा रहा है।डीसीपी जयपुर पूर्व रंजीता शर्मा ने बताया कि अंशुल (24) पुत्र राजू निवासी राजीव कॉलोनी, रोहतक, साहिल चौधरी (24) पुत्र रामचंद्र चौधरी निवासी रामसीसर, फतेहपुर सदर, सीकर, प्रियांशु (21) पुत्र राजवीर निवासी करौथा, शिवाजी कॉलोनी, रोहतक और आकाश (26) पुत्र विजय सिंह निवासी काहनौर, कलानौर, रोहतक को गिरफ्तार किया है।

- **बांग्लादेश में बैठा मुख्य सरगना चला रहा था नेटवर्क, पुलिस तलाश में जुटी**
- **आरोपियों से पूछताछ में जाली नोटों की सप्लाई, नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों और पूर्व में खपाई गई नकली मुद्रा के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी सामने आने की संभावना है।**

बजाज नगर थानाधिकारी रामधन डोभाल ने बताया कि पुलिस पड़ताल में सामने आया कि गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ पहले से भी आपराधिक मामले दर्ज हैं। अंशुल के खिलाफ पीजीआई रोहतक में हत्या तथा आर्य नगर थाने में जानलेवा हमले का मामला दर्ज है। आकाश के खिलाफ भी पीजीआई रोहतक में हत्या, आर्य नगर में जानलेवा हमले सहित शिवाजी कॉलोनी में मामला दर्ज है। प्रियांशु के खिलाफ पीजीआई रोहतक और आर्य नगर थाने में मामले दर्ज बताए गए हैं। वहीं साहिल चौधरी के खिलाफ जयपुर के बगरू थाने में वर्ष 2023 में मामला दर्ज है। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है। पूछताछ में जाली नोटों की सप्लाई, नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों और पूर्व में खपाई गई नकली मुद्रा के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी सामने आने की संभावना है।

औद्योगिक क्षेत्रों में हरियाली को मिलेगा दीर्घकालीन संरक्षण

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। रीको प्रशासन ने औद्योगिक क्षेत्रों एवं आवासीय कॉलोनियों में स्थित पार्क, गार्डन, रोटरी, सर्किल, मीडियन, डिवाइडर एवं रोडसाइड प्लांटेशन के दीर्घकालिक विकास एवं रखरखाव के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। अब इन हरित क्षेत्रों को संबंधित एजेंसियों को 3 वर्ष के स्थान पर प्रारंभिक रूप से 7 वर्ष की अवधि के लिए सौंपा जाएगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का मानना है कि प्रकृति मानव जीवन के लिए आवश्यक सभी संसाधन उपलब्ध कराती है और इसलिए पर्यावरण संरक्षण को विकास की प्राथमिकताओं में शामिल किया जाना आवश्यक है। इसी सोच के अनुरूप औद्योगिक विकास के साथ पर्यावरण संरक्षण एवं हरित क्षेत्रों के संवर्धन को सुनिश्चित करने के लिए रीको द्वारा यह पहल की गई है।

वर्तमान में लागू 23 मार्च, 2018 के दिशा-निर्देशों के अनुसार संबंधित पार्क अथवा हरित क्षेत्र को किसी एजेंसी को प्रारंभिक रूप से 3 वर्ष की अवधि के लिए सौंपे जाने का प्रावधान है। रीको द्वारा पौधरोपण के विकास एवं संरक्षण की समीक्षा के दौरान यह महसूस किया गया कि पौधों के पूर्ण विकास, बेहतर संरक्षण तथा उनके दीर्घकालिक अस्तित्व के लिए तीन वर्ष की अवधि पर्याप्त नहीं है। इसी को ध्यान में रखते हुए पार्क, गार्डन, रोटरी, सर्किल, मीडियन, डिवाइडर एवं रोडसाइड प्लांटेशन आदि के विकास एवं रखरखाव को अधिक प्रभावी और दीर्घकालिक बनाने के लिए संबंधित एजेंसी को अब प्रारंभिक रूप से 7 वर्ष की अवधि के लिए जिम्मेदारी सौंपने का निर्णय लिया गया है। संशोधित व्यवस्था के अनुसार प्रारंभिक 7 वर्ष की अवधि के बाद आपसी सहमति के आधार पर इसे 14 वर्ष तक और बढ़ाया जा सकेगा। इसके लिए दो चरणों में, प्रत्येक चरण में 7 वर्ष की अवधि बढ़ाने का प्रावधान होगा। अवधि बढ़ाने का निर्णय संबंधित

- **रीको ने पार्क एवं हरित क्षेत्रों के रख रखाव की अवधि बढ़ाई**
- **प्रारंभिक स्तर पर अब 3 वर्ष के स्थान पर 7 वर्ष के लिये एजेंसियों को सौंपे जाएंगे पार्क**

एजेंसी द्वारा किए गए विकास एवं रखरखाव कार्यों की प्रगति, निर्धारित शर्तों के अनुपालन तथा कार्य की गुणवत्ता को ध्यान में रखते हुए रीको एवं संबंधित एजेंसी की आपसी सहमति से किया जाएगा।

रीको द्वारा राज्य सरकार के 'मिशन हरयालो राजस्थान' के तहत प्रदेश के सभी औद्योगिक क्षेत्रों में बड़े स्तर पर वृक्षारोपण किया जा रहा है। वर्ष 2025-26 में तीन लाख से अधिक वृक्षारोपण किया गया। वहीं वर्ष 2026-27 में अब तक लगभग तीन लाख वृक्षारोपण किया जा चुका है। रीको ने वर्तमान वित्तीय वर्ष में लगभग 5 लाख वृक्षारोपण का लक्ष्य निर्धारित किया है।

रीको का यह निर्णय औद्योगिक क्षेत्रों एवं आवासीय कॉलोनियों में हरित क्षेत्रों के बेहतर विकास, पौधों के संरक्षण तथा दीर्घकालिक रखरखाव को सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। लंबी अवधि के लिए जिम्मेदारी मिलने से संबंधित एजेंसियों को पौधों के पूर्ण विकास, हरित क्षेत्रों के संवर्धन तथा उनके समुचित रखरखाव के लिए अधिक प्रभावी एवं योजनाबद्ध तरीके से कार्य करने का अवसर मिलेगा। इसके साथ ही संबंधित एजेंसियों को भी कार्बन क्रेडिट लेने में फायदा मिलेगा और ज्यादा से ज्यादा एजेंसियां पर्यावरण संरक्षण के इस कार्य में सम्मिलित होंगी।

वाहन चालकों के 544 चालान काटे

जयपुर। शहर में रॉन्ग साइड वाहन चलाने वालों के खिलाफ यातायात पुलिस ने दो दिवसीय विशेष अभियान चलाकर 544 चालान किए। इस अभियान के दौरान जयपुर के पूर्व, दक्षिण, पश्चिम और उत्तर जोन में विशेष टीमें तैनात कर कार्रवाई की गई। वहीं दो दिनों में यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले कुल 7134 वाहन चालकों के खिलाफ चालानी कार्रवाई की गई। पुलिस उपायुक्त यातायात योगेश गोयल ने बताया कि यह विशेष अभियान दो दिन चलाया गया। इस दो दिवसीय अभियान में रॉन्ग साइड वाहन चलाने पर 283 चालान किए गए, जबकि 21 अगस्त को 261 वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई हुई। इस तरह दो दिनों में कुल 544 चालान किए गए। इसके अलावा विभिन्न माध्यमों से यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले कुल 7 हजार 134 वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की गई।

नेक नीयत साबित करने के लिए एक लाख रु. का डीडी जमा कराए याचिकाकर्ता : हाईकोर्ट

हाईकोर्ट ने आयुर्वेद विभाग में लेक्चरर भर्ती से जुडे अभ्यर्थी को आदेश दिए

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने आयुर्वेद विभाग में लेक्चरर भर्ती से जुडे अभ्यर्थी को अपनी नेक नीयत साबित करने के लिए आरपीएससी में एक लाख रुपए का डीडी जमा कराने को कहा है। जस्टिस समीर जैन ने यह आदेश मुकेश श्रीमाल की याचिका पर दिए। आरपीएससी ने याचिकाकर्ता पर आदतन मुकदमेबाज का आरोप लगाया था। अदालत ने कहा कि डिमांड ड्राफ्ट की राशि जब्त होगी या वापस की जाएगी, यह याचिका के अंतिम परिणाम पर निर्भर करेगा। इसके साथ ही

- **अदालत ने कहा कि डिमांड ड्राफ्ट की राशि जब्त होगी या वापस की जाएगी, यह याचिका के अंतिम परिणाम पर निर्भर करेगा। इसके साथ ही अदालत ने मामले की आगामी सुनवाई 22 सितंबर को रखते हुए प्रभारी अधिकारी को रिकॉर्ड सहित पेश होने को कहा है।**

अदालत ने मामले की आगामी सुनवाई 22 सितंबर को रखते हुए प्रभारी अधिकारी को रिकॉर्ड सहित पेश होने को कहा है। याचिका में भर्ती प्रक्रिया को चुनौती दी गई थी। वहीं आरपीएससी के अधिवक्ता युवराज सामंत ने अदालत को बताया कि किसी खास एक्सपर्ट के खिलाफ लगाए गए आरोपों की जांच सक्षम स्तर पर कर रहे हैं। याचिका में लगाए आरोप बेबुनियाद हैं, क्योंकि सफल उम्मीदवारों और साक्षात्कार लेने वाले व्यक्ति के बीच कोई संबंध नहीं है। याचिकाकर्ता एक आदतन मुकदमेबाज व्यक्ति है, उसने 2015 से 2023 के बीच दर्जन याचिकाएं दायर की हैं। वहीं चयनित अभ्यर्थी देवेश जैमन की ओर से अदालत को कहा गया कि याचिका में लगाए आरोप गलत हैं, याचिकाकर्ता पहले भी आयुर्वेद यूनिवर्सिटी, विभाग व अन्य के खिलाफ याचिकाएं दायर कर चुका है। दूसरी ओर याचिकाकर्ता ने कहा कि इंटरव्यू लेने वालों ने भर्ती प्रक्रिया में पक्षपातपूर्ण तरीका अपनाया था, इसलिए पूरी प्रक्रिया ही गलत आधार पर हुई है। इस पर अदालत ने याचिकाकर्ता को एक लाख रुपए का डीडी आरपीएससी के पक्ष में जमा कराने के निर्देश देते हुए प्रभारी अधिकारी को रिकॉर्ड सहित पेश होने को कहा है।

समझाइश की

जयपुर। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त यातायात दक्षिण सुनीता मीना ने रामबाग चौराहे पर वाहन चालकों को हेलमेट और सीट बेल्ट के इस्तेमाल समझाइश की।

जयपुर में एआईएपीजीईटी परीक्षा के दौरान बिजली गुल

जयपुर । अखिल भारतीय आयुष स्नातकोत्तर प्रवेश परीक्षा (एआईएपीजीईटी)-2026 के दौरान शनिवार को ट्रांसपोर्ट नगर स्थित श्री सत्य साईं पीजी कॉलेज परीक्षा केंद्र पर बिजली आपूर्ति बाधित होने से परीक्षा व्यवस्था चरमरा गई। कंप्यूटर आधारित परीक्षा शुरू होने के करीब 15-20 मिनट बाद बिजली चली गई, जिससे कई कंप्यूटर सिस्टम बंद हो गए। काफी देर तक व्यवस्था बहाल नहीं होने से अभ्यर्थी परीक्षा पूरी नहीं कर सके। इसके बाद केंद्र के बाहर अभ्यर्थियों ने हंगामा और नारेबाजी की। मामले को गंभीरता से लेते हुए नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने इस केंद्र के प्रभावित 49 अभ्यर्थियों की परीक्षा रद्द कर दी। अब इनकी दोबारा परीक्षा 1 सितंबर को होगी।

एनटीए के अनुसार 22 अगस्त को एआईएपीजीईटी-2026 की शिफ्ट-1 परीक्षा आयोजित हुई। इसके लिए देशभर में 36,979 अभ्यर्थी पंजीकृत थे। इनमें से 35,837 अभ्यर्थी 200 परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा देने पहुंचे, जबकि 35,788 की परीक्षा पूरी हो सकी। जयपुर के श्री सत्य साईं पीजी कॉलेज केंद्र पर कुल 192 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए थे, जिनमें से 49 बिजली आपूर्ति बाधित होने के कारण परीक्षा पूरी नहीं कर सके।

- **49 अभ्यर्थियों को फिर से देना होगा एग्जाम**

अभ्यर्थियों के अनुसार परीक्षा सुबह 10 बजे शुरू हुई थी। करीब 10.20 बजे अचानक बिजली चली गई और कई कंप्यूटर बंद हो गए। कुछ देर तक बिजली आने का इंतजार किया गया, लेकिन आपूर्ति कभी आती और कभी चली जाती रही। इससे कई अभ्यर्थी बिना पंखे और कंप्यूटर के अपनी सीटों पर बैठे रहे।

अभ्यर्थी डॉ. सुधा शर्मा ने बताया कि परीक्षा शुरू होने के करीब 20 मिनट बाद कई कंप्यूटर बंद हो गए। परीक्षा निरीक्षक ने शॉर्ट सर्किट के कारण बिजली जाने की जानकारी देते हुए कुछ देर में व्यवस्था ठीक होने की बात कही, लेकिन परीक्षा सामान्य नहीं हो सकी। ऑब्जर्वर डॉ. हर्षिता सचदेवा के अनुसार पावर सप्लाई में समस्या के कारण करीब आधे कंप्यूटर प्रभावित हुए। कुछ कंप्यूटर चलते रहे, जबकि कुछ बंद हो गए। बाद में एनटीए ने परीक्षा रद्द करने का निर्णय लिया।

परीक्षा का निर्धारित समय दोपहर 12 बजे समाप्त होने के बाद अभ्यर्थियों को केंद्र से बाहर कर दिया गया। अभ्यर्थियों का आरोप था कि बिजली कटौती के कारण उनका काफी समय बर्बाद हुआ, लेकिन उसकी भरपाई के लिए अतिरिक्त समय नहीं दिया गया। इससे नाराज अभ्यर्थियों ने कॉलेज परिसर के बाहर नारेबाजी और हंगामा किया। स्थिति को देखते हुए पुलिस बल भी मौके पर पहुंचा। कुछ छात्राओं की तबीयत बिगड़ने और बेहोश होने की भी जानकारी सामने आई, जिन्हें प्राथमिक उपचार दिलाया गया।

एनटीए ने प्रभावित 49 अभ्यर्थियों के लिए पुन: परीक्षा 1 सितंबर 2026 को सुबह 10 बजे आयोजित करने की घोषणा की है। यह परीक्षा राजस्थान कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग फॉर विमेन, जयपुर में होगी। परीक्षा से संबंधित जानकारी संशोधित एडमिट कार्ड के माध्यम से दी जाएगी। इसी केंद्र पर दूसरी शिफ्ट में होम्योपैथिक पीजी प्रवेश परीक्षा के दौरान भी अभ्यर्थियों को परेशानी हुई। दोपहर 3 बजे होने वाली परीक्षा के लिए प्रवेश प्रक्रिया के दौरान बायोमेट्रिक सिस्टम में तकनीकी समस्या आ गई। इससे अभ्यर्थियों ने केंद्र के बाहर हंगामा किया।

कांग्रेस की सरकारों में गड़बड़ियों पर पर्दा डालते थे, हम कार्रवाई करते हैं : खींवसर

जयपुर। प्रदेश में सेनेटरी नैपकिन की खरीद और सरकारी योजनाओं से जुड़ी व्यवस्थाओं को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के ट्वीट पर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने तीखा पलटवार किया है। खींवसर ने कहा कि गहलोत सरकार और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व वाली वर्तमान सरकार की कार्यशैली में साफ अंतर है। पूर्ववर्ती सरकार के समय जनकल्याणकारी योजनाओं में हुई अनियमितताओं पर पर्दा डालने की कोशिश होती थी, जबकि वर्तमान सरकार भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है।

खींवसर ने कहा कि गहलोत सरकार के कार्यकाल में सेनेटरी नैपकिन निजी कंपनियों से 14.09 और 16.80 रुपए प्रति पैकेट की दर से खरीदे जाते थे, जबकि वर्तमान सरकार भारत सरकार के सार्वजनिक उपक्रम से मात्र 11.34 रुपए प्रति पैकेट की दर से खरीद कर रही है। उन्होंने दावा किया कि गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया गया है और प्रदेश में नियमित आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है।चिकित्सा मंत्री ने पूर्ववर्ती गहलोत सरकार के कार्यकाल में उड़ान योजना के तहत निशुल्क वितरण के लिए भेजे गए सेनेटरी नैपकिन के कथित दुरुपयोग के मामलों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि करीब 34 लाख रुपए मूल्य के 1.70 लाख पैकेट सेनेटरी नैपकिन से भरा एक ट्रक पोकरण में पकड़ा गया था। बांसवाड़ा में भी सरकारी योजना के सेनेटरी नैपकिन को बाहर बेचने के मामले सामने आए थे।खींवसर ने कहा कि सरकारी योजनाओं की सामग्री की कथित कालाबाजारी और अन्य अनियमितताओं के मामलों को प्रदेश की जनता भूली नहीं है।

चुनाव प्रभारी जोगाराम पटेल ने सांसद, विधायकों व पदाधिकारियों से की चर्चा

नगर निकाय चुनाव प्रभारी एवं कैबिनेट मंत्री जोगाराम पटेल ने शनिवार को सांसद, विधायकों, जनप्रतिनिधियों और संगठन पदाधिकारियों के साथ चुनावी तैयारियों पर चर्चा की।

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। आगामी नगर निकाय चुनावों की तैयारियों को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने जयपुर शहर में चुनावी रणनीति को अंतिम रूप देने की कवायद तेज कर दी है। इसी कड़ी में शनिवार को भाजपा जयपुर शहर की महत्वपूर्ण संगठनात्मक एवं रणनीतिक बैठक आयोजित हुई। बैठक में नगर निकाय चुनाव प्रभारी एवं कैबिनेट मंत्री जोगाराम पटेल ने सांसद, विधायकों, जनप्रतिनिधियों और संगठन पदाधिकारियों के साथ चुनावी तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की।

बैठक में बूथ और वार्ड स्तर पर संगठन को मजबूत करने, कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने और चुनावी प्रबंधन को प्रभावी बनाने पर विशेष जोर दिया गया। जोगाराम पटेल ने कहा कि भाजपा की

- **निकाय चुनावों को लेकर वार्ड स्तर तक सक्रियता बढ़ाने के निर्देश**

संगठनात्मक ताकत का सबसे मजबूत आधार बूथ स्तर तक सक्रिय कार्यकर्ता और प्रभावी जनसंपर्क है।

उन्होंने पदाधिकारियों को निर्देश दिए कि नगर निकाय चुनावों को देखते हुए वार्ड स्तर पर संगठनात्मक गतिविधियों को तेज किया जाए। प्रत्येक बूथ पर कार्यकर्ताओं की सक्रिय भूमिका सुनिश्चित करते हुए चुनावी प्रबंधन को मजबूत किया जाए, ताकि पार्टी की नीतियों और सरकार की योजनाओं को आमजन तक प्रभावी ढंग से पहुंचाया जा सके।

बैठक में जयपुर शहर प्रभारी प्रभुलाल सैनी, राजेन्द्र पराणा, जयपुर शहर जिलाध्यक्ष अमित गोयल, जयपुर लोकसभा सांसद डॉ. मंजू शर्मा, विधायक कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़, बालमुकुंद आचार्य, गोपाल शर्मा, कैलाश वर्मा, शंकर सिंह पुरोहित, चंद्रमोहन बंटवारा और रवि नैय्यर सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं संगठन पदाधिकारी मौजूद रहे।

बैठक में नगर निकाय चुनाव को लेकर संभावित चुनावी चुनौतियों और संगठन की तैयारियों पर भी चर्चा हुई। भाजपा नेताओं ने वार्ड और बूथ स्तर तक मजबूत चुनावी प्रबंधन के साथ काम करने का संकल्प लिया। निकाय चुनाव की तैयारियों के बीच भाजपा की इस बैठक को जयपुर शहर में पार्टी के चुनावी अभियान और संगठनात्मक रणनीति को मजबूत करने की दिशा में अहम माना जा रहा है।

नाम परिवर्तन

मैंने अपना नाम सुमन लता पंवार से बदलकर सुमन गहलोत कर लिया है; भविष्य में मुझे सुमन गहलोत के नाम से जाना और पहचाना जाए। सुमन गहलोत, निवासी प्लॉट नंबर ए-8, सीतारामपुरी, हिदा की मोरी, गलता रोड, रामगंज, जयपुर (राजस्थान)-9351230246

खोया पाया

मकान नंबर1/203एस एफ एस गुरुकुल मार्ग अग्रवाल फार्म मानसरोवर जयपुर राजस्थान हाउसिंग बोर्ड का मूल आवंटन एवं कब्ज़ा पत्र दिनांक 20.01.1987 मेरे से खो गया है, जिसकी नियमानुसार पुलिस रिपोर्ट मेरे द्वारा कराई जा चुकी है, मिलने पर सूचित करें। नवीन चंद्र थपलियाल - 9214593491

मेरे आवास संख्या फ्लैट नम्बर 31/69/10, वरूण पथ, मानसरोवर, जयपुर का मूल मुख्त्यारनामा आम व मूल कब्जा पत्र कही खो गया है। मिलने पर सूचित करे। विनेश कुमार जैन, मो. 9829150784

जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर
रामकिशोर व्यास भवन, इन्दिरा सर्किल, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर-302004
आम सूचना
क्रमांक:F-JDA/Zone-B/2026/D-417
आवेदक द्वारा ऑनलाईन आवेदन क्रमांक 322061 दिनांक 30/07/2026 को निम्नांकित भूखण्ड का Name Transfer With Patta जारी करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किये गये है

क्र.सं.-1, **आवेदक का नाम**-Sushila Modi W/o Shreekishan Modi (POA Vansh Modi S/o LT.Nitin Modi)(POA Advik Modi S/o LT.Nitin Modi) एवं Jyoti Modi W/o LT.NITIN MODI, **मूल आवंटी /लीजधारक का नाम**-श्रीमती सुशीला मोदी पत्नी स्व.श्री किशन मोदी एवं श्री नितिन मोदी, **भूखण्ड संख्या**-29, **भूखण्ड क्षेत्रफल**-111.11 SQ. YARD, **गृ.नि.स.स./निजी खातेदारी/जविप्रा योजना**-Cooperative, **योजना का नाम**-LAXMI COLONY (SCHEME NO 2), **सेवा जिसके लिए आवेदन किया गया**-Name Transfer With Patta, **कार्यवाही हेतु प्रस्तुत दस्तावेज**-लीजडीड मृत्यु प्रमाण पत्र सजरा शपथ पत्र वादविवाद शपथ पत्र

उक्त भूखण्ड का आवेदक के पक्ष में Name Transfer With Patta जारी करने पर किसी व्यक्ति, वारिस एवं संस्था को आपत्ति हो तो मय साक्ष्य के इस सूचना की प्रकाशन तिथि से 7 दिवस के भीतर jda.rajasthan.gov.in पर जाकर Objection module के माध्यम से आपत्ति सबमिट करें, अन्यथा आपत्ति प्रस्तुत नही करने की दशा में उक्त भूखण्ड की नियमानुसार कार्यवाही कर दी जावेगी।

उपायुक्त, जविप्रा, जोन-B

नम्बर मिलाइए 8890333139

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी, नगरपरिषद कुचामन सिटी

Email : co.mcorp.kuchaman@rajasthan.gov.in munibkcity@gmail.com
फ्रोन नं. 01586-220022 01586-221526

क्रमांक :- न.प.कु./2026-27/748 **लोक सूचना** दिनांक :-19.08.2026

अधोहस्ताक्षरी की जानकारी में यह लाया गया है कि नगरपरिषद् कुचामन सिटी तहसील कुचामन सिटी जिला डीडवाना-कुचामन में निम्नानुसार ग्राम दीपपुरा की वर्णित भूमि खातेधारी शुदा का आवासीय प्रयोजनों के लिए उपयोग किया जा रहा है/किया गया है :-

क्र.सं.	खसरा नम्बर	खाता नं.	रकबा	कॉलोनी का नाम क्षेत्र
1.	269, 270, 274, 275, 276, 633/278	110	7.00 हैक्टेयर में से 3.50 हैक्टेयर (श्री रतनाराम के हिस्से की)	रिंग रोड के पस, दीपपुरा

इसलिए उक्त भूमि या उसके भाग में व्यक्तियों के अधिकार/हित राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क की उप-धारा (8) के अधीन पर्यवसित किये जाने के दायी हैं।

अतः उक्त भूमि में हित रखने वाले प्रत्येक व्यक्ति को इसके द्वारा सूचित किया जाता है कि इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से 7 दिन के भीतर-भीतर कारण बतायें कि क्यों न उक्त भूमि पर उसके अधिकारों और हित को पर्यवसित कर दिया जाये और इसलिए क्यों न भूमि को राज्य सरकार में समस्त विल्लंगमों से मुक्त निहित किया जा सके।

यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन 2026 (वर्ष) के 08 (मास) के ..... दिन की जारी की जाती है।

नोट :- उक्त खसरा नम्बरान की भूमियों में नदी, नाला, तालाब पेटा, आबी, नियमन से निषिद्ध भूमियां तथा अवाप्तशुदा भूमियां, सिवायचक भूमियां शुमार नहीं होगी।

-प्राधिकृत अधिकारी
आयुक्त नगरपरिषद, कुचामन सिटी

मुझे लगता है कि भविष्य में अधिकतर देश टी20 खेलना चाहेंगे। टी20 ही भविष्य का खेल है। लेकिन सभी बोर्डों को यह समझना चाहिए कि टेस्ट क्रिकेट और वनडे क्रिकेट ही इस खेल का चरम है

- चमिंडा वास

श्रीलंका के पूर्व तेज गेंदबाज, टेस्ट और वनडे प्रारूपों को जीवित रखने को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी — **होल्गर रून**

डेनमार्क के स्टार टेनिस खिलाड़ी होल्गर रून ने एड़ी की चोट से उबरने के बाद सीधे ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट से प्रतिस्पर्धी टेनिस में वापसी नहीं करने का फैसला किया है। इसी कारण उन्होंने आगामी अमेरिकी ओपन 2026 से अपना नाम वापस ले लिया है। 23 वर्षीय रून 2025 में स्टॉकहोम सेमीफाइनल के दौरान एड़ी के पिछले हिस्से की चोट से जूझे थे और तब से उन्होंने कोई प्रतिस्पर्धी मुकाबला नहीं खेला है। उन्होंने आगे कहा, मेरी टीम और मैंने फैसला किया है कि वापसी के लिए मेरा पहला टूर्नामेंट कोई ग्रैंड स्लैम नहीं होगा। अमेरिकी ओपन, अगले साल मिलते हैं।

क्या आप जानते हैं ?... भारत विश्व कप के इतिहास के सभी 16 संस्करणों में खेलने वाली दुनिया की इकलौती टीम है।

बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप : ट्रीसा-गायत्री ने जीता कांस्य, चीनी जोड़ी से सेमीफाइनल में हारी

नई दिल्ली, 22 अगस्त। भारत की ट्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी ने बीडब्ल्यूएफ विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतकर इतिहास रच दिया। शनिवार को महिला युगल सेमीफाइनल में भारतीय जोड़ी को शीर्ष वरीयता प्राप्त और मौजूदा विश्व चैंपियन चीन की लियू शेंग शू और तान निंग के हाथों 21-18, 13-21, 8-21 से हार का सामना करना पड़ा।

इसके बावजूद ट्रीसा और गायत्री विश्व चैंपियनशिप में पदक जीतने वाली भारत की पहली महिला युगल जोड़ी बन गई हैं, क्योंकि इससे पहले 2011 में ज्वाला गुट्टा और अश्विनी पोनप्पा ने कांस्य पदक जीता था।

पहले गेम में भारतीय जोड़ी का दबदबा : इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में घरेलू दर्शकों के समर्थन के बीच ट्रीसा और गायत्री ने शानदार शुरुआत करते हुए 7-2 की बढ़त बना ली। हालांकि चीनी जोड़ी ने लगातार नौ अंक हासिल कर मध्यांतर तक 11-7 की बढ़त बना ली।

ब्रेक के बाद भारत ने जोरदार वापसी की और लगातार पांच अंक लेकर स्कोर 12-12 से बराबर कर दिया। चीन ने 18-16 की बढ़त बनाई, लेकिन भारतीय जोड़ी ने फिर लगातार पांच अंक हासिल किए। ट्रीसा के शानदार क्रॉस-कोर्ट स्मैश की मदद से भारत ने पहला गेम 21-18 से अपने नाम कर लिया।

चीन ने दूसरे गेम में की वापसी: दूसरे गेम में भी भारतीय जोड़ी ने कड़ा मुकाबला किया और मध्यांतर तक 11-10 से आगे रही। इसके बाद लियू और तान ने अपनी मजबूत रक्षात्मक क्षमता का प्रदर्शन किया। 49 शॉट की लंबी रैली ने भी चीनी जोड़ी का आत्मविश्वास बढ़ाया। चीन ने इसके बाद लगातार सात अंक हासिल किए और दूसरा गेम 21-13 से जीतकर मुकाबले को निर्णायक गेम में पहुंचा दिया।

निर्णायक गेम में भारत की चुनौती खत्म : तीसरे गेम में चीनी जोड़ी ने शुरुआत से ही दबदबा बनाए रखा। 56 शॉट की मैच की सबसे लंबी रैली के बाद लियू और तान ने मध्यांतर तक 11-5 की बढ़त बना ली। ब्रेक के बाद भारतीय खिलाड़ियों से कुछ गलतियां हुईं, जिसका चीन ने पूरा फायदा उठाया। चीनी जोड़ी ने तीसरा गेम 21-8 से जीतकर फाइनल में जगह बना ली। हालांकि सेमीफाइनल में हार के बावजूद ट्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद ने कांस्य पदक अपने नाम कर भारतीय बैडमिंटन के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की।

पूर्व विश्व चैंपियन मुक्केबाज टेटे की दक्षिण अफ्रीका में हत्या

नई दिल्ली, 22 अगस्त। पूर्व विश्व चैंपियन मुक्केबाज ज़ोलानी टेटे की दक्षिण अफ्रीका में स्थित उनके आवास के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी गई। दक्षिण अफ्रीका के खेल, कला और संस्कृति मंत्री गेयटन मैकेंजी ने कहा कि 38 वर्षीय टेटे की उनकी कार में ही हत्या कर दी गई। उनके साथ वाहन में मौजूद 27 वर्षीय महिला को कई गोलियां लगीं और वह अस्पताल में भर्ती है। टेटे ने 2007-2008 में डब्ल्यूबीएफ फ्लाईवेट श्रेणी में और 2017 और 2019 में डब्ल्यूबीओ बैंटमवेट श्रेणी में विश्व मुक्केबाजी खिताब जीते थे। पुलिस ने बताया कि यह घटना तब घटी जब टेटे पूर्वी केप के मडांटसेन में अपने आवास पर गेट खुलने का इंतजार कर रहे थे।

भारतीय टीम श्रीलंका में दूसरा टेस्ट जीतकर 3 साल बाद विदेशी श्रृंखला जीतने उतरेगी

नई दिल्ली, 22 अगस्त। पहले टेस्ट मैच में बड़ी जीत से उत्साहित भारतीय टीम श्रीलंका के खिलाफ रविवार से यहां शुरू होने वाले दूसरे और अंतिम टेस्ट क्रिकेट मैच में अपना विजय अभियान जारी रखकर विदेशी धरती पर तीन साल में पहली टेस्ट श्रृंखला जीतने की कोशिश करेगी जबकि कप्तान शुभमन गिल और सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल की निगाह बड़ा स्कोर बनाने पर होगी। भारत ने विदेश में अपनी आखिरी टेस्ट श्रृंखला जुलाई 2023 में वेस्टइंडीज के खिलाफ जीती थी।

उसके बाद से भारत को ऑस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा जबकि उसने दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड के साथ उनके घरेलू मैदान पर श्रृंखला बराबर की थी। इस बीच उसे न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका से घरेलू धरती पर हार का सामना करना पड़ा था। लेकिन अब भारत ने गॉल में खेले गए पहले टेस्ट में 165 रन की शानदार जीत के साथ कुछ हद तक वापसी की है जिससे कप्तान गिल और मुख्य कोच गौतम गंभीर को राहत मिली होगी। भारत अगर इस श्रृंखला में 2-0 से क्लीन स्वीप कर लेता है, तो वह 57.58 प्रतिशत अंकों के साथ विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) रैंकिंग में चौथे स्थान पर पहुंच सकता है। लेकिन यह बांग्लादेश की ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में हार पर ही संभव हो पाएगा। डार्विन में पहले टेस्ट में ऐतिहासिक जीत दर्ज करने वाला बांग्लादेश अभी चौथे स्थान पर है। भारत को इस मैच में गिल और जायसवाल से बड़ी पारी की उम्मीद रहेगी। कुलदीप ने शुक्रवार को अभ्यास सत्र में भाग नहीं लिया था जिससे यह कयास लगाए जा रहे हैं कि उन्हें अंतिम एकादश में जगह नहीं मिलेगी। लेकिन अंतिम निर्णय काफी हद तक यहां की पिच पर निर्भर करता है, जिसे पिछले दो दिनों में पानी डालकर उसकी पकड़ बनाए रखी गई है। श्रीलंका को अगर श्रृंखला में वापसी करनी है तो उसके शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों को धैर्य के साथ खेलना होगा। उन्हें उम्मीद होगी कि शानदार फॉर्म में चल रहे कामिल मिशारा और साहन अरच्चिगे को टीम में शामिल करने से सकारात्मक बदलाव आएगा।

भारत के लिए ट्रॉफी जीतना ही मुख्य लक्ष्य : गौतम गंभीर

नई दिल्ली, 22 अगस्त। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने शनिवार को तीन मैचों की टेस्ट श्रृखला की पैरवी करते हुए कहा कि दो मैचों की सीरीज में पहला मुकाबला हारने वाली टीम पर अनावश्यक दबाव पड़ता है और उसके पास वापसी का पर्याप्त अवसर नहीं रहता। भारत और श्रीलंका के बीच इस समय दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला खेली जा रही है। शुभमन गिल की अगुवाई वाली भारतीय टीम गॉल में पहला टेस्ट 165 रन से जीतकर सीरीज में 1-0 से आगे है। मैच से पहले संवाददाता सम्मेलन में गंभीर ने कहा, आदर्श रूप से मैं तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला चाहूंगा। मेरा हमेशा से मानना रहा है कि जो टीम पहला टेस्ट हारती है, उसके पास वापसी करके श्रृंखला जीतने का मौका होना चाहिए। उन्होंने कहा, दो टेस्ट की सीरीज में अगर आप पहला मैच हार जाते हैं तो दूसरी टीम के पास वापसी करके सीरीज जीतने का कोई मौका नहीं रहता। अधिकतम आप श्रृंखला ड्रॉ कराने की कोशिश कर सकते हैं। गंभीर ने 2001 की भारत-ऑस्ट्रेलिया टेस्ट श्रृंखला को याद करते हुए कहा, मुझे आज भी भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच वह सीरीज याद है, जिसमें भारत 0-1 से पिछड़ गया था, लेकिन उसने शानदार वापसी करते हुए सीरीज 2-1 से जीत ली थी। दो टेस्ट मैचों की सीरीज में अक्सर दोनों मुकाबलों के बीच आराम का समय कम होता है। हालांकि, गंभीर ने इसे लेकर चिंता नहीं जताई। उन्होंने कहा, कम अंतराल। यह ठीक है। दूसरी टीमें भी ऐसा कर रही हैं। एक पेशेवर क्रिकेटर के तौर पर हम जानते हैं कि अपने शरीर को कैसे संभालना है। यही कारण है कि कुछ दिन हम खिलाड़ियों को वैकल्पिक अभ्यास की अनुमति देते हैं। उन्होंने कहा कि मौजूदा परिस्थितियों में अनुभवी खिलाड़ियों के लिए लगातार खेलना मुश्किल हो सकता है और इसलिए टीम प्रबंधन उनके कार्यभार को संभालने की कोशिश करता है। लगातार खराब नतीजों के बाद हो रही आलोचनाओं और 'बाहरी शोर' से बेपरवाह भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर का मानना है कि उनका पूरा ध्यान भारत के लिए ट्रॉफियां जीतने पर है। गंभीर के मुख्य कोच बनने के बाद भारत को न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू टेस्ट श्रृंखला में हार का सामना करना पड़ा, जबकि ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भी टीम को करारी शिकस्त झेलनी पड़ी। इंग्लैंड के खिलाफ उसकी धरती पर 2-2 से टेस्ट श्रृंखला ड्रॉ करना उनके कार्यकाल में एक सकारात्मक पहलू रहा है।

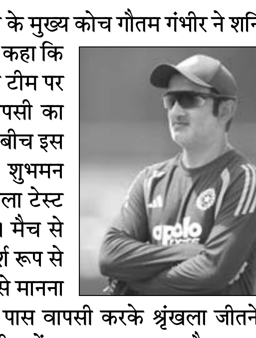

टेनिस खिलाड़ी सेरेना विलियम्स, अल्कारेज के साथ मिक्स्ड डबल्स खेलेंगी

नई दिल्ली, 22 अगस्त। सेरेना विलियम्स यूएस ओपन में कार्लोस अल्कारेज के साथ मिक्स्ड डबल्स खेलेंगी। यूएस टेनिस एसोसिएशन ने शनिवार को बताया कि विलियम्स और अल्कारेज को टूर्नामेंट के लिए वाइल्ड कार्ड दिया गया है। मिक्स्ड डबल्स का मेन ड्रॉ मंगलवार से शुरू होगा। यह 2022 के बाद सेरेना का पहला यूएस ओपन होगा। वहीं स्पेन के खिलाड़ी कार्लोस अल्कारेज डिफेंडिंग चैंपियन हैं। उन्होंने 2025 का खिताब जीता था। सेरेना 2022 के बाद यूएस ओपन में पहली बार उतरेंगी। 23 बार की ग्रैंड स्लैम सिंगल्स चैंपियन टेनिस में वापस लौटी हैं। विलियम्स ने अभी यह नहीं बताया है कि वह न्यूयॉर्क में सिंगल्स खेलेंगी या नहीं। इसके लिए एसोसिएशन ने एक महिला वाइल्ड कार्ड अभी बचाकर रखा है। विलियम्स ने विंबलडन में सिंगल्स खेला था। इसके बाद उन्होंने सिनसिनाटी ओपन में अपनी बड़ी बहन वीनस के साथ डबल्स खेला था।

नीदरलैंड से 0-2 से हारी भारतीय टीम, डिफेंस ने दिखाया दम

एम्सटेलवीन, 22 अगस्त। भारतीय गोलकीपरों सविता और बिछू की अगुवाई में भारतीय डिफेंस ने साहसिक प्रदर्शन किया लेकिन पेरिस ओलंपिक और पिछले तीन बार की विश्व चैम्पियन नीदरलैंड की टीम ने एफआईएच विश्व कप के दूसरे दौर के पहले मुकाबले में शुक्रवार को 2 - 0 से जीत दर्ज की। इंग्लैंड के खिलाफ पिछले मैच में बारह पेनल्टी कॉर्नर बचाने वाले भारतीय गोलकीपरों और डिफेंडरों ने दुनिया की नंबर एक टीम को खचाखच भरे वेगनेर स्टेडियम पर खुलकर खेलने नहीं दिया। पहले दौर में तीन मैचों में पंद्रह गोल करने वाली डच टीम के लिये दूसरे मिनट में यिब्बी यानसेन ने और 38वें मिनट में फ्रेडरिक माल्टा ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल दागे। नीदरलैंड को आखिरी सेकंडों में भी पेनल्टी कॉर्नर मिला जिसे सविता ने रोक दिया। भारत को अब रविवार को आस्ट्रेलिया से खेलना है और सेमीफाइनल की उम्मीदें बचाये रखने के लिये उसे हर हालत में यह मैच जीतना होगा। नीदरलैंड टीम पेरिस ओलंपिक और पिछले विश्व कप में एक भी मैच नहीं हारी।

भारत मेंस हॉकी वर्ल्डकप में नीदरलैंड से 3-1 से हारा

एम्सटेलवीन, 22 अगस्त। भारतीय हॉकी टीम मेंस हॉकी वर्ल्ड कप में नीदरलैंड के खिलाफ 3-1 से हार गई है। इसी के साथ वर्ल्ड नंबर-1 सेमीफाइनल में पहुंच गई। एमस्टेलवीन के वैगनर हॉकी स्टेडियम में शनिवार को मिली हार से भारत के सेमीफाइनल की राह कठिन हो गई है। अब भारत को 24 अगस्त को होने वाले मैच में अर्जेंटीना से 6 से ज्यादा गोल के अंतर से जीतना होगा। साथ ही इंग्लैंड के दोनों मैच हारने की दुआ करनी होगी। 49वें मिनट में हेडेमेकर्स ने फील्ड गोल करके बढ़त दोगुनी कर ली। इससे पहले 41वें मिनट में डुको टेलगेनकैंप ने पहला फील्ड गोल किया । 53वें मिनट में वैन डैम ने गोल करके बढ़त को 3-1 कर दिया। कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने 51वें मिनट में मिले पेनल्टी कॉर्नर पर गोल स्कोर किया। पहले हाफ में नीदरलैंड ने पेनल्टी कॉर्नर बनाए। जबकि, भारतीय टीम ने फील्ड गोल के मौके बनाए। हालांकि, अब तक कोई टीम गोल स्कोर नहीं कर सकी। यह मैच देखने के लिए क्रिकेट के महान खिलाड़ी स्टीव वॉ, राहुल द्रविड़ और हॉकी के दिग्गज जेमी ड्वायर और ट्ययून डी नूयर मौजूद रहे।

मुंबई इंडियंस ने जुबिन भरूचा को अपनी फ्रेंचाइजी का प्रदर्शन निदेशक नियुक्त किया

नई दिल्ली, 22 अगस्त। मुंबई इंडियंस ने शनिवार को जुबिन भरूचा को अपनी फ्रेंचाइजी का प्रदर्शन निदेशक नियुक्त किया जो फ्रेंचाइजी के पूरे तंत्र में नेतृत्व टीम के साथ मिलकर काम करेंगे। मुंबई और सरे के लिए प्रथम श्रेणी क्रिकेट खेल चुके भरूचा अब पांच बार की आईपीएल विजेता टीम मुंबई इंडियंस से जुड़ गए हैं। इसके साथ ही राजस्थान रॉयल्स के साथ उनका लंबा कार्यकाल समाप्त हो गया जिसमें उन्होंने कई महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाईं। मुंबई इंडियंस ने एक बयान में कहा, "जुबिन भरूचा प्रदर्शन निदेशक के तौर पर मुंबई इंडियंस से जुड़ रहे हैं और फ्रेंचाइजी के पूरे तंत्र में प्रदर्शन से जुड़े सभी क्षेत्र में नेतृत्व समूह के साथ मिलकर काम करेंगे।

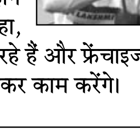

स्टार्क का कहर, मैकाय टेस्ट के पहले दिन गिरे 18 विकेट; ऑस्ट्रेलिया को 101 रनों की बढ़त

मैकाय, 22 अगस्त । ऑस्ट्रेलिया और बांग्लादेश के बीच मैकाय में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट के पहले दिन गेंदबाजों का दबदबा रहा और कुल 18 विकेट गिरे। बाएं हाथ के तेज गेंदबाजों मिशेल स्टार्क और शोरिफुल इस्लाम के शानदार छह-छह विकेट के प्रदर्शन ने मैच को रोमांचक बना दिया। ऑस्ट्रेलिया ने बांग्लादेश को पहली पारी में महज 64 रन पर समेटने के बाद दिन का खेल खत्म होने तक आठ विकेट पर 165 रन बना लिए हैं और उसे 101 रनों की बढ़त हासिल है।

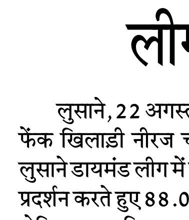

टॉस जीतकर ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने बांग्लादेश को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। मिशेल स्टार्क ने मैच की पहली ही गेंद पर शादमान इस्लाम को गली में कैच कराकर अपना खाता खोला। इसके बाद उन्होंने बांग्लादेश के शीर्ष क्रम को तहस-नहस कर दिया। बांग्लादेश ने सात ओवर के भीतर 12 रन पर पांच विकेट गंवा दिए थे।

स्टार्क ने 22 गेंदों के भीतर पांच विकेट झटक लिए थे। मुशफिकुर रहीम ने कुछ देर उनका हैट्रिक लेने का मौका रोक दिया। मेहदी हसन मिराज और हसन महमूद ने पारी को कुछ समय संभाला और लंच तक बांग्लादेश का स्कोर छह विकेट पर 35 रन था।

नीरज चोपड़ा का सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन, लुसाने डायमंड लीग में 88.05 मीटर के साथ दूसरे स्थान पर

लुसाने, 22 अगस्त। भारत के स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने शुक्रवार को लुसाने डायमंड लीग में सत्र का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 88.05 मीटर का थ्रो किया, लेकिन वह खिताब जीतने से महज नौ सेंटीमीटर से चूक गए। श्रीलंका के रुमेश पथिरागे ने 88.14 मीटर के थ्रो के साथ पहला स्थान हासिल किया।

ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स 86.69 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ तीसरे स्थान पर रहे। 2026 राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक जीतकर उतरे नीरज ने पहले प्रयास में 83.54 मीटर का थ्रो किया। इसके बाद दूसरे प्रयास में उन्होंने 88.05 मीटर की दूरी तय कर सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। दूसरे दौर के बाद नीरज शीर्ष पर चल रहे थे। नीरज का यह पिछले साल जून में पेरिस डायमंड लीग के बाद पहला 88 मीटर से अधिक का थ्रो भी रहा। हालांकि, राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता पथिरागे ने तीसरे प्रयास में 88.14 मीटर का थ्रो कर नीरज को पीछे छोड़ दिया।

दोनों खिलाड़ियों के प्रदर्शन में महज नौ सेंटीमीटर का अंतर रहा, लेकिन यह अंतर पथिरागे के लिए खिताब जीतने के लिए पर्याप्त साबित हुआ। यह इस साल डायमंड लीग में पथिरागे की तीसरी जीत है। इससे पहले उन्होंने रोम और दोहा में भी खिताब जीता था।

इस परिणाम के साथ पथिरागे के खिलाफ नीरज का आमने-सामने का रिकॉर्ड 0-3 हो गया है। अब नीरज की नजर आगामी एशियाई खेलों पर होगी, जहां वह सत्र का अपना पहला खिताब जीतकर वापसी करना चाहेंगे।

प्रीमियर लीग में आर्सेनल ने कोवेंट्री सिटी को 3-0 से हराया

नई दिल्ली, 22 अगस्त। मौजूदा चैंपियन आर्सेनल ने प्रीमियर लीग फुटबॉल टूर्नामेंट के पहले मैच में कोवेंट्री सिटी पर 3-0 की जीत के साथ खिताब बचाने अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। फ्रांस में अमीन गौरी के दूसरे हाफ में किए गए दो गोल की बदौलत मार्सिले ने लीग1 के पहले ही मैच में स्ट्रासबर्ग को 4-0 से करारी शिकस्त दी। स्पेनिश लीग ला लिगा में रियाल बेटिस ने रियाल सोसिएदाद को 1-0 से हराकर क्लीन शीट (मैच में गोल खाए बिना जीतना) हासिल की। प्रीमियर लीग खिताब के लिए 22 साल के इंतजार को खत्म करने के बाद आर्सेनल ने दमदार शुरुआत करके दिखा दिया कि वह फिर से चैंपियन बनने का प्रबल प्रबल दावेदार क्यों है। उसकी तरफ से काई हैवर्त्ज़, बुकायो साका और मार्टिन ओडेगार्ड ने गोल किए। इनमें क्रिस्टोस जोलिस ने दो गोल करने में मदद की।

फिलाडेल्फिया के खिलाड़ी से भिड़ने पर मेसी पर लगा जुर्माना

मियामी, 22 अगस्त । इंटर मियामी के स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेसी पर मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) ने फिलाडेल्फिया यूनियन के खिलाड़ी क्विन सुलिवन के साथ शुक्रवार को मैदान पर हुई झड़प के मामले में अज्ञात राशि का जुर्माना लगाया है। मेसी के इंटर मियामी साथी इयान फ्रे पर भी जुर्माना लगाया गया है। यह घटना मैच के अतिरिक्त समय के 11वें मिनट में हुई, जब मेसी गेंद के खेल में होने के दौरान क्विन सुलिवन का सामना करने के लिए सेंटर सर्किल की ओर पहुंचे। दोनों के बीच कुछ देर बातचीत हुई, जिसके बाद मेसी ने सुलिवन की गर्दन के पीछे हाथ मारा। एमएलएस की अनुशासन समिति ने कहा कि मेसी और फ्रे पर विपक्षी खिलाड़ी के चेहरे, सिर या गर्दन पर हाथ लगाने संबंधी लीग की नीति का उल्लंघन करने के लिए जुर्माना लगाया गया है।

दलीप ट्रॉफी आज से, छह क्षेत्रीय टीमें खिताब के लिए भिड़ेंगी

नई दिल्ली, 22 अगस्त । दलीप ट्रॉफी 2026-27 का आगाज 23 अगस्त से होगा। प्रतिष्ठित घरेलू टूर्नामेंट में छह क्षेत्रीय टीमें खिताब के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी। टूर्नामेंट में भारतीय टीम के कई अनुभवी खिलाड़ियों के साथ उभरते सितारे भी प्रतिभा दिखाएंगे। गत चैंपियन साउथ जोन सेमीफाइनल से अपने अभियान की शुरुआत करेगा। सेंट्रल जोन को भी अंतिम चार में सीधे प्रवेश मिला है। वहीं, नॉर्थ जोन, वेस्ट जोन, ईस्ट जोन और नॉर्थ ईस्ट जोन क्वार्टर फाइनल में उतरेंगे। क्वार्टर फाइनल के विजेता सेमीफाइनल में पहुंचेंगे। रजत पाटीदार सेंट्रल जोन की कप्तानी करेंगे, जबकि तिलक वर्मा साउथ जोन के कप्तान होंगे। ऋतुराज गायकवाड़ वेस्ट जोन, ईशान किशन ईस्ट जोन, जोनाथन रोंगसेन नॉर्थ-ईस्ट जोन और कन्हैया वाधवान नॉर्थ जोन कमान संभालेंगे।

जयपुर में शुरू हुई राज्य स्तरीय अंडर 19 डूंगरपुर ट्रॉफी

जयपुर, 22 अगस्त। राजस्थान क्रिकेट संघ के तत्वाधान में आज से जयपुर में शुरू हुई राज्य स्तरीय अंडर 19 डूंगरपुर ट्रॉफी के पहले दिन खेले गए लीग मैचों के परिणाम :- राज्य स्तरीय अंडर 19 डूंगरपुर ट्रॉफी (पहले दिन जयपुर - भीलवाड़ा (जयपुर जीती), भरतपुर - श्रीगंगानगर (भरतपुर सुपर ओवर में जीती), नागौर - कोटा (कोटा जीती), बाड़मेर - प्रतापगढ़ (बाड़मेर जीती), धौलपुर - बीकानेर (बीकानेर जीती), उदयपुर - सीकर (सीकर जीती), जैसलमेर - राजसमंद (राजसमंद जीती), झालावाड़ - जोधपुर (जोधपुर जीती), टोंक -झुंझनू(झुंझुनू जीती।

राजस्थान के विकेट कीपरबल्लेबाज रजत बघेल बीसीसीआई सेंटर ऑफ़ एक्सीलेन्स शिविर के लिए चयनित : बीसीसीआई सेंटर ऑफ़ एक्सीलेन्स द्वारा देश के युवा प्रतिभावान विकेट कीपर को उच्च स्तरीय प्रशिक्षण देने हेतु आगामी 24 अगस्त से बेंगलोर स्थितबीसीसीआई सेंटर ऑफ़ एक्सीलेन्समें आयोजित होने वाले विशेष उच्च स्तरीय विकेट कीपर प्रशिक्षण शिविर के लिए राजस्थान के युवा प्रतिभावान विकेट कीपर बल्लेबाज रजत बघेल का चयन किया है। बीसीसीआई सेंटर ऑफ़ एक्सीलेन्स , बेंगलोरमें विशेष उच्च स्तरीय विकेट कीपर प्रशिक्षण शिविर आगामी 24 अगस्त से 29 अगस्त 2026 को आयोजित किया जायेगा।

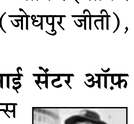

आरयू रेजिडेंशियल अकादमी राष्ट्रीय मंच पर प्रदुन्ना चांगमई का भारत की अंडर-15 टीम के राष्ट्रीय कैंप के लिए चयन

जयपुर, 22 अगस्त। राजस्थान यूनाइटेड रेजिडेंशियल अकादमी को यह घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है कि असम के उभरे हुए युवा फुटबॉलर प्रदुन्ना चांगमई का भारत की अंडर-15 पुरुष राष्ट्रीय टीम के कैंप के लिए चयन हुआ है। यह कैंप 2011 और 2012 में दौड़ने वाले खिलाड़ियों के लिए आयोजित किया जा रहा है। यह कैंप अंडर-15 फीफा विश्व कप/फेस्टिवल की तैयारियों के तहत आयोजित किया जा रहा है, जिसका आयोजन 22 से 31 अक्टूबर 2026 तक अजरबैजान में किया जाना है। प्रदुन्ना चांगमई का चयन उनके विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है और यह असम तथा राजस्थान यूनाइटेड रेजिडेंशियल अकादमी दोनों के लिए गर्व का क्षण है। उनका चयन उनकी निरंतर मेहनत, प्रगति और मैदान पर लगातार बेहतर प्रदर्शन का परिणाम है। साथ ही, यह युवा फुटबॉल के विकास में अकादमी के बढ़ते योगदान को भी बरकरार है।

असम से आने वाले चांगमई ने राजस्थान यूनाइटेड रेजिडेंशियल अकादमी में अपने फुटबॉलिंग सफर को आगे बढ़ाया। राष्ट्रीय स्तर तक उनकी यह यात्रा देशभर से युवा प्रतिभाओं को परिचित और उन्हें एक जुटा एवं पेशेवर फुटबॉल विकास प्रणाली के माध्यम से आगे बढ़ाने के अकादमी के निरंतर प्रयासों को उजागर करती है।

राजस्थान यूनाइटेड एफसी के डिवीजन के.के. टाक ने प्रदुन्ना चांगमई को बधाई देते हुए कहा: प्रदुन्ना का भारत की अंडर-15 राष्ट्रीय टीम के कैंप के लिए चयन राजस्थान यूनाइटेड रेजिडेंशियल अकादमी के लिए गर्व का क्षण है। असम से राष्ट्रीय मंच तक का उनका सफर उनकी मेहनत और हमारी अकादमी की निरंतर प्रगति को बरकरार है। हम अपने युवा विकास कार्यक्रम को और मजबूत करने तथा अपने खिलाड़ियों के लिए देश का प्रतिनिधित्व करने के अधिक अवसर तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। मैं प्रदुन्ना को कैंप और उनके आगामी सफर के लिए शुभकामनाएं देता हूं। राजस्थान यूनाइटेड रेजिडेंशियल अकादमी युवा प्रतिभाओं को विकसित करने और खिलाड़ियों को भारतीय फुटबॉल के सर्वोच्च स्तर तक पहुंचने के लिए एक मजबूत और स्पष्ट मार्ग प्रदान करने की दिशा में लगातार कार्य करती रहेगी।

लिवरपूल के मिडफील्डर कर्टिस जोन्स इंटर मिलान से जुड़े

रोम, 22 अगस्त । लिवरपूल के मिडफील्डर कर्टिस जोन्स ने इंटर मिलान के साथ करार पूरा कर लिया। इसके साथ ही वह इस गर्मियों में इटली के इस क्लब से जुड़ने वाले तीसरे इंग्लिश खिलाड़ी बन गए हैं।

25 वर्षीय जोन्स लिवरपूल में 16 साल बिताने के बाद पहली बार इंग्लैंड से बाहर खेलने जाएंगे। वह इंटर मिलान में इंग्लैंड के जॉन स्टोन्स और डीजेड स्पेंस के साथ जुड़ेंगे। इंटर के इतिहास में जोन्स क्लब के लिए खेलने वाले छठे इंग्लिश खिलाड़ी होंगे। इंटर मिलान ने एक बयान में कहा कि जोन्स के लिए अब एक नई और शानदार चुनौती का समय है और वह अपने पूरे करियर के दौरान साथ रही आत्मविश्वास की भावना के साथ इस नए सफर की शुरुआत करेंगे। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, जोन्स का यह करार करीब 3.5 करोड़ यूरो (लगभग 4.08 करोड़ अमेरिकी डॉलर) का है।

राजस्थान स्टेट सिलेक्शन जूनियर शतरंज प्रतियोगिता में दूसरे दिन बड़े उलटफेर, शीर्ष खिलाड़ियों को मिली कड़ी चुनौती

जयपुर, 22 अगस्त। राजस्थान चेस एसोसिएशन के निर्देशन एवं जयपुर जिला शतरंज संघ के तत्वावधान में आयोजित राजस्थान स्टेट सिलेक्शन जूनियर (-19) रेटिंग शतरंज प्रतियोगिता-ओपन एवं गर्ल्स 2026 के दूसरे दिन मुकाबलों में कई बड़े उलटफेर देखने को मिले। प्रतियोगिता के चौथे और पांचवें राउंड में कई कम वरीयता प्राप्त खिलाड़ियों ने मजबूत एवं ऊंची रेटिंग वाले खिलाड़ियों को हराकर अंक तालिका में रोमांच बढ़ा दिया। जयपुर जिला शतरंज संघ के सचिव जयेंद्र चतुर्वेदी ने बताया कि प्रतियोगिता में प्रदेश के युवा खिलाड़ियों को उच्च स्तरीय प्रतिस्पर्धा का अनुभव देने के साथ उन्हें अपनी रेटिंग सुधारने और राज्य स्तर पर चयन का अवसर उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि अंतिम दो राउंड में मुकाबले बेहद महत्वपूर्ण होंगे और अंक तालिका में कई बदलाव देखने को मिल सकते हैं। प्रतियोगिता में 1 लाख रुपये की पुरस्कार राशि दांव पर है और ओपन एवं गर्ल्स वर्ग में प्रदेशभर के खिलाड़ी राज्य स्तरीय चयन के लिए जोरदार मुकाबला कर रहे हैं।

एमजीडी गर्ल्स स्कूल में चार दिवसीय इंटर-हाउस खेलकूद प्रतियोगिता संपन्न

जयपुर, 22 अगस्त। महारानी गायत्री देवी (एमजीडी) गर्ल्स स्कूल में आयोजित चार दिवसीय वार्षिक इंटर-हाउस गेम्स एवं स्पोर्ट्स टूर्नामेंट 2026-27 शनिवार को उत्साहपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। प्रतियोगिता की शुरुआत 19 अगस्त को निदेशिका श्रीमती अर्चना एस. मनकोटिया की प्रेरणादायी उपस्थिति और पारंपरिक खेल शपथ के साथ हुई थी, जिसके बाद चारों सदनों-फ्लोरेंस नाइटिंगेल, मैडम क्यूरी, हेलेन केलर और सरोजिनी नायडू हाउस-के बीच विभिन्न खेल विधाओं में कड़ा मुकाबला देखने को मिला। शुरुआती दौर के मुकाबलों के बाद प्रतियोगिता में मैडम क्यूरी हाउस ने अपना दबदबा साबित करते हुए टेनिस और सीनियर बैडमिंटन के खिताबी मुकाबलों में पहला स्थान हासिल किया, जबकि टेबल टेनिस के फाइनल में हेलेन केलर हाउस विजयी रहा। इसके साथ ही खो-खो, बास्केटबॉल, थ्रोबॉल, 6-ए-साइड हॉकी और क्रिकेट जैसे प्रमुख टीम इवेंट्स में भी सभी सदनों के खिलाड़ियों ने शानदार तालमेल और कौशल का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के चौथे और अंतिम दिन मैदान पर एथलेटिक्स की रोमांचक स्पर्धाएं आयोजित की गईं, जिनमें अंडर-19 हैमर थ्रो, अंडर-17 व 19 जैवलिन थ्रो और अंडर-14 शटल रिले मुख्य आकर्षण रहीं। अंतिम दिन का सबसे रोचक हिस्सा विद्यार्थियों और शिक्षिकाओं के बीच आयोजित दोस्ताना मुकाबले रहे, जिसमें शिक्षक वर्ग ने अपनी रणनीतिक पकड़ के दम पर बास्केटबॉल और थ्रोबॉल दोनों मैचों में जीत दर्ज की। खेल भावना, अनुशासन और आपसी तालमेल के साथ इस चार दिवसीय खेल उत्सव का सफलतापूर्वक समापन हुआ।

यूएई के इकोनॉमी एवं टूरिज्म मंत्री से राजस्थान पोलो क्लब के अधिकारियों की अनौपचारिक मुलाकात

जयपुर, 22 अगस्त। राजस्थान पोलो क्लब में यूएई के इकोनॉमी एवं टूरिज्म मंत्री एच.ई. अब्दुल्लाह बिन तौक अल मारी से अनौपचारिक मुलाकात हुई। इस दौरान राजस्थान और यूएई के बीच पर्यटन, पोलो और आपसी सहयोग से जुड़े विभिन्न विषयों पर सार्थक चर्चा हुई। मुलाकात के दौरान राजस्थान की समृद्ध पर्यटन एवं पोलो परंपरा से जुड़े विषयों पर भी विचार-विमर्श किया गया।

इसके पश्चात, यूएई प्रतिनिधिमंडल ने जयपुर पोलो टीम के पोनीज एवं मारवाड़ी घोड़ों का निरीक्षण किया और उनके बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त की।

इस अवसर पर यूएई का प्रतिनिधिमंडल और राजस्थान पोलो क्लब के अधिकारी उपस्थित रहे। यूएई के प्रतिनिधिमंडल से टूरिज्म एक्सपर्ट, मिनिस्ट्री ऑफ इकोनॉमी एंड टूरिज्म, यूएई, मोहम्मद अब्दुलहमीद एलनागर; डायरेक्टर, टूरिज्म डेवलपमेंट डिपार्टमेंट, मिनिस्ट्री ऑफ इकोनॉमी एंड टूरिज्म, यूएई, मोहम्मद थियाब अलअहबाबी; सीनियर इकोनॉमिक अफेयर्स स्पेशलिस्ट, एम्बेसी ऑफ द यूएई इन इंडिया, राशिद अमीरी; प्रोटोकॉल्स प्रिंसिपल एडमिनिस्ट्रेटिव, एच.ई. यूएई मिनिस्टर ऑफिस, इब्राहिम अलअलावी; भारत में यूएई के डेजिग्नेटेड ऐम्बेसेडर, एच.ई. अब्दुल्लाह सैफ अल नुआइमी; डिवाइन मैजेस्टी हॉर्समैनशिप, दिलीप करण सिंह; सीनियर इकोनॉमिक रिसर्चर, यूएई एम्बेसी इन इंडिया, दिव्या सिंघानिया; चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर, जेए रिसॉर्ट्स एंड होटल्स, राल्फ पोर्सियानी; सीनियर इकोनॉमिक रिसर्चर, यूएई एम्बेसी इन इंडिया, संदीप गुप्ता उपस्थित रहे। वहीं, राजस्थान पोलो क्लब से मानद सचिव, दिग्विजय सिंह और ज्वाइंट सेक्रेटरी, विक्रमादित्य सिंह बरकाना उपस्थित थे।

यूसीसी का उद्देश्य सभी नागरिकों के लिए समान कानूनी व्यवस्था लागू करना है- भजनलाल

इस विधेयक में बेटियों को पैतृक संपत्ति में बराबर अधिकार देने व बहुविवाह पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने के प्रावधान हैं

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर, 22 अगस्त। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान सरकार ने "समान नागरिक संहिता विधेयक-2026" (यू.सी.सी. विधेयक) को विधानसभा के मानसून सत्र में पेश किया है। संसदीय कार्यमंत्री डॉ. जोगाराम पटेल ने 21 अगस्त को यह विधेयक सदन में रखा था। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का कहना है कि 309 पन्नों और 403 धाराओं वाले इस विधेयक का उद्देश्य विवाह, तलाक, उत्तराधिकार, भरण-पोषण, गोद लेने और लिव-इन संबंधों जैसे व्यक्तिगत मामलों में सभी नागरिकों के लिए समान कानूनी व्यवस्था लागू करना है। यहां तक कि बेटियों को पैतृक संपत्ति में बराबर अधिकार देने तथा बहुविवाह पर पूर्ण प्रतिबंध जैसे प्रावधान भी रखे गए हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का कहना है कि, प्रस्तावित कानून के तहत जीवित जीवनसाथी के रहते दूसरा विवाह प्रतिबंधित और अमान्य होगा। विवाह के 60 दिनों के भीतर पंजीकरण कराना अनिवार्य होगा। ऐसा नहीं करने पर 10 हजार रुपए तक के जुर्माने का प्रावधान किया गया है।

यूसीसी विधेयक-2026 में वसीयत, विरासत और पैतृक संपत्ति में विवाहित और अविवाहित बेटियों को बेटों के समान अधिकार देने का प्रावधान है।

इस प्रस्तावित कानून में लिव-इन संबंध में रहने वाले जोड़ों के लिए संबंध शुरू करने और समाप्त करने की लिखित सूचना अथवा पंजीकरण का प्रावधान है। ऐसे संबंधों से जन्म लेने वाले बच्चों को वैध संतान का दर्जा देने के साथ उन्हें माता-पिता की संपत्ति और भरण-पोषण में अधिकार देने का प्रावधान किया गया है।

- **प्रस्तावित कानून में लिव-इन संबंध में रहने वाले जोड़ों के लिए संबंध शुरु करने और समाप्त करने की लिखित सूचना अथवा पंजीकरण का भी प्रावधान है।**

राजस्थान की अनुसूचित जनजातियों को विधेयक के दायरे से बाहर रखा गया है। इससे उनकी पारंपरिक प्रथाओं, सांस्कृतिक पहचान और प्रथागत अधिकारों को संरक्षण मिलेगा।

राज्य सरकार के अनुसार, विधेयक के कानून बनने पर राजस्थान समान नागरिक संहिता लागू करने वाले अग्रणी राज्यों में शामिल हो जाएगा।

केन्द्र सरकार ने टीवी पर विज्ञापनों की समय सीमा हटाई

नई दिल्ली, 22 अगस्त। केन्द्र सरकार ने टीवी चैनलों पर विज्ञापन प्रसारण की 12 मिनट की सीमा को खत्म कर दिया है। इस संबंध में केवल टेलीविजन नेटवर्क नियम 1994 में संशोधन की गजट अधिसूचना 21 अगस्त 2026 को जारी कर दी गई, जिसके साथ ही नया नियम प्रभावी हो गया।

- **वर्ष 2006 से टीवी पर विज्ञापनों की 12 मिनिट की समय सीमा लागू की गई थी।**

टीवी चैनलों के लिए 12 मिनट की विज्ञापन सीमा वर्ष 2006 में लागू की गई थी। उस समय देश में केवल 62 टीवी चैनल थे। अब इनकी संख्या 900 से अधिक हो चुकी है। इसके अलावा केबल टीवी के डिजिटलीकरण के बाद डीटीएच केबल, जैसे प्लेटफॉर्म पर दर्शकों को बड़ी संख्या में चैनल उपलब्ध हैं। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के अनुसार, टीवी उद्योग में अब पर्याप्त प्रतिस्पर्धा मौजूद है।

18 भाषाएं जानता है, ट्रेन में सामान बेचने वाला राजस्थानी वैंडर

एक्स पर एक यूज़र ने उक्त वैंडर का वीडियो शेयर किया, जिसमें वह यात्रियों को टूथ ब्रश, टूथपेस्ट व साबून बेचते हुए तथा अलग-अलग भाषाओं में बात करता हुआ दिख रहा है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 अगस्त। ट्रेन में रोजमर्रा की जरूरत का सामान बेचने वाले एक व्यक्ति ने यात्रियों को उस समय हैरान कर दिया, जब उसने बताया कि वह 18 से 19 भाषाएं बोल सकता है और इनमें से कई भाषाएं उसने खुद सीखीं हैं।

- **उक्त वैंडर ने बताया कि वह राजस्थान का है तथा 18-19 भाषाएं बोल सकता है, ये सभी भाषाएं उसने खुद ही सीखी हैं।**
- **यह वीडियो इस समय सोशल मीडिया पर वायरल है और यूज़र्स उसकी खूब सराहना कर रहे हैं।**

एक्स यूज़र लक्ष्य मेहता ने इस मुलाकात का वीडियो साझा किया। वीडियो में यह व्यक्ति ट्रेन में यात्रियों के बीच टूथब्रश, टूथपेस्ट और साबुन बेचता और यात्रियों से बात करता नजर आ रहा है। वीडियो में वह एक यात्री टूथपेस्ट देता है। यात्री उससे उसके बारे में और उसकी भाषाओं की जानकारी के बारे में पूछने लगता है। व्यक्ति बताता है कि वह राजस्थान का रहने वाला है और 18 से 19 भाषाएं बोल सकता है।

इसके बाद वह यात्रियों से बातचीत करते हुए सहजता से अंग्रेजी में बोलने लगता है। उसकी धाराप्रवाह बातचीत से यात्री काफी प्रभावित नजर आते हैं।

उसने यह भी बताया कि उसे कई क्षेत्रीय भाषाओं का ज्ञान है और उसने अलग-अलग भारतीय भाषाओं के बीच की समानताओं को भी बताया। भाषाओं के बीच संबंधों को पहचानने की उसकी क्षमता ने यात्रियों को खासा प्रभावित किया। वे उससे लगातार सवाल करते रहे और वह अपने भाषाओं के प्रति लगाव के बारे में बताता रहा।

बातचीत के दौरान यात्री उसके द्वारा बेचे जा रहे सामान से ज्यादा उसकी भाषाई प्रतिभा और सीखने की क्षमता में रुचि लेते नजर आए।

वीडियो के कैप्शन में लिखा गया कि यह एक ऐसे व्यक्ति की झलक है, जो ट्रेन में टूथब्रश, टूथपेस्ट और साबुन बेचता है, 18-19 भाषाएं जानता है और नई भाषाएं सीखने की प्रक्रिया को पसंद करता है।

वीडियो को दर्शकों से काफी सराहना मिली। कई लोगों ने कहा कि रोजी-रोटी के लिए मेहनत करते हुए इतनी भाषाएं सीखने की उसकी क्षमता वास्तव में प्रेरणादायक है।

कुछ लोगों का मानना था कि उसकी कहानी उस प्रतिभा और जिज्ञासा को सामने लाती है, जिस पर अक्सर किसी का ध्यान नहीं जाता। वहीं अन्य लोगों ने विपरीत परिस्थितियों के बावजूद, लगातार सीखते रहने के उसके जज्बे की तारीफ की।

कई यूज़र्स ने उसकी भाषाओं पर पकड़ और आत्मविश्वास की भी सराहना की। एक यूजर ने उसे लगातार सीखते रहने और कडी मेहनत करने की मिसाल बताया।

एक अन्य यूज़र ने कहा कि यह बातचीत उस भारत की तस्वीर पेश करती है, जिसे वह देखना चाहता है, जहां प्रतिभा, जिज्ञासा, विनम्रता और दृढ़ता एक साथ दिखाई देती हैं।

भाजपा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अर्थ, राष्ट्रीय महत्व और गौरवशाली विरासत को पहुंचाने के लिए अभियान शुरू करेगी।

उन्होंने कहा, "भाजपा पूर्ण वंदे मातरम् के सम्मान, गरिमा, विरासत और राष्ट्रीय स्वरूप की रक्षा करेगी।"

भाजपा महात्मा गांधी के उस बयान को भी प्रचारित करेगी, जिसमें उन्होंने वंदे मातरम् को साम्राज्यवाद-विरोधी नारा बताते हुए, इसे शुद्धतम राष्ट्रीय भावना से जुड़ा बताया था।

नबीन ने कहा, सत्तारूढ़ दल ने विशेष रूप से युवा पीढ़ी के बीच जागरूकता अभियान चलाने का भी फैसला किया है, ताकि छह अंतरों वाले पूर्ण राष्ट्रीय गीत और उसके इतिहास को भुलाया न जाए और आने वाली पीढ़ियां वंदे मातरम् से जुड़ी भारत की स्वतंत्रता की यादों और उसके ऐतिहासिक महत्व को समझ सकें।

अजीब है खेल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जारी की गई हो, तो यह समारोह नहीं होता। राष्ट्रपति भवन के अनुसार, चेंज ऑफ गार्ड एक सैन्य परंपरा है, जिसके तहत महलों, किलों और रक्षा प्रतिष्ठानों में तैनात गार्ड और संतरी समय-समय पर बदले जाते हैं, ताकि सैनिकों की नई टुकड़ी जिम्मेदारी संभाल सके।

बताया गया था कि रहमान की भारत यात्रा 23 और 24 अगस्त को प्रस्तावित थी, लेकिन कुछ मुद्दों के कारण यह कार्यक्रम आगे नहीं बढ़ सका।

विदेश मंत्रालय ने इस महीने की शुरुआत में घोषणा की थी कि भारत ने रहमान को द्विपक्षीय यात्रा के साथ-साथ, नई दिल्ली में होने वाले आगामी ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के आउटरीच सत्र में हिस्सा लेने के लिए आमंत्रित किया है।

इस महत्वपूर्ण यात्रा के कार्यक्रम और अन्य पहलुओं को अंतिम रूप देने के लिए दोनों देशों के बीच कई दौर की राजनयिक बातचीत भी हुई है।

दोनों देशों के संबंधों में हाल में उस समय कुछ और तनाव पैदा हुआ, जब बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने 5 अगस्त को नई दिल्ली से वर्चुअल मीडिया संवाद किया।

हसीना के इस संवाद के बाद, ढाका ने एक बार फिर उनके प्रत्यर्पण की मांग दोहराई और यहां तक कि इसे रहमान की संभावित भारत यात्रा से जोड़ने की कोशिश भी की।

मीडिया संवाद के बाद, भारत ने खुद को उससे अलग करते हुए स्पष्ट किया कि नई दिल्ली ने न तो इसमें कोई भूमिका निभाई थी और न ही हसीना की टिप्पणियों का समर्थन किया था।

78 वर्षीय हसीना को अगस्त 2024 में छात्र नेतृत्व वाले हिंसक प्रदर्शनों के बाद सत्ता से हटा दिया गया था। वे उसी वर्ष 5 अगस्त को ढाका से निकलने के बाद से भारत में रह रही हैं।

पाकिस्तान ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के तहत, संतुलित विदेश नीति पर आगे बढ़ रहा है। इसमें राष्ट्रीय हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। बांग्लादेश की ओर से आए ताजा संकेतों के बाद मक्का रक्षा समझौते के संभावित विस्तार को लेकर चर्चा तेज हो सकती है। हालांकि, ढाका ने अभी औपचारिक रूप से इस समझौते में शामिल होने की घोषणा नहीं की है। बावजूद इसके, दक्षिण एशिया और मध्य पूर्व के बीच उभरते नए रणनीतिक समीकरणों पर भी नजरें टिक गई हैं। पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार ने 9 अगस्त को कहा था कि मक्का समझौता उन देशों के लिए खुला है, जो इसके मूल सिद्धांतों को स्वीकार करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा था कि यह समझौता रक्षात्मक उद्देश्य से किया गया है और इससे पाकिस्तान के मौजूदा द्विपक्षीय या बहुपक्षीय समझौतों को रद्द या प्रभावित नहीं किया गया है।

एसीडी ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जांच के दौरान एजेंसी ने बड़ी संख्या में दस्तावेजों और रिकॉर्ड की जांच की तथा ठेकेदारों और विक्रेताओं से पूछताछ की। एसीबी जांच में सामने आया कि साल-2016 में आरोग्य रथ केवल कागजों में चलाया गया था। फर्जीवाड़े के समय नीरज के. पवन एनएचएम में पदस्थापित थे।

महिलायें अधिक संवेदनशील, सौम्य, दयालु व दूरदर्शी होती हैं- राहुल गांधी

उन्होंने पुणे में "छात्रों की गूंज" कार्यक्रम में अपने विचार रखे

पुणे, 22 अगस्त। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि महिलाएं स्वभाव से पुरुषों की तुलना में अधिक संवेदनशील, सौम्य, दयालु और दूरदर्शी होती हैं और इसीलिए मेरा मूल रूप से मानना है कि भारत की महिलाएं देश की सबसे बड़ी संपत्ति हैं। जब भी मैं किसी पुरुष से बात करता हूं, तो महिलाओं को तीन श्रेणियों में रखा जाता है।

- **राहुल गांधी ने महिलाओं से कहा कि पिता, भाई, पति या बेटे के साथ आपके रिश्ते हो सकते हैं, लेकिन आप उनकी संपत्ति नहीं हैं, आप अपनी खुद की हैं।**

उन्हें बेटी, पत्नी या मां के रूप में देखा जाता है। पत्नी, बेटी या मां के रूप में देखे जाने में कुछ भी गलत नहीं है। लेकिन यह आपकी एकमात्र पहचान नहीं हो सकती। ऐसा नहीं हो सकता कि हमारे पास शानदार महिलाएं हों. जो बेहद दिलचस्प और अलग-अलग काम कर रही हों, जो प्रौफैशनल हों, खिलाड़ी हों, कई तरह के काम करती हों, और फिर भी हमारे पुरुषों द्वारा उन्हें केवल इन्हीं तीन रूपों में पहचाना जाए।

राहुल गांधी ने शनिवार को पुणे में छात्रों की गूंज कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मनुस्मृति कहती है- बचपन में महिला अपने पिता की होती है। जवानी में वह अपने पति की होती है। पति की मृत्यु के बाद वह अपने बेटों की होती है।

महिला को कभी भी स्वतंत्र नहीं होना चाहिए। यह मनुस्मृति का सीधा उद्धरण है और ये शब्द शर्मनाक हैं, क्योंकि ये शब्द कभी कहे ही नहीं जाने चाहिए थे।

राहुल गांधी ने कहा, मेरा मानना है कि इस देश की सबसे बड़ी ताकत यह है कि हमारी महिलाएं स्वतंत्र हों, अपने लिए खड़ी हों और खुद पर भरोसा रखें। पिता, भाई, पति या बेटे के साथ आपके रिश्ते हो सकते हैं, लेकिन आप उनकी संपत्ति नहीं हैं। आप अपनी खुद की हैं।

पुणे में 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम में राहुल गांधी ने सवाल करते हुए कहा कि भारत की सबसे बड़ी ताकत क्या है? इसे लेकर मैं बिल्कुल साफ हूं। उन्होंने कहा कि यह 70 करोड़ महिलाओं की अनोखी यात्राएं और अनोखे सपने हैं, जिन्हें वे जी रही हैं।

इस कार्यक्रम से पहले भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस के बीच आरोप-प्रत्यारोप तेज हो गया है। भाजपा विधायक राम कदम ने आरोप लगाया है कि कार्यक्रम में छात्रों को पैसे देकर लाया जा रहा है। तो जो लोग पैसे लेकर कार्यक्रम में आ रहे हैं, उनसे किस तरह का संवाद होगा। राहुल गांधी को सुनने कोई नहीं आ रहा, वे पैसे मिलने की वजह से आ रहे हैं।

वहीं, कांग्रेस नेता यशोमति चंद्रकांत ठाकुर ने इन आरोपों पर पलटवार किया। उन्होंने कहा, आप भाजपा के अकाउंट देखिए और हमारे अकाउंट देखिए। हमारे पास पैसा आएगा कहां से? हमारे पास पैसा ही नहीं है। कांग्रेस उत्साह से भरी है, बच्चे उत्साह से भरे हैं। कोई डरा हुआ नहीं है।

प्रधानमंत्री ने भाजपा की नयी कार्यकारिणी के साथ बैठक की

नयी दिल्ली, 22 अगस्त। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के नवनियुक्त पदाधिकारियों से बातचीत की और कहा कि ऐसी बैठकें पार्टी को मजबूत बनाने के लिए नए विचारों तथा दृष्टिकोण पर केन्द्रित होती हैं। भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन के नेतृत्व वाली नयी टीम की घोषणा 17 अगस्त को की गई थी और टीम ने पहली बार पार्टी अध्यक्ष और प्रधानमंत्री के साथ बैठक की। बैठक में निवर्तमान राष्ट्रीय कार्यकारिणी के कुछ पदाधिकारी और कुछ राज्य इकाइयों के अध्यक्ष भी शामिल हुए। मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, संगठन की बैठकें पार्टी को मजबूत बनाने और लोगों के साथ जुड़ाव बढ़ाने के लिए नए विचारों व नजरिए पर केन्द्रित होती हैं। पार्टी के साथियों और नयी संगठनात्मक टीम के साथ बहुत सार्थक बातचीत हुई। बैठक में भाजपा के नवनियुक्त उपाध्यक्ष राम माधव और राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, पूर्व केन्द्रीय मंत्री स्मृति ईरानी, त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री बिप्लव देब, महासचिव (संगठन) बी. एल. संतोष और कोषाध्यक्ष व केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल भी शामिल हुए। भाजपा ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि मोदी ने पार्टी की नवनियुक्त संगठनात्मक टीम से बातचीत की और पार्टी के संगठन को और मजबूत बनाने तथा लोगों के साथ जुड़ाव बढ़ाने के लिए अपने विचार और दृष्टिकोण साझा किये।

बार काउन्सिल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इसे मनन कुमार मिश्रा का लगातार सातवां कार्यकाल बता रहे हैं।

याचिका में कहा गया है कि बीसीआई रुल्स के रुल 12(2) में चेयरमैन और वाइस-चेयरमैन के लिए दो साल के कार्यकाल या सदस्यता खत्म होने तक का प्रावधान है। याचिका में कहा गया है कि कोई प्रशासनिक नोटिफिकेशन नियमों द्वारा तय सीमा से ज्यादा कार्यकाल नहीं बढ़ा सकता है।

'डीडीए' 'आर्ट ऑफ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

यह भी कहा कि यमुना के बाढ़ क्षेत्र की सुरक्षा सुनिश्चित करने में डीडीए अपने कर्तव्य का निर्वहन करने में विफल रहा।

अदालत ने शहरी नियोजन एवं विकास संस्था को एनजीटी के निर्देश के अनुरूप यमुना के बाढ़ क्षेत्र के पुनर्वास का काम जारी रखने का भी निर्देश दिया।

एनजीटी ने आर्ट ऑफ लिविंग को यमुना के किनारे विशाल आयोजन करने की अनुमति इस शर्त पर दी थी कि संगठन पर्यावरण को हुए नुकसान की पूरी राशि जमा करेगा। यह कार्यक्रम "11 से 13 मार्च 2016" के बीच आयोजित हुआ था।

11 मार्च 2016 को "वर्ल्ड कल्चर फेस्टिवल" के उद्घाटन के दिन आयोजकों ने एनजीटी के समक्ष आवेदन देकर पूरी राशि जमा करने के लिए चार सप्ताह का समय मांगा था।

ट्रिब्यूनल ने उस दिन फाउंडेशन को 25 लाख रुपये जमा करने की अनुमति दी और शेष राशि जमा करने के लिए तीन सप्ताह का समय दिया।

आर्ट ऑफ लिविंग ने तत्काल 25 लाख रुपये जमा कर दिए। बाद में उसने शेष 4.75 करोड़ रुपये को राशि जमा करने के बजाय बैंक गारंटी के रूप में स्वीकार करने और उस धन का इस्तेमाल क्षेत्र में जैव विविधता पार्क स्थापित करने के लिए करने का अनुरोध किया, लेकिन यह मांग स्वीकार नहीं की गई। बाद में जुर्माने की पूरी राशि जमा कर दी गई, लेकिन आर्ट ऑफ लिविंग ने एनजीटी के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी। इसके साथ ही, इस मामले में कानूनी लड़ाई शुरू हो गई, जो लंबे समय तक चली।

उत्तर प्रदेश ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उम्मीदवारों और ऐसे स्थानीय मुद्दों, जो मतदाताओं के रुख को प्रभावित कर सकते हैं, पर ध्यान केन्द्रित किया जा रहा है।

सर्वेक्षणों से मिलने वाले फीडबैक के आधार पर भाजपा संभावित उम्मीदवारों की पहचान करने के साथ-साथ विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में अपनी स्थिति का आकलन करेगी, ताकि चुनावी अभियान के पूरी तरह गति पकड़ने से पहले रणनीति को अंतिम रूप दिया जा सके।

फूड इकॉनमी तेजी से बढ़ रही ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पहले कीड़ों को निकाल दिया जाएगा।

हालांकि, महाराष्ट्र के इस अनुभव को इस बात के प्रमाण के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए कि खाद्य सुरक्षा की समस्या केवल इसी राज्य में है।

राष्ट्रीय स्तर पर खाने के स्टैण्डर्ड "फूड सेफ्टी एण्ड स्टैंडड्र्स अथॉरिटी ऑफ इण्डिया" (एफएसएसएआई) द्वारा तय किए जाते हैं, जबकि इन्हें लागू करने की जिम्मेदारी मुख्य रूप से राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों के अधिकारियों की होती है। राष्ट्रीय आंकड़े बताते हैं कि नियमों का पालन बड़े पैमाने पर नहीं हो रहा है।

2025-26 में उपलब्ध अस्थायी आंकड़ों के अनुसार, राज्यों ने 2.24 लाख से अधिक खाद्य नमूनों की जांच की, जिनमें से 40,000 से अधिक नमूने मानकों के अनुरूप नहीं पाए गए, यानी लगभग 18 प्रतिशत। महाराष्ट्र में जांच किए गए 7,694 नमूनों में से 1,335 नमूने मानकों के अनुरूप नहीं पाए गए।

राज्यों के बीच ये आंकड़े काफी अलग-अलग हैं और इन्हें खाद्य सुरक्षा की सीधी रैंकिंग नहीं माना जा सकता, क्योंकि जांच की तीव्रता, लिए गए खाद्य नमूनों के प्रकार और नियम लागू करने के तरीके अलग-अलग हैं। लेकिन ये आंकड़े साफ तौर पर दिखाते हैं कि खाद्य सुरक्षा के उल्लंघन की समस्या केवल एक राज्य तक सीमित नहीं है।

सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि भारत की फूड इकॉनमी के आकार और नियम लागू करने की क्षमता के बीच अंतर है। जून 2026 तक भारत में 74 लाख से अधिक सक्रिय खाद्य लाइसेंस और पंजीकरण थे। लेकिन 2025-26 की तीसरी तिमाही तक राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों में खाद्य सुरक्षा अधिकारी के स्वीकृत 4,208 पदों में से केवल 2,997 पद भरे हुए थे, यानी करीब 29 प्रतिशत पद खाली थे।

- **विशेषज्ञों ने फूड सेफ्टी में भारी सुधार की जरूरत बताते हुए कहा कि इस क्षेत्र में कर्मचारियों की संख्या भी बहुत कम है। फूड सेफ्टी ऑफिसर के मंजूर किए गए हर तीन में से एक पद खाली हैं। ऐसे में इतने बड़े खाद्य बाज़ार का लगातार निरीक्षण करना मुश्किल हो जाता है।**

रेस्तरां, क्लाउड किचन, खाद्य डिलीवरी प्लेटफॉर्म, क्विक-कॉमर्स के गोदामों, सड़क किनारे खाने-पीने की दुकानों और छोटे खाद्य कारोबारों की तेजी से बढ़ती संख्या ने समस्या को और बढ़ा दिया है। अब नियमों को ऐसे लाखों अतिरिक्त स्थानों पर लागू करना पड़ रहा है, जहाँ खाद्य पदार्थों को स्टोर किया जा सकता है, बनाया जा सकता है और बेचा जा सकता है।

चुनौती केवल खाद्य पदार्थों में मिलावट से कहीं ज्यादा बड़ी है। कोई उत्पाद प्रयोगशाला के मानकों पर खरा उतर सकता है, लेकिन दूषित पानी, खराब रेफ्रिजरेशन, कीड़ों की मौजूदगी, गलत तरीके से स्टोर करने या साफ-सफाई न रखने के कारण वह असुरक्षित हो सकता है।

विशेषज्ञों और नियामक अधिकारियों का मानना है कि भारत को धीरे-धीरे ऐसी व्यवस्था की ओर बढ़ने की जरूरत है, जो मुख्य रूप से शिकायत, निरीक्षण, नोटिस और जुर्माने पर आधारित प्रतिक्रिया देने वाली व्यवस्था के बजाय, जोखिम के आधार पर पहले से रोकथाम करने वाली व्यवस्था हो।

अधिक जोखिम वाले प्रतिष्ठानों में ज्यादा बार और अचानक निरीक्षण होना चाहिए, जबकि बार-बार नियमों का उल्लंघन करने पर भारी जुर्माना, सस्पैंशन और जरूरत पड़ने पर लाइसेंस रद्द करने जैसी कार्रवाई होनी चाहिए। बड़ी खाद्य श्रृंखलाओं पर भी छोटे प्रतिष्ठानों की तरह ही खाद्य सुरक्षा के नियमों को सख्ती से लागू किया जाना चाहिए।

एक और महत्वपूर्ण सुधार अधिक पारदर्शिता लाना हो सकता है। रैस्तरां, होटल, क्लाउड किचन और खाद्य उत्पाद बनाने वाली कंपनियों के लिए उनके एफएसएसएआई लाइसेंस से जुडे डिजिटल फूड सेफ्टी स्कोरकार्ड बनाए जा सकते हैं। इनमें निरीक्षण की तारीख, गंभीर कमियां, लगाए गए जुर्माने और कमियों को दूर किया गया या नहीं, इसकी जानकारी दी जा सकती है। उपभोक्ता इस जानकारी को क्यूआर कोड के जरिए देख सकते हैं।

हालांकि, तत्काल चुनौती कर्मचारियों की कमी है। फूड सेफ्टी ऑफिसर के मंजूर किए गए हर तीन में से एक पद खाली है, जिससे इतने बड़े और विविध खाद्य बाजार में लगातार निरीक्षण करना मुश्किल हो जाता है।

इसलिए महाराष्ट्र में हुई कार्रवाई ने एक राष्ट्रीय नीति से जुड़ा सवाल सामने रखा है। भारत को फूड सेफ्टी के नियमों की एक और परत की उतनी जरूरत नहीं है, जितनी पहले से मौजूद नियमों को अधिक प्रभावी तरीके से लागू करने की जरूरत है।

असल परीक्षा यह होगी कि क्या मौजूदा मुहिम से लंबे समय तक चलने वाले संस्थागत बदलाव आते हैं या यह केवल कुछ अधिकारियों और अस्थायी अभियानों पर निर्भर रहती है। फूड सेफ्टी को अंततः एक रैगुलर पब्लिक हैल्थ फंक्शन बनाना होगा, जिसे पर्याप्त कर्मचारियों, प्रयोगशालाओं, तकनीक, पारदर्शी निरीक्षण और बार-बार नियम तोड़ने वालों के लिए कड़े जुर्माने का समर्थन मिले।

सीजेपी-ग्रामीण विवाद के 24 घंटे में रामपुर-कंवरपुरा स्कूल 50 मीटर दूर शिफ्ट हुआ

नए स्थान पर 16 बच्चे पढ़ने पहुँचे, पुलिस ने दोनों पक्षों की एफआईआर दर्ज की

जयपुर, 22 अगस्त। बगरू विधानसभा क्षेत्र के रामपुरा-कंवरपुरा गांव में राजकीय प्राथमिक स्कूल के निरीक्षण को लेकर शुक्रवार को कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों के बीच हुआ विवाद शनिवार को भी जारी रहा। दोनों पक्षों ने शिवदासपुरा थाने में एक-दूसरे के खिलाफ शिकायत करके मारपीट और हुडदंग के आरोप लगाए हैं। पुलिस ने दोनों शिकायतों के आधार पर मामले दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। विवाद के करीब 24 घंटे बाद, शनिवार सुबह स्कूल को पुरानी जर्जर इमारत से करीब 50 मीटर दूर गांव के एक भवन में शिफ्ट कर दिया गया। यहां 16 से अधिक बच्चे पढ़ने पहुंचे।

- **सीजेपी के सह संयोजक आशुतोष रांका ने कहा कि सीजेपी ने घटना से संबंधित वीडियो सार्वजनिक कर दिए हैं। उन्होंने दूसरे पक्ष के भी वीडियो सार्वजनिक करने की मांग की।**
- **बगरू विधायक कैलाश वर्मा ने शनिवार शाम को ग्रामीणों से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सरकारी विद्यालयों की व्यवस्थाएं सुधारने के लिए राशि जारी की है, जिससे बगरू विधानसभा क्षेत्र के 60 विद्यालयों में काम कराया गया है।**

एसीपी चाकसू भवानी सिंह ने बताया कि सीजेपी की टीम सरकारी स्कूल का निरीक्षण करने रामपुरा-कंवरपुरा पहुंची थी। निरीक्षण के दौरान टीम और ग्रामीणों के बीच झड़प हुई, जिसमें मारपीट की स्थिति बनी। दोनों पक्षों की शिकायतों के आधार पर पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार, जांच में सामने आने वाले तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर संबंधित पक्षों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

सीजेपी के सह-संयोजक एवं प्रवक्ता आशुतोष रांका ने आरोप लगाया कि उनकी टीम स्कूल का निरीक्षण करने पहुंची थी। लेकिन गांव में पहुंचते ही उन्हें रोक दिया गया। रांका के अनुसार, कार्यकर्ताओं के साथ मारपीट की गई, पथराव हुआ, वाहनों के शीशे तोड़े गए और कुछ कार्यकर्ताओं के कपड़े तक फाड़ दिए गए। उन्होंने इसे सुनियोजित हमला बताते हुए आरोप लगाया कि बाहर से लोगों को बुलाया गया था।

रांका ने दावा किया कि घटना में शामिल बताए जा रहे कुछ लोग बाद में स्थानीय विधायक कैलाश वर्मा के साथ नजर आए। उन्होंने कहा कि सीजेपी ने घटना से संबंधित वीडियो सार्वजनिक किए हैं और दूसरे पक्ष से भी उपलब्ध वीडियो सार्वजनिक करने की मांग की है। उनका कहना है कि पुलिस को निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए।

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि सीजेपी के लोग बड़ी संख्या में गांव पहुंचे और स्कूल निरीक्षण के नाम पर ग्रामीणों से विवाद किया। ग्रामीणों का कहना है कि उनके आने से गांव का माहौल खराब हुआ और बच्चों में डर पैदा हुआ। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ लोग हथियार लेकर आए थे और ग्रामीणों को डराया-धमकाया गया।

ग्रामीण रविशंकर शर्मा के अनुसार, गांववालों की सहमति से भवन स्कूल संचालन के लिए उपलब्ध कराया गया है। यहां पहले किराना की दुकान चलती थी। अब इसी भवन में बच्चों की कक्षाएं लगाई जा रही हैं। मौके पर दो शिक्षक भी बच्चों के साथ मौजूद थे।

हालांकि नए स्थान पर भी व्यवस्थाओं को लेकर सवाल उठे। ग्रामीणों ने सरकार से मांग की है कि गांव में स्कूल के स्थायी भवन का जल्द निर्माण या मरम्मत कार्य कराया जाए।

बगरू विधायक कैलाश वर्मा ने शनिवार शाम को रामपुरा गांव में ग्रामीणों से मुलाकात की।

वर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सरकारी विद्यालयों में व्यवस्थाएं सुधारने के लिए राशि जारी की है और बगरू विधानसभा क्षेत्र में 60 से अधिक स्कूलों में काम कराया गया है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा। आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्सः0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्सः 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोनः 2413092, 2418945, फैक्सः 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोनः 2627612, फैक्सः0145-2624665 जालोर कार्यालय :- प्लाट नम्बर H1-4, इन्डस्ट्रीयल एरिया फैस प्रथम, जालौर, (राज.) फोन नम्बर 226422, 226423, जालौर। फैक्सः 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोनः 256906, 256907, फैक्सः01562-256908